आज उनके नाम की औपचारिक घोषणा होगी...आज सुबह 11:30 बजे औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद की शपथ लेंगे

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

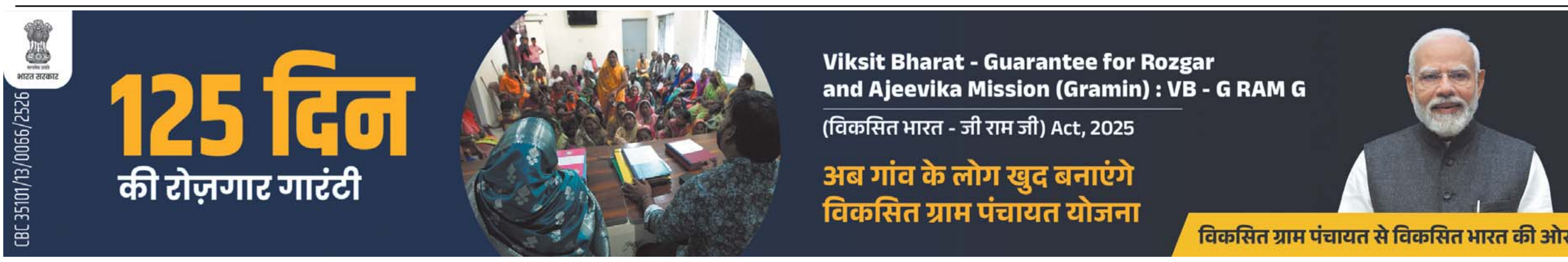

दुनिया की सर्वाधिक करीब 14 करोड़ कार्यकर्ताओं की पार्टी भाजपा ने अपना 12 वां अध्यक्ष विधिवत चुना

भाजपा के 'नवीन' अध्यक्ष बने 'नितिन'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए हैं। मंगलवार को उनके नाम की औपचारिक घोषणा होगी। नितिन नबीन के लिए 37 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो गई है। नितिन नबीन निर्विरोध भाजपा अध्यक्ष चुने गए हैं। भाजपा की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन की संवैधानिक और पारदर्शी प्रक्रिया पूर्ण हुई। 36 में से 30 राज्यों में संगठनात्मक चुनावों के बाद तय प्रक्रिया के अनुसार नामांकन, जांच और वापसी सम्पन्न हुई। भाजपा संगठन पर्व के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि नामांकन पत्रों की जांच के उपरांत सभी नामांकन पत्र निर्धारित प्रारूप के अनुसार तथा वैध पाए गए।

पार्टी के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने बताया कि निर्विरोध भाजपा अध्यक्ष चुने गए नितिन नबीन उनके अलावा किसी और का नामांकन नहीं

मप्र के भाजपा नेताओं ने नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए

45 साल के नबीन को मोदी-शाह का भरोसा भी हासिल

नबीन के पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाएंगे। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी नेतृत्व इस पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का समर्थन कर रहे है। 45 वर्षीय नबीन को दिसंबर, 2025 में पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। नितिन नबीन बिहार के एक अनुभवी नेता और पार्टी के मजबूत संगठनकर्ता माने जाते हैं। वे बांकीपुर विधानसभा सीट से लगातार पांच बार विधायक चुने जा चुके हैं। इससे पहले वर्ष 2006 में उन्होंने पटना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से पहली बार बिहार विधानसभा में कदम रखा था।

रक्षा मंत्री और गृह मंत्री शाह समेत कई दिग्गज रहे मौजूद

इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अपना समर्थन पत्र सौंपा। नबीन के नामांकन का समर्थन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने किया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अलावा धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और किरेन रिजिजू जैसे वरिष्ठ पार्टी नेता भी नबीन के नामांकन के समय मौजूद रहे।

लुटियंस जोन के 3 एकड़ वाले बंगले में रहेंगे नितिन

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले ही नितिन नबीन को लुटियंस दिल्ली में सरकारी आवास अलॉट कर दिया गया है। उन्हें 9 सुनहरी बाग रोड पर टाइप-8 श्रेणी का बंगला मिला है। दिलचस्प बात यह है कि इसी इलाके में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भी आवास है। राहुल गांधी अब उनके पड़ोसी होंगे।

नबीन के समर्थन में नामांकन पत्र जमा किए

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और अन्य राज्य नेताओं ने भी नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुष्कर सिंह धामी, नायब सिंह सैनी और प्रमोद सावंत भी उपस्थित रहे।

Ninh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

चांदी पहली बार 3 लाख रुपए के पार

नई दिल्ली। सोना-चांदी की कीमतों को लेकर गिरावट के सारे अनुमान धरे के धरे नजर आ रहे हैं और दोनों कीमती धातुएं हर रोज रिकॉर्ड तोड़ती दिख रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी ने तो खुलते ही ऐसा गदर मचाया कि एक किलो चांदी के दाम 3 लाख रुपए के पार निकल गया। चांदी ने इतिहास में पहली बार ये स्तर पार किया है। वहीं दूसरी ओर सोना भी 1 हजार 900 चढ़कर 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर जा पहुंचा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर सोमवार को ओपन होने के साथ ही चांदी की कीमत 13,553 रुपए चढ़ गई और इसके साथ ही इसने तीन लाख का आंकड़ा पहली बार पार करते लिया। 1 किलो चांदी का नया ऑल टाइम हाई लेवल 3,01,315 रुपए प्रति किलो हो गया है।

डब्ल्यूईएफ की 56वीं वार्षिक बैठक ▶ **स्विट्जरलैंड के दावोस में आर्थिक नीतियों पर मंथन**
दावोस में पांच दिन चर्चा करेंगे दिग्गज

एनएसए अजीत डोभाल, 4 केंद्रीय मंत्री समेत 6 सीएम होंगे शामिल, इनमें डॉ. मोहन यादव भी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दावोस में शुरू हो रही वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में 23 जनवरी तक दावोस में दुनियाभर के नेता आर्थिक नीतियों और वैश्विक चुनौतियों पर मंथन करेंगे। भारत का प्रतिनिधित्व इस बैठक में बेहद मजबूत है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू शामिल होंगे। इसके अलावा छह मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन. चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत बिस्वा सरमा, ध्य प्रदेश के डॉ. मोहन यादव, तेलंगाना के ए. रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन बैठक में भाग लेंगे।

दावोस की मुख्य सड़क प्रोमेनाड पर होटल, दुकानें और यहां तक कि चर्च भी अस्थायी रूप से नए रूप में ढल गए हैं। कंपनियों और देशों ने पूरे के पूरे भवन किराए पर लेकर सड़क को एक निरंतर प्रदर्शनी स्थल में बदल दिया है

बर्फ से ढंकी डावोस की गलियों में दुनिया भर के शीर्ष कारोबारी और राजनीतिक नेता जुटे

दावोस में मप्र के नवकरणीय ऊर्जा मंत्री व अन्य अधिकारी

सम्मेलन में 130 से ज्यादा देशों के करीब 3,000 वैश्विक नेता हिस्सा ले रहे

▶ ***यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व अंतरिक्ष जैसे विषयों पर कार्यक्रम होंगे***

▶ ***मौजूदा वैश्विक संकटों के बीच दुनिया में सच और भरोसे की कमी, जिसके बिना सामूहिक समाधान संभव नहीं***

वैश्विक सप्लाई चेन बड़े बदलाव की ओर

वैश्विक सप्लाई चेन अब संरचनात्मक अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर चुकी हैं, जिससे कंपनियां और सरकारें निवेश व उत्पादन की रणनीतियों पर दोबारा सोचने को मजबूर हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की रिपोर्ट के अनुसार चार में से तीन बिजनेस लीडर अब विकास के चालक के रूप में लचीलेपन को प्राथमिकता दे रहे हैं। वार्षिक बैठक से पहले जारी ग्लोबल वैल्यू चेन्स आउटलुक 2026 रिपोर्ट बताती है ।

डावोस मंच पर भारतीय युवाओं की मौजूदगी

यहां भारत से आए दो युवा भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। ये युवा भारत की जमीनी चुनौतियों से जुड़े समाधान दुनिया के सामने रख रहे हैं एक नागरिक समस्याओं के समाधान में जनता और प्रशासन के सहयोग की बात कर रहा

ये दिग्गज रखेंगे अपनी बात

दावोस बैठक के दौरान प्रमुख वैश्विक नेताओं के विशेष संबोधन भी होंगे। 20 जनवरी (मंगलवार) को माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला शाम 7:30 बजे विशेष संबोधन और संवाद करेंगे। 21 जनवरी (बुधवार) को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस 3:30 बजे भी विशेष सत्र को संबोधित कर सकते हैं। इनके अलावा एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग 2:00 बजे अपने विचार रखेंगे।

संवाद और एक-दूसरे को सुनना समाधान की कुंजी

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन क्लाउस श्वाब ने दावोस में होने वाली 56वीं वार्षिक बैठक से पहले समाज की बुनियादी नींव कमजोर पड़ने को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक संकटों के बीच दुनिया में सच और भरोसे की कमी है।

अब महेश्वर में तेज रफ्तार कार का कहर

सड़क किनारे खड़े 4 लोगों को रौंदा, व्यापारी की मौत

दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार

▶ ***बाइक सवार पिता पुत्री घायल***

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेश्वर

खरगोन जिले के महेश्वर (धरगांव) में सोमवार सुबह 9 बजे तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार लोगों और एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पिता-बच्ची सहित तीन अन्य लोग घायल हैं। घटना सुलगाव फाटे पर यशराज कॉलोनी के सामने हुई। धरगांव निवासी हार्डवेयर व्यापारी मुन्ना कर्मा (55) अपनी बाइक से लाल मिर्ची खरीदने सुलगाव फाटे पहुंचे थे। बड़वाह की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें और वहां खड़े शांतिलाल पाटीदार को टक्कर मार दी। इसी दौरान झापड़ी निवासी शुभम और उनकी 5 साल की बेटी भी मोटरसाइकिल से जाते समय कार की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार घटना स्थल से करीब आधा किमी दूर जाकर एक पेड़ से टकरा कर रुकी।

5 शव लेकर सड़क पर 6 घंटे बैठे रहे परिजन

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र स्थित रविवार को नेशनल हाईवे पर हुए सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई थी। सोमवार को मृतक के परिजन और ग्रामीण सभी के बाद शव लेकर धरने पर बैठे रहे। उन्होंने अपनी मांगों को लेकर सड़क पर चक्काजाम कर दिया। इससे रायपुर जबलपुर नेशनल हाईवे पर करीब 6 घंटे तक लंबा जाम लग रहा। पीड़ित परिवार 25 लाख रुपए और सरकारी नौकरी की मांग कर रहे थे। सूचना के बाद ग्रामीण एडिसनल एसपी सूर्यकांत शर्मा और बरकड़े विधायक चैन सिंह मौके पर पहुंचे और परिवार को समझाइश दी। हालांकि मृतकों को 10 लाख रुपए मुआवजा और घायलों को 2 लाख रुपए और मामूली चोट पर एक लाख रुपए की सहायता राशि देने पर सहमति बनी।

विधायक बरैया के समर्थन में आए दिग्विजय

कहा- कार्रवाई तो पुस्तक लिखने वाले पर होनी चाहिए, ये भाजपा की साजिश

भाजपा ने कहा-कांग्रेस के नैतिक दिवालियापन की खुली स्वीकारोक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिलाओं के प्रति असभ्य टिप्पणी करने वाले दतिया जिले के भांडेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक फूल सिंह बरैया का बचाव पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने किया है।

उन्होंने कहा कि बयान बरैया का नहीं है। उन्होंने बिहार के एक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहे हरि मोहन झा की

दिग्विजय सिंह

फूल सिंह बरैया

पुस्तक का उल्लेख किया था। कार्रवाई पुस्तक लिखने वाले पर होनी चाहिए। सिंह ने कहा कि बरैया के बयान को जानबूझकर तोड़ मरोड़कर पेश किया गया और इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक साजिश है। दिग्विजय ने स्पष्ट किया कि फूल सिंह बरैया ने जो बात कही, वह उनके निजी विचार नहीं थे। उन्होंने कहा कि अगर किसी को उस पुस्तक की सामग्री पर आपत्ति है, तो फिर कार्रवाई सिर्फ विधायक पर क्यों की जा रही है। इस पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिग्विजय सिंह द्वारा फूल सिंह बरैया का बचाव करना कांग्रेस के नैतिक दिवालियापन की खुली स्वीकारोक्ति है।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत उसे रेस्क्यू किया

सराफा बाजार में वर्षों से भीख मांग रहे मांगीलाल को उज्जैन के सेवाधाम आश्रम भेजा

इंदौर का करोड़पति भिखारी...3 मकान, कार और ऑटो का मालिक, सराफा व्यापारियों को देता है ब्याज पर रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

सराफा बाजार में वर्षों से भीख मांग रहा मांगीलाल असल में करोड़ों की संपत्ति का मालिक निकला। यह खुलासा तब हुआ, जब महिला एवं बाल विकास विभाग ने भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत उसे रेस्क्यू किया। प्रशासन ने मांगीलाल को उज्जैन के सेवाधाम आश्रम भेज दिया है।

यहां आश्रम के संचालक सुधीर भाई गोयल मांगीलाल की देखरेख में लगे हैं। वहीं उसकी संपत्ति, बैंक अकाउंट की जांच की जा रही है। उन सराफा व्यापारियों से भी बात की जाएगी जो मांगीलाल से पैसा उधार लेते थे।

▶ ***कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि इस मामले में दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी***

मांगीलाल

बाजार में घूमता हुआ

डिजायर कार चलाने के लिए ड्राइवर भी रखा

मांगीलाल के पास तीन ऑटो हैं, जिन्हें वह किराए पर चलाता है और एक डिजायर कार भी है, जिसे चलाने के लिए उसने ड्राइवर रखा हुआ है। वह अलवास क्षेत्र में अपने माता-पिता के साथ रहता है, जबकि उसके दो भाई अलग रहते हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने पुष्टि की कि भीख मांगने को बढ़ावा देने के लिए भी मांगीलाल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वह सूदखोरी में भी शामिल है, जो एक अपराध है। इंदौर में फरवरी 2024 से भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। प्रारंभिक सर्वे में 6500 भिक्षुक सामने आए थे, जिनमें से 4500 की काउंसलिंग कर भिक्षावृत्ति छुड़वाई गई है। वहीं 1600 भिक्षुकों को रेस्क्यू कर उज्जैन स्थित सेवाधाम आश्रम भेजा गया है ।

खबर संक्षेप

लद्दाख में 5.7 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के

कारण किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11:51 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। अभी तक भूकंप से संबंधित किसी भी प्रकार की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

चिली के जंगल में लगी भीषण आग, 19 की मौत

वॉशिंगटन। दक्षिण अमेरिकी देश चिली में जंगलों में लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचाई है। आग

की चपेट में आकर अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 हजार से अधिक लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने कई प्रभावित इलाकों में आपातकाल घोषित कर दिया है और सेना को राहत एवं सुरक्षा कार्यों में लगाया गया है।

सिरफिरे ने परिवार के 7 सदस्यों की हत्या की

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को घरेलू विवाद के चलते

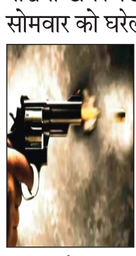

एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो महीने की बेटी सहित सात लोगों की घर में गोली मारकर हत्या कर दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने गोलीबारी की घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान फारूक उर्फ फारोकय के रूप में हुई है। आरोप है कि घरेलू विवाद के बाद उसने घर में मौजूद रिश्तेदारों को निशाना बनाकर गोलीबारी की।

नॉर्वे पीएम को ट्रंप की चिट्ठी हुई लीक!

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर जुनून अब अपने अगले शिखर तक पहुंचता नजर आ रहा है।

इस बार की नोबेल विजेता मचाडो ने भले ही उन्हें अपना नोबेल पदक सौंप दिया हो, लेकिन इसके बाद भी ट्रंप का नॉर्वे की नोबेल समिति को लेकर गुस्सा कम नहीं हुआ है। उन्होंने नॉर्वे के पीएम जोनास गहर स्टोरे को एक पत्र लिखकर कहा है कि अब, जबकि उन्हें नोबेल पुरस्कार नहीं दिया गया है, तो वह केवल शांति के बारे में सोचने की जरूरत महसूस नहीं करते हैं।

मुझे नोबेल नहीं दिया, अब शांति की जिम्मेदारी मेरी नहीं: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री को जमकर सुनाया है। नोबेल पुरस्कार न मिलने से नाराज ट्रंप ने कहा कि आठ युद्ध रुकवाने के बाद भी नॉर्वे ने उन्हें नोबेल पुरस्कार नहीं दिया। इसलिए अब वह वैश्विक शांति के बारे में सोचने के लिए बाध्य।

ट्रंप का नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर जुनून अपने शिखर पर

नोबेल समिति को लेकर भड़के डोनाल्ड

राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्र में पुरस्कार न दिए जाने का जिक्र किया

डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति

मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्टोरे को लिखे एक पत्र में उन्हें नोबेल पुरस्कार न दिए जाने का जिक्र किया। इतना ही नहीं उन्होंने नोबेल समिति में नॉर्वे सरकार की भूमिका को अपनी विदेश नीति से भी जोड़ा। उन्होंने लिखा, आपके देश ने मुझे 8 से अधिक युद्धों को रोकने के बावजूद नोबेल शांति पुरस्कार न देने का निर्णय लिया, इसलिए अब मुझे केवल शांति के बारे में सोचने की कोई बाध्यता महसूस नहीं होती, हालांकि शांति हमेशा सर्वोपरि रहेगी, लेकिन अब मैं इस बारे में सोच सकता हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए क्या अच्छा और उचित है।

डेनमार्क, चीन और रूस की शक्तियों से ग्रीनलैंड की रक्षा नहीं कर सकते: ट्रंप

ट्रंप ने आगे ग्रीनलैंड पर डेनमार्क की संप्रभुता पर सवाल उठाया और तर्क दिया कि न तो डेनमार्क और न ही मौजूदा सुरक्षा व्यवस्थाएं इस क्षेत्र को प्रमुख शक्तियों से बचा सकती हैं। उन्होंने कहा, डेनमार्क अकेले चीन और रूस जैसी शक्तियों से ग्रीनलैंड की रक्षा नहीं कर सकता। वैसे भी उसके पास ग्रीनलैंड के स्वामित्व का कोई अधिकार क्यों है? उनके पास कोई लिखित दस्तावेज नहीं है।

अमेरिका के लिए कुछ करे नाटो

नाटो में अमेरिका की भूमिका पर बात करते हुए ट्रंप ने दावा किया, नाटो की स्थापना के बाद से अमेरिका ने किसी भी अन्य देश की तुलना में इसके लिए अधिक काम किया है, और अब नाटो को भी संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कुछ करना चाहिए। जब तक ग्रीनलैंड पर अमेरिका का पूर्ण नियंत्रण नहीं हो जाता, तब तक दुनिया सुरक्षित नहीं रहेगी।

विदेशमंत्री जयशंकर की पोलैंड के डिप्टी पीएम को दो टूक

हमारे पड़ोस में आतंकवाद और आतंकी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा और मदद न दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में पोलैंड के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोर्स्की के साथ बैठक के दौरान ने एस जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर उनके रुख पर कड़ी आपत्ति जताई है। पोलैंड विदेश मंत्री के पाकिस्तान को समर्थन देने के बयान पर एस जयशंकर ने दो टूक कहा कि पोलैंड को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी अपनी बातें रखीं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पोलैंड के डिप्टी पीएम से कहा कि आप हमारे क्षेत्र से अच्छी तरह परिचित हैं और क्रॉस बार्डर टेरेरिज्म की चुनौतियों से भलीभांति वाकिफ हैं। पोलैंड को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए और अपने पड़ोस में आतंकी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए।

1. जयशंकर ने भारत को रूस-यूक्रेन विवाद के नाम पर अनुचित और चुनिंदा तरीके से निशाना बनाए जाने पर आपत्ति जताई
2. *विदेशमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाने और पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद में समर्थन न देने की चेतावनी दी*

विदेश मंत्री, एस जयशंकर, राडोस्लाव सिकोरस्की पोलैंड के विदेशमंत्री

आप सीमा पार आतंकवाद की समस्या से परिचित

भारत ने राडोस्लाव सिकोरस्की से कहा कि वह पाकिस्तान में आतंकवादी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने में मदद न करें। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'हाल ही में न्यूयॉर्क और पेरिस में मैंने यूक्रेन संघर्ष और इसके नतीजों पर अपने विचार खुलकर शेयर किए हैं। ऐसा करते हुए मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को चुन-चुनकर निशाना बनाना गलत और अन्यायपूर्ण है, मैं आज फिर यही कह रहा हूं। आप इस क्षेत्र से अनजान नहीं हैं और सीमा पार आतंकवाद की पुरानी समस्या से परिचित हैं।

पोलैंड के विदेश मंत्री : मैं आपसे पूरी तरह सहमत

एस जयशंकर की बातों पर सहमति जताते हुए पोलैंड के विदेश मंत्री सिकोरस्की ने कहा, 'मैं सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने की जरूरत पर आपसे पूरी तरह सहमत हूं। जैसा कि आपने सुना होगा, पोलैंड हाल ही में आगजनी और राज्य प्रायोजित आतंकवाद दोनों का शिकार हुआ है, जब पोलैंड की रेलवे लाइन को उड़ा दिया गया था। हालांकि आतंकवादियों की नाकामी के कारण कोई हताहत नहीं हुआ।

पोलैंड ने टैरिफ को लेकर भारत के रुख का समर्थन किया

पोलैंड ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान का समर्थन किया जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका खास देशों को को टैरिफ के जरिए टारगेट कर रहा है।
रादोस्लाव सिकोर्स्की ने कहा, टैरिफ के जरिए चुनिंदा देशों को निशाना बनाने वाले आपके बयान से मैं पूरी तरह सहमत हूं. हमें डर है कि यह ग्लोबल ट्रेड में उथल-पुथल का रूप ले रहा है।
पोलैंड के उप प्रधानमंत्री ने कहा कि यूरोप को उम्मीद है कि भारत इस क्षेत्र के साथ जुड़ाव बनाए रखेगा। उन्होंने कहा हमने देखा है कि आप यूरोप में हर जगह दूतावास स्थापित कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि आप यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को लेकर गंभीर हैं।

पोलैंड ने पाक के साथ साझा बयान में कश्मीर का किया था जिक्र

पोलैंड विदेश मंत्री ने अक्टूबर 2025 में पाकिस्तान के साथ जारी संयुक्त बयान में कश्मीर का जिक्र किया था। बयान में कहा गया था, 'पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर और पोलैंड ने यूक्रेन युद्ध पर अपना पक्ष रखा। भारत ने तब इसकी निंदा की थी और अब पैलेंड के विदेश मंत्री के सामने ये मद्दा उठाया।

व्हाइट हाउस के अधिकारी का खुलासा

ईरान पर हो सकता था हमला, मीटिंग के बाद ट्रंप ने रोकने का फैसला किया

बेंजामिन नेतन्याहू

डोनाल्ड ट्रंप

अली ख़ामेनेई

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

ईरान पर बुधवार को अमेरिकी हमला होने ही वाला था। सुरक्षा के लिहाज से कतर स्थित अमेरिकी एयरबेस अल उदैद को अमेरिकी सेनाओं ने खाली करना शुरू कर दिया था। बहरीन से अमेरिकी नेवी की पांचवीं फ्लीट को भी खाली कर दिया गया था।

ईरानी सरकार को यकीन था कि अमेरिका हमला करने वाला है और उसने अपना एयरस्पेस बंद करने का नोटिस जारी कर दिया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, यह नकली या कोई चाल नहीं थी। इस बीच सबका ध्यान बुधवार दोपहर को ट्रंप द्वारा अपनी टॉप नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बुलाई जाने वाली एक अहम मीटिंग पर चला गया। लेकिन घंटों बीत गए और व्हाइट हाउस से कोई खबर नहीं आई। ट्रंप ने रुकने का फैसला किया था।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा, वह स्थिति पर नजर रखना जारी रखना चाहते थे। दूसरे अमेरिकी अधिकारी ने कहा, यह बहुत करीब था। सेना बहुत तेजी से कुछ करने की स्थिति में थी, लेकिन आदेश नहीं आया।

ईरान के हमले से बचाव करने को तैयार नहीं इजराइल: ट्रंप

ट्रंप से कहा कि इजराइल ईरान के संभावित जवाबी हमले से खुद का बचाव करने के लिए तैयार नहीं है, खासकर इसलिए क्योंकि अमेरिका के पास इस क्षेत्र में इतने लाव-लश्कर नहीं हैं कि वह इजराइल को ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में मदद कर सके। इसके अलावा प्रधानमंत्री नेतन्याहू के एक सलाहकार ने कहा कि नेतन्याहू को लगा कि मौजूदा अमेरिकी प्लान काफी मजबूत नहीं है और असरदार नहीं होगा। मीडिया के अनुसार अनुसार सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भी ट्रंप से बात की और क्षेत्रीय स्थिरता पर इसके नतीजों को लेकर गहरी चिंता जताई। हालांकि ट्रंप के मन की बात जानना मुश्किल है, नेतन्याहू की चेतावनी और ट्रंप की टीम द्वारा अमेरिकी सेना पर ईरानी जवाबी कार्रवाई से होने वाले खतरों के बारे में दी गई।

18 साल से ज्यादा उम्र के हर युवक का सेना में जाना जरूरी

यूरोप की सबसे शक्तिशाली सेना बना रहा जर्मनी दिखेगी भारत के 'अग्निवीर' मॉडल की झलक

एजेंसी ▶▶ बर्लिन

जर्मनी दूसरे विश्वयुद्ध के बाद एक बार फिर से यूरोप की सबसे शक्तिशाली सेना बनाने लगा है। जर्मनी में अब 18 साल की उम्र से ज्यादा के हर एक युवक को जर्मनी के ने कानून के मुताबिक आर्मी में शामिल होना अनिवार्य कर दिया गया है।

हालांकि ये वॉलंटरी है, लेकिन यह कानून सरकार को वर्ल्ड वॉर -2 के बाद पहली बार यूरोप की सबसे मजबूत आर्मी बनाने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अनिवार्य सर्विस शुरू करने की इजाजत देता है। पिछले साल जर्मनी के पास एक्टिव ड्यूटी पर तैनात सैनिकों की संख्या 184,000 थी, जो मई के मुकाबले 2500 ज्यादा है। उस दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने पहली बार संसद में कहा था कि सेना, या बुंडेसवेहर, को यूरोप की सबसे मजबूत पारंपरिक सेना बनने की जरूरत है। पॉट्सडैम में बुंडेसवेहर सेंटर ऑफ मिलिट्री हिस्ट्री एंड सोशल साइंसेज के एक सीनियर रिसर्चर टिमो ग्राफ ने अलजजीरा की एक रिपोर्ट में कहा है कि यह बहुत लंबे समय में उनकी सबसे बड़ी सैनिकों की संख्या है और यह 2021 के बाद से हमारी सबसे मजबूत सेना है। जर्मनी की सरकार ने 23 महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर वॉलंटियर सर्विस शुरू की है और इसके लिए अच्छी सैलरी और सुविधाओं का लालच दिया गया है। हालांकि इस कॉन्ट्रेक्ट को बाद में अनिश्चित काल के लिए प्रोफेशनल सर्विस में बढ़ाया जा सकता है।

जर्मनी में 'अग्निवीरों' को कितनी सैलरी?

रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी में ऐसे सैनिकों को 2600 यूरो यानि करीब 3000 डॉलर दिए जाएंगे, क्योंकि वहां रहने की जगह पहले से ही मुफ्त है। मेडिकल इंश्योरेंस फ्री है और टैक्स काटने के बाद उनके पास करीब 2700 डॉलर प्रति महीने बनेंगे। 18 साल के युवाओं के लिए ये बहुत ज्यादा पैसा है। जर्मनी ने नाटो से वादा किया है कि वह 2035 तक एक्टिव ड्यूटी पर सैनिकों की संख्या को बढ़ाकर 260,000 तक ले जाएगा। इसके अलावा वो रिजर्व सैनिकों की संख्या को भी दोगुनी करके 200,000 करेगा। यानि, शीत युद्ध के समय जर्मनी के पास जितने सैनिक थे, वो उस स्तर तक पहुंच जाएगा।

आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी

किश्तवाड़ एनकाउंटर में सेना का एक जवान शहीद, जैश के 3 आतंकी फंसे

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा में रविवार को सुरक्षाबलों और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से हुई भारी गोलीबारी एक जवान बलिदान हो गया तो वहीं सात जवान घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। वहीं, दूसरी तरफ सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि रात भर रुकने के बाद, सुरक्षाबलों ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे होने की संदेह पर सर्च ऑपरेशन फिर से शुरू कर दिया। यह ऑपरेशन रविवार को चतरू बेल्ट में मंदराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि घनी हरियाली और खड़ी ढलानों वाले

मुश्किल इलाके में रविवार देर रात ऑपरेशन रोक दिया गया था, जिससे विजिबिलिटी और मूवमेंट सीमित हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें, ड्रोन और स्निफर कुत्तों की मदद से, इलाके की तलाशी ले रही हैं, साथ ही एक सख्त सुरक्षा घेरा बनाए हुए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी भाग न सकें। पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो से तीन आतंकवादियों का एक समूह इलाके में फंसा हुआ माना जा रहा है, ऑपरेशन दिन की पहली रोशनी के साथ फिर से शुरू हुआ है, और जारी है।

सीआईएसएफ के जवान चलाएंगे 6,500 किमी साइकिल

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ 28 जनवरी से 25 दिन के तटीय साइक्लोथॉन का दूसरा संस्करण आयोजित करेगा, जिसमें भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों के 6,500 किलोमीटर के इलाके को कवर किया जाएगा और किनारों पर सुरक्षा बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा। साइक्लोथॉन का पहला संस्करण मार्च 2025 में आयोजित किया गया था, जब सीआईएसएफ के जवानों ने समुद्र तट के किनारे लगभग 6,500 किलोमीटर की दूरी तय की थी। सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने कहा साइक्लोथॉन के दूसरे संस्करण का मकसद तटीय आबादी को राष्ट्रीय उद्देश्यों से जोड़ना है। फोर्स इन इलाकों के स्थानीय लोगों को तटीय सुरक्षा के बारे में भी जागरूक करेगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर नाटो को कमजोर करने का आरोप

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की जबरदस्ती नाटो को हमेशा के लिए खत्म कर देगी?

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की ऐसी जिद्द पाल ली है कि वो अपने दोस्तों को ही दुश्मन बनाते जा रहे हैं। जिन पश्चिमी देशों ने रूस से रक्षा के लिए नाटो सैन्य संगठन बनाया था, आज वो गुट ही अंदर से खोखला दिख रहा है। अमेरिका की जिद्द के सामने उसके वजूद पर ही सवालिया निशान लग रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ग्रीनलैंड पर अपनी सनक का विरोध करते नाटो सहयोगियों पर ही टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इसे नाटो के लिए उसके इतिहास का सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। चलिए समझते हैं कि ट्रंप ने नाटो के वजूद को चुनौती कैसे दे दी है।

नाटो में अमेरिका से लेकर यूरोप के तमाम बड़े देश शामिल

ग्रीनलैंड

अब समझते हैं नाटो को नाटो या उत्तर अटलांटिक संधि संगठन 32 सदस्य देशों का एक सैन्य और राजनीतिक गठबंधन है। इसमें अमेरिका से लेकर यूरोप के तमाम बड़े देश शामिल हैं। इसमें डेनमार्क भी शामिल है, जिसके अंदर ग्रीनलैंड आता है। इस नाटो को बनाने का मुख्य उद्देश्य ही था कि अपने सदस्य देशों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करना। यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है, तो उसे सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है और सभी मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। यह इसके अनुच्छेद 5 के तहत आता है।

ट्रंप की ग्रीनलैंड वाली जिद और नाटो का सबसे बड़ा वादा

ग्रीनलैंड में साल 1979 से व्यापक स्वशासन है, हालांकि रक्षा और विदेश नीति डेनमार्क के हाथों में है। इसीलिए ग्रीनलैंड को डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त हिस्सा माना जाता है। ग्रीनलैंड और डेनमार्क में बैठी दोनों जगह की सरकारों ने साफ-साफ कह दिया है कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है लेकिन ट्रंप और उनकी सरकार मान नहीं रही है।

ग्रीनलैंड पर रूस और चीन कब्जा कर सकते हैं: ट्रंप

यहां इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि ट्रंप का दावा है कि रूस और चीन ग्रीनलैंड पर कब्जा कर सकते हैं और इसलिए अमेरिका अपने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उसे खुद में मिलाना चाहता है। अब सवाल है कि किसी नाटो देश को रूस और चीन के ऐसे हमलों से बचाने के लिए ही तो नाटो बनाया गया था। अब दोस्त पर दूसरे के हमले को रोकने के लिए खुद अपने दोस्त पर हमला कर देना कहां तक जायज है?

नाटो देशों में टैरिफ वॉर शुरू?

ट्रंप ने ग्रीनलैंड के लिए अपनी आक्रामक मांगों को तेज करते हुए पूरे को स्तब्ध कर दिया। उन्होंने विदेश नीति में टैरिफ के उपयोग को चरम सीमा पर पहुंचा दिया। उन्होंने शनिवार को कहा कि वह ग्रीनलैंड पर उनके स्टैंड को विरोध करने वाले देशों पर टैरिफ लगाएंगे। 1 फरवरी से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड के किसी भी और सभी सामान पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जो 1 जून को बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा, जब तक कि कोई समझौता नहीं हो जाता।

अन्य रेलगाड़ी से टकराने से हुआ हादसा

दक्षिण स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर में 21 लोगों की मौत हुई

एजेंसी ▶▶ बार्सिलोना

दक्षिण स्पेन में एक तेज रफ्तार रेलगाड़ी के पटरी से उतर कर विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य रेलगाड़ी से टकरा जाने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मीडिया को मिली जानकार के अनुसार एक रेलगाड़ी में लगभग 300 यात्री सवार थे।

वह स्थानीय समयानुसार शाम 7:45 बजे कॉर्डोबा के पास पटरी से उतरकर दूसरी पटरी पर चढ़ गई और मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गई। इस रेलगाड़ी में लगभग 200 यात्री सवार थे। स्पेन

घायलों को अस्पताल ले जाते हुए कर्मी

के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने बताया कि इस हादसे में 21 लोग मारे गए हैं। बचाव अभियान संचालित किया गया, अन्य यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया। पुएंते ने कहा कि मृतक संख्या बढ़ सकती है। परिवहन मंत्री ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने इसे दुर्लभ घटना करार दिया क्योंकि यह पटरी के एक समतल हिस्से पर हुई जिसकी मई में मरम्मत की गई थी।

जबलपुर
मंगलवार 20 जनवरी 2026
माघ मास शुक्ल पक्ष-2
वर्ष : 20, अंक : 262
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 28
न्यून. 12

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

8 जाली करंसी से अर्थव्यवस्था को चोट

मैट्रो
14 मेडिकल में एसोसिएट प्रोफेसर ...

शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और पीएम मोदी हाथ मिलाते हुए

मुलाकात छोटी... एजेंडा बड़ा

शेख मोहम्मद मात्र डेढ़ घंटे के दौरे पर भारत पहुंचे, बतौर राष्ट्रपति उनका तीसरी बार भारत दौरा

यूएई के राष्ट्रपति पहुंचे भारत, प्रधानमंत्री मोदी ने किया स्वागत, कहा- अपने भाई को लेने पहुंचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भारत पहुंच गए है। हवाईअड्डे पर पीएम नरेंद्र मोदी स्वागत करने पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा कि वो अपने भाई को लेने वहां पहुंचे हैं। बतौर राष्ट्रपति ये उनकी तीसरी भारत यात्रा है। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट पर कहा-मैं अपने भाई, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति, महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट गया।

नाहयान का ये दौरा दोनों देशों के व्यापारिक और कूटनीतिक संबंधों के लिए अहम

दोनों देशों के बीच व्यापार 100.06 अरब डॉलर के आंकड़े के पार

माना जा रहा है कि इस दौरान व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऊर्जा और दुनिया से जुड़े अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। शेख मोहम्मद नाहयान बतौर राष्ट्रपति तीसरी बार भारत दौरे पर पहुंच रहे हैं। वहीं बीते 10 सालों में उनकी यह पांचवीं भारत यात्रा है। दोनों देशों के बीच व्यापार वित्त वर्ष 24-25 में 100.06 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है, जो कि 19.6 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी को दर्शाता है। इसी के साथ यह उपलब्धि भारत के लिए यूएई को उसके खास व्यापार साझेदारों में से एक बनाती है। पीएम मोदी को यूएई ने 2019 में यूएई के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायद से सम्मानित किया जा चुका है।

खबर संक्षेप

जमीन विवाद में धरमपुरी भाजपा विधायक पर हमला

धामनोद। धार जिले के धामनोद थाना क्षेत्र के ग्राम सिरसोदिया में सोमवार दोपहर जमीन विवाद को लेकर धरमपुरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर पर हमला हो गया। उनके खेत में पत्थर से वार किया गया। सिर में चोट आई है। विधायक ने आरोप लगाया है कि दोपहर करीब 12 बजे वे खेत में काम देखने पहुंचे थे। उनके खेत के पड़ोसी प्रिंस उर्फ पिंटू, गेंदाबाई और रंजू जमीन ने हमला कर दिया।

मेले में टूटा झूला, स्कूल के 14 बच्चे घायल, दो गंभीर

झाबुआ। झाबुआ में मेले में लगा झूला अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। झूले में सवार 14 स्टूडेंट घायल हो गए। दो छात्राओं को ज्यादा चोटें आई हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। हादसा झाबुआ के उत्कृष्ट मैदान में चल रहे 'महाराज नो मेलो' में सोमवार शाम करीब 4 बजे हुआ। यहां नाव वाले झूले में सांदीपनि स्कूल के 13 छात्रा और एक छात्र सवार थे। इसी दौरान झूला दो हिस्सों में बंट गया, फिर नीचे आ गिरा।

पटवारी को 20 हजार की रिश्वत लेते दबोचा

धार। जिले की बदनावर तहसील में पटवारी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। लोकायुक्त टीम ने पटवारी सुनील बेनल को 20 हजार रुपए घूस लेते हुए रंगे हाथ दबोच लिया। यह कार्रवाई भीमपुरा निवासी एक किसान की शिकायत पर की गई। किसान ने लोकायुक्त पुलिस कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि पटवारी सुनील बेनल ने जमीन के नक्शा सुधार के एवज में उससे 20 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी।

मप्र के मंत्री शाह की मुश्किलें बढ़ीं

कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

मप्र की सरकार 'दो सप्ताह' में मंत्री विजय शाह पर ले निर्णय

कोर्ट ने कहा सरकार की तरफ से अब तक जरूरी कानूनी अनुमति नहीं दी गई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि निचली अदालत में मामला लंबित होने के बावजूद राज्य सरकार की ओर से अब तक जरूरी कानूनी अनुमति नहीं दी गई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस ब्रीफिंग करने वाली भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए विवादित बयान के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने मध्यप्रदेश सरकार से कहा है कि वह विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी देने पर दो सप्ताह के भीतर विचार करे।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इस मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि निचली अदालत में मामला लंबित होने के बावजूद राज्य सरकार की ओर से अब तक जरूरी कानूनी अनुमति नहीं दी गई है। अदालत ने राज्य सरकार को इस पर जल्द निर्णय लेने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि इंदौर जिले के एक ग्रामीण क्षेत्र में सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कर्नल कुरैशी की ओर इशारा करते हुए कहा था कि जिन लोगों ने हमारी बेटियों को विधवा बनाया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा।

कोर्ट ने शाह की सार्वजनिक माफी को घड़ियाली आंसू बताते हुए इसे कानूनी जिम्मेदारी से बचने का तरीका माना था

भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (सांप्रदायिक नफरत फैलाना) के तहत कार्रवाई जरूरी

विजय शाह

विशेष जांच टीम ने अंतिम रिपोर्ट जमा की

कोर्ट ने कहा कि विशेष जांच टीम ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अंतिम रिपोर्ट जमा कर दी है। अब राज्य सरकार की मंजूरी का इंतजार है, जो भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (सांप्रदायिक नफरत फैलाना) के तहत कार्रवाई के लिए जरूरी है। एसआईटी ने शाह के अन्य कथित आपत्तिजनक बयानों का भी हवाला दिया है और कोर्ट ने इसके लिए भी रिपोर्ट मांगी है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था

यह मामला ऑपरेशन सिंदूर के बाद उठकर सामने आया, जब शाह ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ विवादित बयान दिए। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

माफी वाले तर्क को खारिज कर दिया

सुनवाई के दौरान विजय शाह की ओर से पेश वकील ने कहा मंत्री विजय शाह इस पूरे मामले पर पहले ही माफी मांग चुके हैं , हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को सिरे से खारिज कर दिया। कोर्ट ने माफी पर विचार करने से मना करते हुए कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है।

शाह ने 1 मिनट 13 सेकंड का बनाया था माफी वीडियो, पर उसे स्वीकार नहीं किया

मंत्री के इस बयान के बाद देशव्यापी आक्रोश फैल गया था, हालांकि विवाद बढ़ने के बाद मंत्री कुंवर विजय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मिनट 13 सेकंड का वीडियो जारी कर कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपनी विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आईपीएस अधिकारियों की विशेष जांच समिति (एसआईटी) बनाने का आदेश दिया था।

प्रशासन बोला- उनको नहीं मानते शंकराचार्य

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले मैं पालकी से ही जाऊंगा नहाने

जहां पुलिस ने छोड़ा वहीं धरने पर बैठे

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

पुलिस प्रशासन से नाराज शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का हठ जारी है। वह अपने शिविर के सामने सड़क के किनारे बैठे हैं। कहा कि जब तक अधिकारी सार्वजनिक रूप से माफी नही मांगेंगे तब तक यहीं बैठे रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरी हत्या कि साजिश थी। माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन हुई घटना के बाद धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि वह स्नान करने पालकी से ही जाएंगे।

छिंदवाड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष के विवादित बोल

कहा-पंडितों का काम सिर्फ पूजा-पाठ, सत्ता चलाना नहीं

ब्राह्मण समाज में भारी उबाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

शेषराव यादव

पाल समाज के एक कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव द्वारा दिया गया बयान अब बड़ा विवाद बनता जा रहा है। उनके वक्तव्य को लेकर ब्राह्मण समाज सहित कई सामाजिक संगठनों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है और मामले ने राजनीतिक रंग भी पकड़ लिया है। कार्यक्रम के दौरान शेषराव यादव ने मंच से कहा कि छोटे-छोटे समाज के लोग हमारे ऊपर आकर बैठ जाते हैं। इसके बाद उन्होंने ब्राह्मण समाज को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका काम पूजा-पाठ और ज्ञान देना है।

मैहर में नाबालिग से गैंगरेप

दोस्तों के साथ घूमने गई थी तीन लोगों ने की हैवानियत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना

मैहर में 14 साल की नाबालिग लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया है। नाबालिग को उसके दो दोस्त बाइक से पहाड़ी पर घुमाने ले गए थे। लौटते समय 3 लोगों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। लड़की से अश्लील हरकत की। दोस्तों ने रोका तो उन्हें पीटा। इसके बाद तीन आरोपियों ने बारी-बारी से लड़के के साथ रेप किया।

ट्रक ने इंदौर जा रही यात्री बस में मारी टक्कर

दो बाइक सवार समेत 18 घायल

राजगढ़। जिले के तलेन कस्बे के मुख्य चौराहे पर सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने यात्री बस में टक्कर मार दी। दुर्घटना में बस में सवार करीब 18 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों एवं पुलिस ने घायलों को स्थानीय चिकित्सालय भिजवाया जहां से गंभीर घायलों को शुजालपुर रेफर किया गया। बस इकलेरा से इंदौर जा रही थी।

मानहानि केस में राहुल को अंतिम मौका

एमपी-एमएलए कोर्ट में 20 फरवरी को होना होगा पेश

एजेंसी ▶▶ सुल्तानपुर

राहुल गांधी

एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस नेता और रायबरेली सांसद राहुल गांधी को मानहानि के मामले में अंतिम अवसर दिया है। अदालत ने आदेश दिया है कि राहुल गांधी 20 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराएं। मामले की सोमवार को सुनवाई हुई। पिछली पेशी पर मामले के गवाह रामचंद्र दुबे ने अपना बयान दर्ज कराया था। इसके बाद अधिवक्ताओं की ओर से जिरह की गई। हालांकि, इस सुनवाई के दौरान राहुल गांधी अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने बताया कि राहुल गांधी 20 फरवरी को एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित होंगे। यह मामला लगभग आठ साल पहले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

नियमित/संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

नियमित/संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2025-26/22 (संविदा पद)			
पद का नाम	रिक्ति	आयु (31.12.2025 तक)	
		न्यूनतम	अधिकतम
उपाध्यक्ष (यूएक्स)	1	40	50
उप उपाध्यक्ष (यूएक्स)	1	36	44
सहायक उपाध्यक्ष (यूएक्स)	1	32	40
वरिष्ठ विशेष कार्यकारी (यूआई और यूएक्स)	3	28	37

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2025-26/22 (नियमित पद)				
पद का नाम	श्रेणी	रिक्ति	आयु (31.12.2025 तक)	
			न्यूनतम	अधिकतम
उप प्रबंधक (यूआई और यूएक्स)	एमएमजीएस-II	6	25	35

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US"→"Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 16.01.2026 से 05.02.2026 तक.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 16.01.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

बादल और बदली हवाओं से मौसम सर्द-गर्म कोल्ड वेव-कोल्ड डे गायब

भोपाल। प्रदेशभर में अब मौसम फिर बदलेगा। वर्तमान पश्चिमी विक्षोभ सहित दो दिन में कुल तीन पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) के सक्रिय होने से प्रदेश में मौसम के साथ तापमान में तेजी से बदलाव होगा। सोमवार को लगातार दूसरे दिन भोपाल सहित अधिकांश जिलों में हल्के बादल और बदल रही हवाओं से दिन के तापमान में कुछ गिरावट रही और रात का पारा बढ़ गया। प्रदेश में सबसे अधिक दिन का पारा 31 और रात का 15 डिग्री तक पहुंच गया। यह सामान्य से क्रमशः 5 और 3 डिग्री अधिक है। राजधानी में दिन में 2.8 डिग्री की कमी के साथ पारा 24.9 डिग्री रहा, जो सामान्य है। रात में 10.6 डिग्री दर्ज हुआ, यह सामान्य से आधा डिग्री अधिक है। सबसे अधिक रात का पारा नर्मदापुरम में 14.6 डिग्री रहा है। सबसे कम रात का पारा छह जिलों में 7 से 8 डिग्री के बीच रहा है। प्रदेश में सबसे कम रात का पारा कटनी में 7.3 डिग्री रहा। कल्याणपुर (शहडोल) 7.7, खजुराहो (छतरपुर) 8, इंदौर 8.2 और राजगढ़ तथा मंडला में रात का पारा 8.4 डिग्री रहा है।

आवारा कुत्तों की आबादी के बेहतर प्रबंधन के लिए दिल्ली नगर निगम उठा रही कदम

अगले 2 से 3 महीने में दिल्ली में करीब 25 हजार कुत्तों पर लगेगी माइक्रोचिप, 35 करोड़ होंगे खर्च

माइक्रोचिप में टीकाकरण का रिकॉर्ड स्थान और पहचान जैसी अहम जानकारियां दर्ज की जा सकेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) आगामी बजट में आवारा कुत्तों पर माइक्रोचिप लगाने और टीकाकरण के लिए लगभग 35 करोड़ रुपए का प्रावधान करेगा। माइक्रोचिप लगाने की प्रक्रिया में किसी जानवर की त्वचा के नीचे एक एकीकृत चिप लगाई जाती है, जिसके जरिए उसके टीकाकरण का रिकॉर्ड, स्थान और पहचान जैसी जानकारियां दर्ज की जाती हैं।

नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि यह बजटीय प्रावधान दिल्ली में आवारा कुत्तों की आबादी के बेहतर प्रबंधन के लिए किया जा रहा है, जो सार्वजनिक सुरक्षा और पशु इस राशि में से 20 करोड़ नगर निगम सीधे खर्च करेगा, जबकि शेष 15 करोड़ पशु कल्याण के क्षेत्र में काम करने का अनुभव रखने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ साझेदारी के माध्यम से खर्च किए जाएंगे।

फाइल फोटो

6500 बंदरों को असोला भेजा गया

निगम मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के प्रयास के तहत बंदरों को पकड़ने और उनका स्थानांतरण करने के लिए 60 लाख रुपए के प्रावधान की भी योजना बना रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि हमने पिछले साल की तुलना में बंदरों को पकड़ने और उनका स्थानांतरण करने के लिए आवंटित राशि को दोगुना कर दिया है।

अजन्ता®
AJANTA
fssai ISO IS : 5346

Food Color Preparation
Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours
www.ajantafoodproducts.com

कर्तव्य पथ पर दिखेगा जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप

गणतंत्र दिवस परेड में 10 हजार विशिष्ट अतिथि आमंत्रित

आमंत्रित अतिथियों में वे नागरिक भी शामिल हैं जिन्होंने रोजगार सृजन, नवाचार, अनुसंधान, खेल, कृषि, विज्ञान, सामाजिक सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय आयोजनों में जन-भागीदारी को मजबूत करना है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले भव्य गणतंत्र दिवस परेड समारोह को देखने के लिए लगभग 10,000 विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। इनमें गगनयान, चंद्रयान जैसे इसरो अभियानों से जुड़े उत्कृष्ट वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हैं। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आमंत्रित किए गए ये अतिथि देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनमें डीप ओशन मिशन, समस्थानिक अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक, अटल टिंकरिंग लैब्स के उत्कृष्ट विद्यार्थी, किसान तथा 'मन की बात' कार्यक्रम के प्रतिभागी शामिल हैं। आमंत्रित अतिथियों में वे नागरिक भी शामिल हैं जिन्होंने रोजगार सृजन, नवाचार, अनुसंधान, खेल, कृषि, विज्ञान, सामाजिक सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय आयोजनों में जन-भागीदारी को मजबूत करना और योगदानकर्ताओं को सम्मानित करना है।

राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वालों को आमंत्रित कर दिया सम्मान

जनजातीय, ग्रामीण और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भी

77वें गणतंत्र दिवस से पहले रिहर्सल करती 'डेयरडेविल्स' टीम

किसान, पैरा एथलीट भी शामिल

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, आमंत्रित अतिथियों में विश्व एथलेटिक्स पैरा चैंपियनशिप के विजेता, प्राकृतिक खेती करने वाले किसान, दलहन, तिलहन और मक्का उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसान शामिल हैं। इसके साथ ही पीएम स्माइल योजना के अंतर्गत पुनर्वासित ट्रांसजेंडर और भिक्षावृत्ति से मुक्त नागरिक भी आमंत्रित किए गए हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लाभार्थी, ग्रामीण भारत में पशुपालन सेवाएं देने वाले प्रशिक्षित मैत्री कार्यकर्ता तथा राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन से जुड़ी कंपनियों के प्रमुख भी विशिष्ट अतिथि होंगे।

महिला समूह, कारीगर को मिला सम्मान

महिला उत्पादक समूह, स्वयं सहायता समूह और लखपति दीदी, खादी विकास योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना और महिला कॉयर योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित कारीगरों को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम, बायो-ई3 नीति और एसआरआई फंड से जुड़े स्टार्ट-अप्स एवं एमएसएमई, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, स्ट्रीट वेंडर्स और बीआरओ सहित अन्य निर्माण श्रमिक भी समारोह का हिस्सा होंगे।

योजनाओं के लाभार्थी शामिल

जल जीवन मिशन, पीएम आवास योजना (ग्रामीण) और पीएम फसल बीमा योजना के लाभार्थी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आपदा प्रबंधन स्वयंसेवक, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के उत्कृष्ट कलाकार, खिलाड़ी, उद्यमी और जनजातीय प्रतिनिधि भी विशिष्ट अतिथियों में शामिल हैं।

युवा और सरपंच आमंत्रित

वीर गाथा परियोजना के विजेता, केंद्र सरकार की योजनाओं में संतृप्ति प्राप्त पंचायतों के सरपंच, बौद्ध वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अंतरराष्ट्रीय और भारतीय भिक्षु प्रतिनिधिमंडल को भी आमंत्रित किया गया है। यूथ एक्सचेंज

दिल्ली भ्रमण करवाएंगे

सभी विशिष्ट अतिथियों के लिए कर्तव्य पथ पर प्रमुख स्थानों पर बैठने की व्यवस्था की गई है। उनके लिए राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, प्रधानमंत्री संग्रहालय और दिल्ली के अन्य प्रमुख स्थलों के भ्रमण की भी व्यवस्था की गई है। अतिथियों को संबंधित विभागों के केंद्रीय मंत्रियों से संवाद का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

खबर संक्षेप

कविता ने चुनावी रणनीति पर पीके से की चर्चा

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कलवकुंतला कविता जल्द ही अपनी नई राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगी। इसके लिए कविता ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से बातचीत की है। प्रशांत किशोर हाल ही में पांच दिनों के लिए हैदराबाद आए थे। इस दौरान कविता ने उनसे मुलाकात की।

हिप्र में पेट्रोल-डीजल पर अनाथ व विधवा सेस

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसमें सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को मजबूत करने के लिए पेट्रोल और डीजल पर 'अनाथ और विधवा सेस' लगाने का फैसला किया है। यह सेस तेल की पहली बिक्री के समय लगाया जाएगा। इससे आम उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़ेगा।

इलैयाराजा को मिलेगा पद्मपाणि अवॉर्ड

मुंबई। आगामी अजंता-एलोरा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एआईएफएफ) 2026 में दिग्गज संगीतकार इलैयाराजा को पद्मपानी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा आयोजकों ने की। वार्षिक फिल्म महोत्सव 28 जनवरी से 4 फरवरी तक छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के उद्घाटन समारोह में अवार्ड दिए जाएंगे।

34 करोड़ की धोखाधड़ी में ओबेरॉय पर जांच शुरू

मुंबई। मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग के सामने करीब 34.75 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। क्यूपिड डायमंड प्रा. लि. के निदेशक ने हीरा धोखाधड़ी मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तीन लोगों के खिलाफ जांच शुरू की गई है। इनमें सतीश दर्यानानी, रिकी वसंदानी और अभिनेता विवेक ओबेरॉय के नाम शामिल हैं।

बंगाल में 100 करोड़ से बनेगा राम मंदिर

कोलकाता। बंगाल के नदिया जिले के शांतिपुर में भी एक विशाल राम मंदिर के निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। 'श्री कृतिवास राम मंदिर ट्रस्ट' द्वारा बनाए जाने वाले इस मंदिर की थीम 'बंगाली राम' रखी गई है। मंदिर की परिकल्पना 15वीं शताब्दी के महान कवि कृतिवास ओझा के सम्मान में की गई है, जिन्होंने संस्कृत रामायण का बंगाली अनुवाद किया था।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

विसंगति सूची वाले करीब 1.25 करोड़ मतदाताओं के नाम करें 'सार्वजनिक'

दस्तावेज और आपत्तियां जमा करने के लिए विशेष कांउटर बनाएं

अदालत ने स्पष्ट किया कि यह विसंगतियां मुख्य रूप से 2002 की मतदाता सूची से वंश (प्रोजेनी) मिलान के दौरान सामने आई हैं। इसमें मतदाता और उसके माता-पिता के नाम में मेल न होना, मतदाता और उसके माता-पिता की उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना जैसे प्रावधान शामिल है

सूची ग्राम पंचायत भवनों से लेकर वार्ड कार्यालयों तक लगाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में चल रहे मतदाता सूची के (एसआईआर) को लेकर चर्चा तेज होती ही जा रही है। इसी बीच इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग (ईसी) को अहम निर्देश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिन मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) की सूची में हैं, उनकी जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए। अदालत ने कहा कि यह सूची ग्राम पंचायत भवनों, तालुका स्तर के ब्लॉक कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में लगाई जाए, ताकि आम लोग इसे आसानी से देख सकें। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी बताया कि पश्चिम बंगाल में करीब 1.25 करोड़ मतदाताओं के नाम इस तार्किक विसंगति सूची में दर्ज हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह विसंगतियां मुख्य रूप से 2002 की मतदाता सूची से वंश मिलान के दौरान सामने आई हैं। इसमें मतदाता और उसके माता-पिता के नाम में मेल न होना, मतदाता और उसके माता-पिता की उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना जैसे प्रावधान शामिल है।

योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से न हटे

सुप्रीम कोर्ट

प्रभावितों को पूरा अवसर दें

मामले में मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जिन लोगों के नाम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया से प्रभावित हो सकते हैं, उन्हें अपने दस्तावेज और आपत्तियां दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जाए। अदालत ने निर्देश दिया कि दस्तावेज और आपत्तियां जमा करने के लिए पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में विशेष काउंटर/ कार्यालय बनाए जाएं।

पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो

बता दें, सुप्रीम कोर्ट यह मामला उन याचिकाओं पर सुन रहा था, जिनमें आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल में चल रही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में मनमानी और प्रक्रियागत खामियां हैं। अदालत ने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाली होनी चाहिए, ताकि किसी भी योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से न हटे।

निर्देशों का सख्ती से पालन हो

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार चुनाव आयोग को पर्याप्त मानव संसाधन (स्टाफ) उपलब्ध कराए। हर जिले में चुनाव आयोग या राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यह सुनिश्चित करें कि पूरी प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और काम शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हो।

चुनाव में जीत हासिल होगी: बेनर्जी

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बारासात में आयोजित रैली में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को लेकर कहा कि अदालत में मिली इस जीत के बाद पार्टी को अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल होगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह मां माटी मानुष की जीत है। यह पश्चिम बंगाल की जनता की उन लोगों पर जीत है, जिन्होंने मतदाता सूची से एक करोड़ नागरिकों के नाम मिटाने की कोशिश की।

मंत्री हुसैन को सुनवाई के लिए बुलाया

पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री और टीएमसी नेता ताजमुल हुसैन को राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर के तहत सुनवाई के लिए चुनाव आयोग ने तलब किया गया है। उन्हें सुनवाई का नोटिस इसलिए भेजा गया है, क्योंकि 2002 की मतदाता सूची में दर्ज उनके और उनके पिता के नाम में अंतर पाया गया है। हुसैन ने कहा कि यह वही निर्वाचन आयोग है, जिसने मुझे तीन बार विधानसभा चुनावों का विजेता घोषित किया और अब वह यह सत्यापित करने की कोशिश कर रहा है कि क्या मैं एक वैध मतदाता हूं।

बेंगलुरु राज्य निर्वाचन आयोग का फैसला

निकाय चुनाव बैलेट से होंगे, जिला और पंचायत चुनाव भी इसी तरह

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) जीएस संगरेशी ने सोमवार को कहा कि वृहद बेंगलुरु प्राधिकरण (जीबीए) के अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगमों के चुनाव 25 मई के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाए मतपत्रों के माध्यम से होंगे। संगरेशी ने यह भी कहा कि इस साल के अंत में प्रस्तावित जिला और तालुक पंचायत चुनाव भी मतपत्रों के माध्यम से ही कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद, 25 मई के बाद चुनाव होने की संभावना है।

जीएस संगरेशी

सीईओ ने कहा कि इस बार जीबीए चुनाव मतपत्रों के माध्यम से कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव कराने के दो सर्वोत्तम तरीके हैं। शुरुआत से ही मतपत्रों का इस्तेमाल होता रहा है, लेकिन पिछले 20-30 वर्षों से ईवीएम का उपयोग किया जा रहा है।

अमेरिका भी मतपत्रों का इस्तेमाल कर रहा

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने पिछले साल सितंबर में राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को यह सिफारिश करने का फैसला किया था कि राज्य में भविष्य में होने वाले सभी पंचायत और शहरी निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों के माध्यम से कराए जाएं। सरकार का दावा था कि ईवीएम के प्रति लोगों की विश्वसनीयता कम हो रही है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि अमेरिका जैसे विकसित देश भी मतपत्रों का इस्तेमाल करते हैं और देश में भी विधानसभा व लोकसभा चुनावों को छोड़कर ग्राम पंचायत व सहकारी समितियों के अधिकांश चुनाव मतपत्रों से होते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, पिछली बार 2015 में बेंगलुरु नगर निगम के चुनाव ईवीएम से हुए थे।

दबाव में नहीं लिया यह निर्णय

जीएस संगरेशी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी के दबाव में यह निर्णय नहीं लिया है। राज्य निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, और चूंकि कानून में मतपत्रों या ईवीएम का उपयोग करके चुनाव कराने का प्रावधान है, इसलिए आयोग के पास निर्णय लेने का विवेक है। मतपत्रों का उपयोग करना एक विकल्प है। मतपत्रों के इस्तेमाल पर न तो कानून और न ही उच्चतम न्यायालय की रोक है। वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, विचार-विमर्श और चिंतन के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि मतपत्रों का उपयोग उचित है। पिछले 20-30 वर्षों से (बेंगलुरु में) मतदान करने वाले अधिकांश लोगों ने मतपत्र नहीं देखे हैं क्योंकि लंबे समय से ईवीएम का उपयोग किया जा रहा है। मतपत्र एक सर्वोत्तम प्रक्रिया भी है, जिसकी विश्वभर में सराहना की जाती है। पिछले हफ्ते उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 30 जून तक बेंगलुरु के निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट से सेंगर को झटका

पीड़िता के पिता की मौत मामले में जमानत याचिका खारिज

एजेंसी ▶▶ दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट से उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज हो गई है। यह फैसला हाईकोर्ट की ओर से सुनाया गया है। यह याचिका कुलदीप सेंगर की उस अपील के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने दुष्कर्म के मामले में अपनी सजा को चुनौती दी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सेंगर ने जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि मुकदमे के दौरान उसकी उम्र के बारे में जाली और झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया, जिनका अब अपील में भी सहारा लिया जा रहा है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने इस मामले का अवलोकन किया। पीठ ने पाया कि अपील पहले से ही अंतिम सुनवाई के चरण में है। अदालत ने पीड़िता की याचिका पर विचार करने के लिए 25 फरवरी की तारीख तय की है।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड बैठक संपन्न

मप्र के बुंदेलखंड क्षेत्र की सिंचाई योजना पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 88वीं बैठक केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में स्थायी समिति ने वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत, संरक्षित क्षेत्रों, वन्यजीव व बाघ अभयारण्यों और पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों में एवं उसके आसपास स्थित सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं, रक्षा आवश्यकताओं और अवसंरचना विकास से संबंधित 70 प्रस्तावों पर विचार किया। समिति ने जिन प्रमुख सार्वजनिक उपयोगिता प्रस्तावों पर चर्चा की, उनमें मध्य प्रदेश में मध्यम सिंचाई परियोजना से संबंधित प्रस्तावों पर भी विस्तार से विचार किया गया। यह परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई जल की बेहतर आपूर्ति प्रदान करने का उद्देश्य रखती है, तो दूसरी तरफ वन्यजीवों और घड़ियालों के लिए उन्नत जल प्रबंधन को बढ़ावा देने में सहायक है।

कदमताल करते घुड़सवार

नई दिल्ली। 77वें गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर रिहर्सल करते हुए सेना के घुड़सवार।

मनरेगा पर रार के बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज का कांग्रेस पर बड़ा आरोप

'वीबी-जी राम जी' कानून के बारे में गलत जानकारी दे रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे नई योजना 'वीबी-जी राम जी' (विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन) के बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं। नया कानून काम के अधिकार को पहले से ज्यादा मजबूत करेगा। शिवराज ने कहा कि विपक्ष यह झूठ फैला रहा है कि नई योजना में रोजगार केवल कुछ पंचायतों में ही मिलेगा। उन्होंने साफ किया कि यह योजना देश की सभी पंचायतों में लागू होगी।

नया कानून पहले से ज्यादा मजबूत

सभी पंचायतों में लागू होगी योजना

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान

125 दिन मिलेगा काम

चौहान ने कहा कि यह बयान कि काम का अधिकार छीना जा रहा है एक झूठ है। राहुल गांधी और खड़गे गलत जानकारी देकर अपनी ही पार्टी को कमजोर कर रहे हैं। हमने काम के अधिकार को कागज से उतारकर जमीन पर मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि अब 100 दिनों के बजाए 125 दिन का काम दिया जाएगा। साथ ही, 15 दिनों के भीतर बेरोजगारी भत्ता देने का नियम भी है।

9 लाख करोड़ खर्च

मंत्री शिवराज ने तुलना करते हुए कहा कि यूपीए सरकार ने मनरेगा पर करीब दो लाख करोड़ रुपए खर्च किए थे, जबकि मौजूदा सरकार ने नौ लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

भ्रष्टाचार खत्म होगा

शिवराज सिंह चौहान ने जोर देकर कहा कि यह अधिनियम भ्रष्टाचार को खत्म करने, स्थायी संपत्तियों के निर्माण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाया गया है।

नया कानून ग्रामीण मजदूरों के हित में

शिवराज ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। कांग्रेस सोशल मीडिया पर एआई के जरिए झूठ फैला रही है और देश को भ्रमित कर रहा है। कांग्रेस का यह अभियान 'मनरेगा बचाओ' नहीं, बल्कि 'भ्रष्टाचार बचाओ' का संग्राम है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष द्वारा नए अधिनियम के प्रावधानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है, जबकि यह कानून ग्रामीण मजदूरों के हित में है।

महाराष्ट्र में शिवसेना पार्षदों की किलेबंदी

होटल पॉलिटिक्स पर संजय राउत ने पूछा- डर किसे? स्थिति हास्यास्पद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के नतीजों के बाद शुरू हुई राजनीतिक हलचल के बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना द्वारा अपने नवनिर्वाचित पार्षदों को होटल में शिफ्ट करने पर तंज कसते हुए पूछा 'आखिर डर किसे है?

बीएमसी चुनाव में 227 सदस्यीय सदन में भाजपा के पास सबसे अधिक 89 सीटें है। हालांकि मेयर बनाने के लिए 114 पार्षदों की जरूरत होती है। इस गणित के चलते मेयर पद को लेकर राजनीतिक जोड़-तोड़ तेज हो गई है। नतीजों के तुरंत बाद शिंदे गुट की शिवसेना ने अपने सभी 29 पार्षदों को मुंबई के एक पांच सितारा होटल में भेज दिया। पार्टी की ओर से इसे ओरिएंटेशन वर्कशॉप बताया गया।

संजय राउत व एकनाथ शिंदे

हिट एंड रन कांड

सिहोरा की निकली कोहराम मचाने वाली कार

आदिवासियों ने मंडला मार्ग पर लगाया जाम

मंडला मार्ग में मृतकों के परिजनों ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया। पोस्टमार्टम के बाद शव मंडला के बम्हौरी गांव से आए परिजनों को सौंप दिए। इस बीच पुलिस ने हिट एंड रन की दर्दनाक घटना को अंजाम देने वाली कार को खोज लिया हैं कार सिहोरा की बताई गई है जो सिहोरा निवासी दीपक सोनी के नाम पर रजिस्टर्ड है।

हरिभूमि जबलपुर।

घटना के संबंध में बरेला थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि रविवार की दोपहर करीब 12.45 बजे सिग्मा कान्हा कालोनी सालीवाड़ा में मंडला के बम्हौरी गांव से आए मजदूर निर्माणाधीन रोड पर रोड डिवाईडर पर जाली लगाने का काम कर रहे थे। दोपहर में भोजन अवकाश के बाद जब श्रमिक भोजन कर रहे थे, तभी कोहराम मचाती हुई कार क्रमांक एमपी 20 एक्स बी 1460 आई और मजदूरों को कुचल दी। इस हादसे में 45 वर्षीय श्रीमति चेनवती गौड़, 40 वर्षीय श्रीमति लच्छो बाई की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान देर रात 45 वर्षीय श्रीमति वर्षा कुशराम, 40 वर्षीय श्रीमति गुमता बाई की मौत हो गई।

इन घायलों का चल रहा इलाज

हादसे में घायल श्रीमति गीता बाई उइके उम्र 40 वर्ष, श्रीमति मीरा बाई उइके उम्र 45 वर्ष, श्रीमति राजकुमारी उइके उम्र 35 वर्ष, श्रीमती जमुना बाई उम्र 40 वर्ष, श्रीमति ज्ञानवती बाई मसराम उम्र 41 वर्ष, छोटी बाई मसराम उम्र 35 वर्ष, श्रीमति भागवती बाई उइके उम्र 35 वर्ष, श्रीमति लक्ष्मी गौड़ उम्र 40 वर्ष, श्रीमति प्रभावती मरावी उम्र 30 वर्ष, श्रीमति अकलवती मरावी उम्र 40 वर्ष, श्रीमति लक्ष्मी बाई बरकड़े उम्र 45 वर्ष का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। मृतकों का पंचनामा कर शवों का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने शव कफन-दफन के लिए परिजनों के सुपुर्द कर दिए। पुलिस ने कार चालक के विरूद्ध धारा 281, 125(ए), 125(बी), 105 बीनएनएस तथा धारा 184, 134, 187, 177 मोटरयान अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

घायलों के इलाज की चिंता करेगी सरकार : सिंह

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बरेला में मंडला जिले के बम्होरी गांव के मजदूरों की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घटना की जानकारी लगते ही कलेक्टर और एनएचएआई अधिकारी से बात की और घायलों के इलाज की व्यवस्था की जानकारी ली।

2-2 लाख की आर्थिक सहायता

एनएचएआई द्वारा प्रारंभिक रूप से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपये की सहायता देने का निर्णय लिया गया है, जिसमें से 1-1 लाख रुपये तत्काल स्वीकृत कर दिए गए हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सरकार घायलों के इलाज की पूरी चिंता करेगी और एनएचएआई द्वारा आगे भी आवश्यक सहयोग किया जाएगा।

सिहोरा निवासी दीपक सोनी के नाम पर है कार

इधर, घायलों का उपचार मेडिकल में चल रहा है, जहां 2 युवकों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। मामलें की गंभीरता को देखते हुए सड़क हादसे की संपूर्ण जांच एएसपी क्राइम जितेंद्र सिंह को सौंपी गई है। एएसपी ट्रेफिक अंजना तिवारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि सफेद रंग की रेनॉल्ड कार क्रमांक एमपी 20 एक्स बी 1460 सिहोरा निवासी दीपक सोनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। घटना के वक्त वाहन दीपक का भाई पेशे से फिजियोथैरेपिस्ट मझौली निवासी लखन सोनी कार चला रहा था। पुलिस ने कार मालिक दीपक को हिरासत में लिया है। उसके भाई लखन की तलाश की जा रही है। पुलिस ने कार जब्त कर ली है लेकिन आरोपी कार चालक फरार हो गया है। पुलिस तेजी से उसकी तलाश कर रही है।

सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण मौतें

इस घटना से गुस्साएं आदिवासियों ने बरेला टोल नाका के पास मंडला मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। मृतकों को 25 लाख और घायलों को 10-10 लाख मुआवजे की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एवं ठेकेदार पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। बीजाडांडी के जनपद सदस्य के अनुसार, करीब 20 महिला मजदूरों से चालू हाईवे पर कार्य कराया जा रहा था, जबकि उन्हें किसी भी प्रकार की सेफ्टी किट और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई गई थी। दुर्घटना के समय न तो एनएचएआई, न ठेकेदार और न ही प्रशासन का कोई प्रतिनिधि मौके पर उपस्थित था, जो अत्यंत गंभीर लापरवाही को दर्शाता है।

भयभीत मजदूर घर लौट गए

जबलपुर मेडिकल में उपचार के दौरान भयभीत होकर कुछ घायल मजदूर रात्रि 12 बजे के बीच अपने घर लौट गए, जिससे उनकी स्थिति और जोखिमपूर्ण हो गई। जनपद सदस्य ने मेडिकल में सभी मृतकों का पोस्टमार्टम करा शव को उनके गांव पहुंचाने में मदद की। क्षेत्रीय लोगों के अतिरिक्त बीजाडांडी के जनपद सदस्य एवं समाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र पुट्टा और बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिन्हा ने मांग की है कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। प्रत्येक गंभीर घायल को 10 लाख रूपए की सहायता राशि दी जाए। प्रत्येक मृतक परिवार के एक सदस्य को शासकीय या संविदा आधार पर नौकरी दी जाए। घटना की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी एनएचएआई अधिकारियों एवं ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख, गंभीर घायलों को 1 लाख की सहायता, निर्माण एजेंसी को भी मुआवजा देने के निर्देश

सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संवेदनात्मक रुख

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर जिले में गौर नदी के पास हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। एनएचएआई के सड़क निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों की असामयिक मृत्यु को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुखद घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में मृत श्रमिकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल श्रमिकों को 1-1 लाख रुपये तथा साधारण रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सहायता राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत मिल सके।

निर्माण एजेंसी पर भी जिम्मेदारी तय

मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना को गंभीर मानते हुए सड़क निर्माण कार्य में लगी एजेंसी को भी प्रभावित परिवारों की सहायता करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, निर्माण एजेंसी मृतकों के परिजनों को 6-6 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 1-1 लाख रुपये तथा साधारण घायलों को 50-50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बाबा महाकाल से की प्रार्थना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत श्रमिकों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को यह असहनीय दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए चिकित्सकों को समुचित और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन अलर्ट, राहत कार्य तेज

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। घायलों के इलाज, मुआवजा वितरण और घटना की जांच को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तेजी लाई गई है। यह फॉलोअप कार्रवाई न केवल पीड़ित परिवारों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि सड़क निर्माण कार्यों में सुरक्षा को लेकर एक सख्त संदेश भी मानी जा रही है।

मेमो ट्रेन में बुजुर्ग महिला यात्री को मिली त्वरित चिकित्सा सहायता

जबलपुर। कटनी–इटारसी मेमो गाड़ी संख्या 61618 के जबलपुर रेलवे स्टेशन आगमन पर एक बुजुर्ग महिला यात्री असंतुलित होकर गिर गईं। घटना प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर हुई, जिसमें 65 वर्षीय श्रीमती छोटी बाई (भानतलैया, जबलपुर) को कूल्हे और कमर में गंभीर चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की चिकित्सा एवं वाणिज्य टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ईएमआर डॉ. संजय, उप स्टेशन अधीक्षक हेमंत एवं स्टेशन मास्टर संजय जायसवाल घटना स्थल पर पहुंचे और घायल यात्री को प्राथमिक उपचार प्रदान किया। प्राथमिक उपचार के बाद 112 सेवा के माध्यम से एम्बुलेंस की व्यवस्था कर घायल महिला को अग्रिम उपचार के लिए जिला चिकित्सालय (विक्टोरिया), जबलपुर भेजा गया। रेलवे प्रशासन की त्वरित और समन्वित कार्रवाई के कारण समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी और यात्री की स्थिति को गंभीर होने से रोका जा सका।

4 वाहन चोरों से 10 लाख के 10 दोपहिया वाहन जब्त

जबलपुर। गोहलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पेट्रोलिंग के दौरान लेमा गार्डनर स्कूल के पास मैदान में स्कूटी पर बैठे एक संदिग्ध को अभिरक्षा में लेकर जब स्कूटी के संबंध में पूछा तो उसके पास स्कूटी के कोई कागज नहीं मिले। सख्ती से पूछने पर आरोपी ने बताया कि उसने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर गोहलपुर, कोतवाली, अधारताल, लार्डगंज व अन्य थाना क्षेत्रों से 10 दोपहिया वाहन चोरी किए हैं। पुलिस ने युवक के तीन अन्य साथियों को भी अभिरक्षा में लेकर उनकी निशानदेही पर 10 दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। जिनकी कीमत 10 लाख रुपये है। अति. पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता ने बताया कि कल गोहलपुर पुलिस की टीम को पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि लेमा गार्डन स्कूल मैदान में एक युवक किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा है। पुलिस ने मुखबिर की जानकारी के आधार पर मौके पर दबिश दी तो वहां स्कूटी में बैठा एक युवक दिखाई दिया। जिसे घेराबंदी कर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम मोहम्मद इमरान चीपा बताया। स्कूटी के संबंध में पूछने पर उसके पास वाहन के कोई कागजात नहीं मिले। आरोपी को थाने लाकर सख्ती से पूछने पर उसने बताया कि उसने उक्त स्कूटी अपने तीन अन्य साथियों नुरूद्दीन अंसारी, अनिल श्रीवास, सोहेल कचेर के साथ मिलकर चोरी की है वहीं चारों ने मिलकर गोहलपुर, कोतवाली, अधारताल, लार्डगंज व अन्य थानों से ऐसे 10 दोपहिया वाहन चुराये हैं। जिनकी कीमत 10 लाख रुपये है। पुलिस ने वाहन चोर गेंग के सदस्यों नुरूद्दीन अंसारी, अनिल श्रीवास व सोहेल कचेर को भी अभिरक्षा में लिया है।

कब होगी हुक्म चंद नारद पत्रकारिता पीठ की स्थापना ?

जबलपुर। राष्ट्र गौरव, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और श्रमजीवी पत्रकारिता के जनक स्वर्गीय हुक्म चंद नारद की मानवाकार कांस्य प्रतिमा की स्थापना मध्यप्रदेश राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में कराई गई थी। उक्त अवसर पर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय हुक्म चंद नारद की स्मृति में " पत्रकारिता पीठ " स्थापित करने की घोषणा की थी। स्वर्गीय हुक्मचंद नारद के पौत्र डाक्टर संदीप नारद, इन्दौर के लगातार पत्र व्यवहार के चलते मध्यप्रदेश के राज्यपाल और विश्व विधालय के कुलाधिपति के अपर सचिव ने 16 सितम्बर 2025 को अपने पत्र क्रमांक 889/रा.स./ यू.ए.-2/2025 के द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलगुरू को हुक्म चंद नारद पत्रकारिता पीठ गठित करने के लिए नियमानुसार और विधिसम्मत कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया था लेकिन न जाने क्यों इस स्थापना पर अभी तक कोई निर्णय नही हो पाया है।

अवैध नल कनेक्शनों को वैध कराने 23 जनवरी को लगेगा शिविर

जबलपुर। नगर निगम के अंतर्गत संभाग क्रमांक 5 बल्देवबाग के अंतर्गत निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार, कस्तूरबा गांधी वार्ड क्रमांक 20 सर्वोदय नगर में नल कनेक्शनों के नियमितीकरण के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन दिनांकः 23 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार समय - सुबह 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक संजय गांधी कॉलेज के समीप किया जा रहा है। इस संबंध में संभागीय अधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में चल रहे अवैध नल कनेक्शनों को वैध करना और नए कनेक्शन प्रदान कर नागरिकों को राहत प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि शिविर में नागरिक न केवल अपने कनेक्शनों को नियमित करा सकेंगे, बल्कि बकाया जलशुल्क की राशि भी जमा कर सकेंगे। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुँच कर अवैध नल कनेक्शन को वैध कराएँ।

तीन दिन बाद दफन शव निकालकर परिजनों को सौंपा

गोसलपुर में हादसाः ट्रेन से गिरकर व्यक्ति की हुई थी मौत

जबलपुर। जबलपुर से करीब 35 किलोमीटर दूर गोसलपुर रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति की ट्रेन से कटने से मौत हो गई। बताया गया है की वह अपनी बेटी के तबादले की खुशी में मैहर स्थित माता शारदा के दर्शन करने जा रहा था। गत दिवस रेलवे ट्रैक पर उनका सिर और धड़ अलग-अलग हालत में मिले थे। बताया गया है कि सोमवारा मृतक के परिजन थाने पहुंचे और उनकी पहचान नर्मदापुरम जिले की माखन नगर तहसील के बिकोरी पंवासा गांव निवासी 55 वर्षीय सुशील दुबे के रूप में की है।

जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने बताया कि फोटो खींचकर पहचान के लिए प्रसारित किया लेकिन दो-तीन दिनों तक शव की पहचान नहीं हो सकी। नियमानुसार पोस्टमॉर्टम के बाद शव को मेडिकल कॉलेज में एक दिन सुरक्षित रखकर जीआरपी ने दफना दिया था। पहचान होने के बाद पुलिस ने दफना गए शव को पुनः निकालकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस को शव के पास से सोहागपुर से नरसिंहपुर तक की रेलवे टिकट मिली थी। परिजन दुर्गेश भट्ट ने बताया कि सुशील दुबे अपनी बेटी से मिलने ट्रेन से सोहागपुर से निकले थे। उनकी बेटी पोस्ट ऑफिस नरसिंहपुर में पदस्थ थी जिसका हाल ही में बाबई में ही तबादला हुआ है। इससे सुशील दुबे बहुत खुश थे और वे बेटी से मिलकर मैहर जाने की बात कहकर निकले थे।

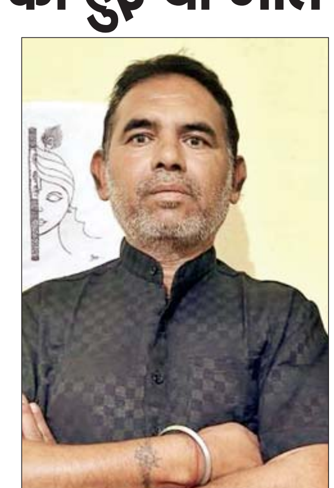

रानीताल चौक से मेहता पेट्रोल पंप तक व्यवसायिक क्षेत्रों में 22 व्यापारियों के विरूद्ध की गई चालानी कार्रवाई, 125 को दी गई समझाइस

जबलपुर। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिये नगर निगम प्रशासन तत्परता से कार्य कर रहा है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार आज संभाग क्रमांक 2 के अंतर्गत रानीताल चौक से मेहता पेट्रोल पंप तक के मुख्य मार्ग पर स्वच्छता अभियान का औचक निरीक्षण स्वास्थ्य अमले के द्वारा किया गया। जहॉ पर व्यापारियों के द्वारा सड़क पर कचरा फैलाया गया और अमनाकर प्रकार की पॉलीथिन का प्रयोग करते पाया गया। जिसके कारण 22 व्यापारियों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की गई और 125 व्यापारियों को निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन का उपयोग न करने तथा प्रतिष्ठानों के बाहर सड़कों पर कचरा न फैलाने की समझाईश दी गयी। सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान 22 दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए 5,000 रुपये का जुर्माना वसूला। इसके साथ ही 125 दुकानदारों को समझाइश दी गई कि वे डस्टबिन का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और खाद्य सामग्री को ढककर रखें। कार्यवाही के समय गठित दल के प्रभारी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक अगस्ते वर्मा, आलोक जोशी, सचिन जैन, संतोष माहौर, अमन चतुर्वेदी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी सहित सुपरवाइजर मूर्ति, प्रशांत, लक्ष्मण राव, व्यंकटेश और संजय डोनेकर सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

ओबीसी के होल्ड पदों के मामले में अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की स्वतंत्रता

जबलपुर। प्रदेश के विभिन्न विभागों में ओबीसी के होल्ड पदों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की स्वतंत्रता दी है। सुप्रीम कोर्ट क जस्टिस एमएम सुंदरेश व जस्टिस एनके सिंह की खंडपीठ ने याचिका में दखल से इनकार करते हुए उक्त व्यवस्था दी। दरअसल, पूर्व में हाईकोर्ट ने इन मामलों पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। जबलपुर की भावना यादव, शिवपुरी निवासी शक्ति पाल, रतलाम निवासी विजेंद्र सिंह व अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व वरुण ठाकुर ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि ये मामला प्राथमिक शिक्षक भर्ती से जुड़ा है। दरअसल, महाधिवक्ता के अभिमत के आधार पर ओबीसी के 13 फीसदी पद होल्ड कर दिए गए थे। दलील दी गई कि जिस याचिका के तहत इनके पद होल्ड करने के आदेश हुए थे, वो 28 जनवरी 2025 को निरस्त हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट से भी वह याचिका निरस्त हो चुकी है। हाईकोर्ट से याचिकाकर्ताओं को राहत नहीं मिलने पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ताओं को हाईकोर्ट जाने की स्वतंत्रता दी।

ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की याचिका पर सुनवाई चार फरवरी के लिए बढ़ी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की याचिका की सुनवाई चार फरवरी के लिए बढ़ा दी है। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने कहा कि इस बीच याचिकाकर्ता के विरुद्ध भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट से जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक बरकरार रहेगी। दरअसल, आकाश विजयवर्गीय ने मानहानि का केस दायर किया है। नवंबर, 2020 में कोलकाता में आयोजित एक सभा में अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय को गुंडा कहा था। इस बयान को लेकर आकाश ने 2021 में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। अभिषेक की ओर से याचिका दायर कर दलील दी गई थी कि वे वर्तमान में टीएमसी सांसद हैं और उनके फरार होने की संभावना नहीं है।

आर्थिक संकट : सरकारी मदद में की गई कटौती

आय के स्त्रोतों को मजबूत करने में जुटे निगमायुक्त

जबलपुर। राज्य और केंद्र सरकार से मिलने वाली सहायता राशि में कटौती का असर अब नगर निगम की कार्यप्रणाली पर साफ नजर आने लगा है। सीमित संसाधनों के बीच शहर की मूलभूत सेवाओं को बनाए रखने के लिए निगम प्रशासन को अपनी परंपरागत आय के स्त्रोतों पर ज्यादा भरोसा करना पड़ रहा है। आर्थिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से राजस्व बढ़ाने की दिशा में अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

निगम प्रशासन ने उन आय स्त्रोतों को सक्रिय करने का निर्णय लिया है, जो बीते लंबे समय से नजरअंदाज होते रहे हैं। अवैध जल कनेक्शनों को चिन्हित कर उन्हें वैध दायरे में लाने की प्रक्रिया को सरल किया जा रहा है, ताकि जलकर के माध्यम से नियमित राजस्व सुनिश्चित हो सके।

लीज, कंपाउंडिंग और टैक्स नेटवर्क पर फोकस

नगर निगम की आमदनी बढ़ाने के लिए लंबित लीज नवीनीकरण और कंपाउंडिंग मामलों के शीघ्र निपटारे पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही शहर में हाल के वर्षों में बनी नई आवासीय एवं व्यावसायिक इमारतों का सर्वे कर उन्हें निगम रिकॉर्ड में शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे संपत्ति कर के दायरे का विस्तार होगा और राजस्व में इजाफा होने की उम्मीद है।

आयुक्त कर रहे नियमित निगरानी

इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार स्वयं राजस्व वसूली से जुड़े कार्यों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि निगम की वित्तीय सेहत सुधारना और नागरिक सुविधाओं पर कोई असर न पड़ने देना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सभी संबंधित विभागों को तय समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

बेहतर काम को मिलेगा सम्मान

आर्थिक चुनौतियों के बीच कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए निगम प्रशासन ने सम्मान योजना की घोषणा की है। वसूली एवं प्रशासनिक कार्यों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के अवसर पर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। कुल मिलाकर, फंड की कमी के बावजूद नगर निगम अपनी पारंपरिक आय के सहारे व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत है।

प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करने के साथ योजनाओं में आपेक्षित प्रगति लायें: कलेक्टर

लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों को प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित कर आपेक्षित प्रगति लायें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ आम जन को मिल जाये, अतः योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त करें। साथ ही उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदनों को भी लें और उनका निराकरण करें। आवेदनों की एंट्री के साथ निराकरण की स्थिति भी दर्ज करना सुनिश्चित करें। अभियान के दौरान जहां-जहां भी कैंप आयोजित किये जा रहे हैं, उसके विधिवत बैनर रहें और उसके फोटोग्राफ भी लेना

सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदाय करनें के लिए दिव्यांगजनों का चिन्हांकन करें और शिविर लगाना भी सुनिश्चित करें। इस दौरान आयुष्मान भारत, सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त किसान क्रेडिट कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, उद्यम संस्कार शिविर, गौशालाओं की स्थिति, खाद्य सुरक्षा, पीएम सूर्यघर, धान उपार्जन व भू-अर्जन से जुड़े प्रकरणों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत निर्धारित प्रारूप में नाम जोड़ने, संशोधन व नाम हटाने के आवेदनों के संबंध में भी आवश्यक चर्चा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के लिए निर्धारित विषयों में विभागीय प्रगति की समीक्षा विस्तार से की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाईन व अन्य लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर कहा गया कि लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक गहलोत सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

प्रयागराज में शंकराचार्यजी के अपमान पर उपजा आक्रोश

कांग्रेस ने जलाया सीएम योगी का पुतला

जबलपुर। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में मौनी अमावस्या जैसे पवित्र अवसर पर जगत गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी की पालकी को रोके जाने तथा उनके साथ चल रहे वेद पाठियों, संतों और शिष्यों पर की गई बर्बरता के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को मालवीय चौक पर ज़ोरदार विरोध दर्ज कराया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला दहन कर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने तीव्र रोष प्रकट किया। इस दौरान पार्षद दल सचेतक अयोध्या तिवारी ने कहा कि मौनी अमावस्या सनातन आस्था का अत्यंत पवित्र पर्व है। और ऐसे पुण्य अवसर पर शंकराचार्य जैसे धर्मगुरु की पालकी को रोकना और वेद पाठियों पर बल प्रयोग करना न केवल संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है, बल्कि यह सनातन संस्कृति और परंपराओं का खुला अपमान है।पार्षद संतोष दुबे ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सरकार के संरक्षण

में धर्म के नाम पर पाखंड तो चल रहा है, लेकिन वास्तविक संतों, शंकराचार्यों और वैदिक परंपराओं का दमन किया जा रहा है। यह घटना दर्शाती है कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में गहरा अंतर है।कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि शंकराचार्य जी से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगी जाए। वेद पाठियों पर की गई बर्बरता के दोषियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई हो। भविष्य में किसी भी धर्मगुरु या धार्मिक परंपरा के साथ इस प्रकार का व्यवहार न हो, इसकी गारंटी दी जाए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने "धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान", "सनातन पर हमला बंद करो" जैसे नारे लगाए और चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करेगी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, पार्षद सतेन्द्र चौबे, पार्षद हर्षित यादव, अनुराग गढ़ावाल, ब्लॉक अध्यक्ष समर्थ अवस्थी, सोनू कुकरेले, रविन्द्र गौतम, मोनू अग्रवाल, मदन लारिया, प्रवेन्द चौहान, दीपक यादव, अरुण पवार आदि शामिल थे।

पर्यावरण एवं वन संरक्षण की शपथ के साथ आयोजित किया गया अनुभूति कार्यक्रम

उदयपुर। मध्य प्रदेश इको टूरिज्म बोर्ड एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 19/01/26 को वनमंडल पश्चिम मंडला (सा) के अंतर्गत वनपरिक्षेत्र बरेला में ग्राम पाठा चौरई के समीप स्थित घुघरा जलप्रपात पर अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें शासकीय माध्यमिक शाला मानिकसरा ,हाई स्कूल विजयपुर एवं माध्यमिक शाला लावर के 130 बच्चों के साथ प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री प्रदीप वासुदेवा सर , उपवन मंडलाधिकारी निवास ,मास्टर ट्रेनर श्री बी.एस. बरकड़े व वन परिक्षेत्र बरेला का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकृति पथ भ्रमण ,मृदा संरक्षण, वन्य जीवो की पहचान व उनका महत्व इत्यादि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारियां दीं गई।इस अवसर पर निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे बच्चों को उपस्थितजनप्रतिनिधियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुआ। कार्यक्रम में ललित चतुर्वेदी मेडिकल ऑफिसर बीजादांडी, सरपंच मानिकसरा अंबिका मरकाम एवं परिक्षेत्र बरेला का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

मोबाईल लूटकर भागे बदमाश

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत नेता कालोनी से घर जाते समय मोबाइल पर बात कर रहे एक व्यक्ति का मोबाइल एक्टिवा सवार तीन बदमाशों ने झपट्टा मारकर ले भागे।अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार नेता कालोनी निवासी 40 वर्षीय मैकेनिक राधेश्याम प्रजापति गत रात लगभग 9 बजे सीएम राईज स्कूल शुलभ काम्पलेक्स के पास नेता कालोनी में अपने वीवो कम्पनी के मोबाइल से अपनी बेटी से बात करते हुए घर जा रहा था तभी पीछे से आ रही सफेद रंग की एक्टिवा में सवार तीन लड़के आये और पीछे बैठे लड़के ने उसका मोबाइल झपट कर ले भागे। पुलिस ने अज्ञात तीनों लड़कों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 304 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

3 बदमाशों ने 2 युवकों पर चाकू व पत्थर से किया हमला

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत गली नंबर 5 राजीवगांधी नगर में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर तीन बदमाशों ने एक युवक पर चाकू व पत्थर से हमला कर घायल कर दिया।

माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गली नंबर 5 राजीवगांधी नगर निवासी 19 वर्षीय आटो चालक अन्नू चौधरी से गत रात लगभग 9.30 बजे अपने दोस्त विजय चौधरी के घर जा रहा था तभी रास्ते में पुरूषोत्तम चौधरी, सोनू चौधरी, बालचंद चौधरी ने शराब पीने के लिये रुपए की मांग की, मना करने पर गालीगलौज करते हुये पुरूषोत्तम ने चाकू से हमलाकर कर दिया और बालचंद चौधरी, सोनू चौधरी ने मारपीट कर चोटें पहुंचा दी। उसके दोस्त विजय चौधरी ने बीच बचाव किया तो सोनू ने विजय के सिर पर पत्थर से हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीनों बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296 बी, 115(2), 118(1), 119(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आराध्यों व महापुरुषों की जयंती पर समरसता के भाव प्रगाढ़ करें

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन द्वारा यादे माँ जयंती एवं गहोई दिवस के अवसर पर अग्रवाल धर्मशाला, साकेत धाम के पास ग्वारीघाट में विचार गोष्ठी एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता इतिहासकार डॉ. आनंद सिंह राणा, मुख्य अतिथि समाजसेवी उद्योगपति प्रदीप चौकसे, विशिष्ट अतिथि दुर्गाबाबू प्रजापति एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उत्तमचंद गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने की। डॉ. आनंद सिंह राणा ने कहा कि यदि समाज में "सब सबको जाने, सब सबको माने" की भावना बनी रहे तो किसी प्रकार का भ्रम उत्पन्न नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यादे माँ जयंती और गहोई दिवस का आयोजन विभिन्न समाजों की सहभागिता से समरसता का सशक्त उदाहरण है। डॉ. राणा ने गहोई वैश्य समाज के ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक पक्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक प्राचीन और प्रतिष्ठित व्यापारी समुदाय है, जिसका उल्लेख खजुराहो के शिलालेखों एवं पुराणों में मिलता है। उन्होंने यादे माँ के प्रकाट्योत्सव की पौराणिक कथा का उल्लेख करते हुए उन्हें भक्ति की प्रेरणा स्त्रोत बताया। कार्यक्रम को प्रदीप चौकसे, दुर्गाबाबू प्रजापति एवं अधिवक्ता उत्तमचंद गुप्ता ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम का संचालन मनोज सेठ ने किया। प्रस्तावना सचिव उज्जवल पचौरी ने रखी तथा आभार प्रदर्शन अध्यक्ष संदीप जैन ने किया। इस अवसर पर विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भारतीय किसान संघ मझौली ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

मझौली। भारतीय किसान संघ मझौली द्वारा जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार मझौली को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि श्री जी वेयरहाउस खरीदी केंद्र में 13 जनवरी से पोटल बंद होने के कारण कई किसानों की धान तुलाई के बावजूद पोटल में नहीं चढ़ पाई है। संघ ने यह भी बताया कि अनेक किसानों को अब तक उनकी धान का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे किसान आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। भारतीय किसान संघ मझौली ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जिन किसानों की धान पोटल में दर्ज नहीं हुई है तथा जिनका

भुगतान लंबित है, उनका कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए।

विकास खंड स्तरीय ग्राम उत्सव आयोजित

सिहोरा।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में विकासखंड स्तरीय ग्राम उत्सव ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश कार्यक्रम शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल महाविद्यालय मेंआयोजित किया गया। जिसमें सी एम सी डी छात्रा आकांक्षा ने वंदे मातरम गीत प्रस्तुत कियाआयोजन में मुख्य अतिथि दिलीप नायक अधीक्षक सब जेल ने कहा गांव मानवता का बाल स्थान है जहां राष्ट्र की संस्कृति राष्ट्र का विकास मानवता पल्लवित होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अशोक उपाध्याय प्राचार्य सी एम राइज ने ग्रामोदय से अभ्युदय तक की यात्रा में छोटी-छोटी संगठित इकाइयों के महत्व को बताया। इसी तरह विशिष्ट अतिथि जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया ने स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस से

प्रारंभ ग्राम विकास पखवाड़ा के अंतर्गत सामाजिक समरसता पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य कटनी प्रगति राय ने कहा ग्रामोत्थान हेतु हमें गांव की संस्कृति को लक्ष्य करना होगा।कार्यक्रम में युवाओं के साथ नवांकुर समिति एवं ग्राम प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं परामर्शदाताओं की सहभागिता रही।

केशव बस्ती सिहोरा का विराट हिन्दू सम्मेलन आज

सिहोरा। सनातन धर्म की गरिमा और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से केशव बस्ती का विराट हिन्दू सम्मेलन आज मंगलवार को दोपहर 2 बजे से बीडी हाईस्कूल ग्राउंड में आयोजित किया गया है। जिसमें हिन्दू धर्म की गौरवशाली विरासत,एकता और भविष्य की दिशा पर विचार किया जायेगा। जिसमें भागवताचार्य आकर्षक जी महाराज भी आशीर्वाद देने पहुंचेंगे। सम्मेलन में संघ के विभाग सहकार्यवाह विवेकानंद पटेल भी उपस्थित रहेंगे। सभी हिन्दू बंधुओं और भगिनियों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की गई है।

शासकीय पीजी कालेज में हुआ वन्दे मातरम गीत का समूह गायन

सिहोरा। राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में पूर्ण वन्दे मातरम गीत का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी डॉ डी के बघेल के नेतृत्व में लगभग 300 विद्यार्थियों ने एक स्वर में श्री बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वन्दे मातरम गीत का गायन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि वन्दे मातरम गीत भारत की प्राकृतिक सुंदरता का अनुपम उदाहरण है। प्रकृति हमें माँ के समान पालती है। भारत भूमि की वंदना हमारा सौभाग्य है। मुख्य कार्यक्रम के अतिरिक्त विभिन्न विभागों में विद्यार्थियों को पृथक पृथक कक्षाओं में सम्पूर्ण वन्दे मातरम गीत का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पत्रकार पवन पांडेय को मातृ शोक

जबलपुर। दक्षिण मिलौनीगंज जमुनिया कुआं निवासी स्व. दशरथप्रसाद पांडेय जी की धर्म पत्नी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री पवन पांडेय,

श्री प्रवीण पांडेय की माताजी श्रीमती लीलाबाई पांडेय का सोमवार शाम निधन हो गया। अंतिम यात्रा उनके निज निवास जमुनिया कुआं दक्षिण मिलौनीगंज से मंगलवार 20 जनवरी को प्रातः 11:00 बजे रानीताल मोक्षधाम प्रस्थान करेंगी।

जुआ के फड़ पर छापा

जबलपुर। गढ़ा पुलिस ने गत रात कोल माईंस गढ़ा में चल रहे एक जुए के फड़ पर छापा मारकर 6 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 4 हजार 750 रुपए जब्त किए है।गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात मुखबिर की सूचना पर कोल माईंस गढ़ा में जुआ मन्ना खेल रहे शक्ति नगर गढ़ा निवासी सूरज चक्रवर्ती, कोल माईंस कालोनी शक्ति नगर निवासी गोपाल सिंह ठाकुर, सनातन मंदिर के पास गोरखपुर निवासी सुरेन्द्र आनंद, हाथीताल कालोनी गोरखपुर निवासी अनिल शुक्ला, अवधपुरी गौरीघाट निवासी सोनू कुमार वाल्मीक, सावित्री भवन थाना गोरखपुर निवासी रवि मिश्रा को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के 52 पत्ते 4 हजार 750 रूपये जप्त करते हुये जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

ग्रामोदय से अभ्युदय कार्यक्रम में परिषद का योगदान महत्वपूर्ण : बलराम यादव

पाटन। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकास खंड पाटन, जिला जबलपुर के अंतर्गत ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्राम विकास पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत शोभासिंह यादव शासकीय महाविद्यालय पाटन में विकास खंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंदजी के चित्र पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री बलराम यादव ने अपने संबोधन में कहा कि ग्राम विकास से ही भारत का समग्र विकास संभव है तथा इस दिशा में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्य वक्ता पाटन नगर परिषद के पार्षद सत्यम मेहरा ने कहा कि परिषद के कार्यकर्ता ग्राम स्तर पर निरंतर समाज सेवा करते

हुए ग्रामोदय की दिशा में कार्य कर रहे हैं। विकास खंड समन्वयक श्रीमती नूपुर खरे ने सेक्टर एवं ग्राम स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम की प्रस्तावना नवांकुर प्रतिनिधि श्री राम नारायण सिंह ने प्रस्तुत की। संचालन परामर्शदाता श्री रामराजा यादव ने किया, आभार प्रदर्शन परामर्शदाता श्रीमती प्रियंका जैन ने किया तथा स्वदेशी अपनाओ की शपथ परामर्शदाता श्री कामता प्रसाद सेन ने दिलाई। कार्यक्रम में विकास खंड की 50 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात नगर में रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर नवांकुर संस्था प्रतिनिधि श्रीमती अंजना विश्वकर्मा, जितेंद्र राठौर, उमाकांत यादव, परामर्शदाता कमल झारिया, यशवंत सेन सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र-पूर्व छात्र, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निधन

श्री रूपराम गढ़वाल- संस्कार परिसर अमखेरा निवासी श्री रूपराम गढ़वाल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुनीता गुप्ता- छोटी ओमती निवासी श्री राज बहादुर गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता गुप्ता (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दीना प्रसाद- नई बस्ती बर्मन मोहल्ला गौरीघाट निवासी श्री दीना प्रसाद (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुनिया बाई- लालमाटी छोटी खेरमाई निवासी श्री गनेश प्रसाद डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती सुनिया बाई (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री किशोरी लाल कुशवाहा- विजय नगर निवासी श्री किशोरी लाल कुशवाहा (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष कुमार राजपूत- सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री संतोष कुमार राजपूत (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती चंपा देवी गुप्ता- सुशीला परिसर अमखेरा निवासी श्री मुन्नी लाल गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती चंपा देवी गुप्ता (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव बालक कनौजिया- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री शिव बालक कनौजिया (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राजेश कुमार साहू- समीक्षा टाउन फेस 1, कांचघर निवासी श्री राजेश कुमार साहू (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भूषण नायडू- रसल चौक के निकट निवासी श्री भूषण नायडू (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती विमला बाई परते- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी श्री रामजी लाल परते की धर्मपत्नी श्रीमती विमला बाई परते (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीरा बाई- बिलहरी पोस्ट आफिस के पास निवासी श्री सुंदर लाल की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बाई (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री विकास बंशकार- लाल कुआं पोलीपाथर निवासी श्री विजय बंशकार के पुत्र श्री विकास बंशकार (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा देवी- कांचघर निवासी श्री जंग बहादुर की धर्मपत्नी श्रीमती आशा देवी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अशोक रैकवार- मिल्क स्कीम रोड अधारताल निवासी श्री अशोक रैकवार (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुलाब सिंह गौड़- बिलहरी चेतना मैदान निवासी श्री गुलाब सिंह गौड़ (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री गणेश स्वामी- बजरंग बाड़ा बिलहरी निवासी श्री गणेश स्वामी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुंदर राजी- बजरंग नगर व्हीकल निवासी श्री सुंदर राजी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री शंभू कोरी- गुप्ता नगर मेडिकल निवासी श्री शंभू कोरी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

खबर संक्षेप

भारत कोकिंग कोल का शेयर 97 फीसदी बढ़क सूचीबद्ध

नई दिल्ली। कोल इंडिया की इकाई भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) का शेयर अपने निर्गम मूल्य 23 रुपये से 96.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 45.21 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 96.56 प्रतिशत अधिक था।

टेक महिंद्रा का लाभ बढ़कर 1,122 करोड़ रुपए

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टेक महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 14.11 प्रतिशत बढ़कर 1,122 करोड़ रुपये रहा। महिंद्रा समूह की कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसने 983.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

बीएचईएल का लाभ तीन गुना होकर 390.40 करोड़

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ तीन गुना होकर 390.40 करोड़ रुपये रहा। यह वृद्धि मुख्य रूप से प्रमुख क्षेत्रों से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के कारण हुई। 2024-25 की तीसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 134.70 करोड़ रुपये रहा था।

टाटा टेक्नोलॉजीज का लाभ 96 प्रतिशत घटा

TATA TATA TECHNOLOGIES

नई दिल्ली। वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी, टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 96 प्रतिशत घटकर 6.64 करोड़ रुपये रहा। इसकी मुख्य वजह श्रम संहिता का असर है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 168.64 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा कमाया था।

जेबी फार्मा का लाभ 22% बढ़कर 198 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 198 करोड़ रुपये रहा। दवा कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष के इसी समय में 162 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। दिसंबर तिमाही में राजस्व बढ़कर 1,065 करोड़ रुपये हो गया।

पीएनबी का तीसरी तिमाही में मुनाफा 13 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 5,100 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 4,508 करोड़ रुपये रहा था। पीएनबी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय सालाना आधार पर बढ़कर 37,253 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 34,752 करोड़ रुपये थी।

भारत में सोने की चमक से घर-घर बढ़ी दौलत, परिवारों की संपत्ति 117 लाख करोड़ बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- आंकड़ा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ईयरबुक 2026 ने जारी किया

सोने की कीमतों में तेज उछाल ने साल 2025 में भारतीय परिवारों की संपत्ति को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा दिया।एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ईयरबुक 2026 के मुताबिक, बीते साल भारतीय घरों की कुल संपत्ति में करीब 117 लाख करोड़ रुपए यानी लगभग 1.3 खरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इस बढ़ी हुई संपत्ति का असर परिवारों की खर्च करने की क्षमता और वित्तीय भरोसे पर भी साफ दिखाई दिया। रिपोर्ट में बताया गया है कि सोने की कीमतों में आई तेजी के कारण यह पिछले 25 वर्षों की सबसे बड़ी संपत्ति बढ़ोतरी है। 2025 में 15 दिसंबर तक सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम करीब 57,000 रुपए बढ़ गई। इससे पहले 2024 में भी सोने के दाम 14,000 रुपए प्रति 10 ग्राम चढ़े थे। लगातार दो साल की इस मजबूती ने भारतीय परिवारों के पास मौजूद सोने की कीमत को कई गुना बढ़ा दिया।

बीते साल भारतीय घरों की कुल संपत्ति में लगभग 1.3 खरब डॉलर की बढ़ोतरी

बिटकॉइन जैसे विकल्प कमजोर साबित हुए

वैश्विक स्तर पर 2025 में सोना, यूरोप और उभरते बाजारों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि ऑयल, अमेरिकी डॉलर और बिटकॉइन जैसे विकल्प कमजोर साबित हुए। कई साल की तेजी के बाद स्मॉल-कैप और मिड-कैप शेयरों में भी गिरावट देखी गई और करीब 30 फीसदी स्मॉल-कैप स्टॉक्स अपने 52 हफ्तों के उच्च स्तर से 30 फीसदी से ज्यादा टूट चुके हैं। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने कहा है कि नए निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जिनमें इक्विटी, डेट और सोने का संतुलित मिश्रण रहता है और जोखिम को संभालना आसान होता है।

शेयर बाजार में सुस्ती, सोने ने संभाला मोर्चा

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ईयरबुक में कहा गया है कि 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए अपेक्षाकृत कमजोर साल रहा। वैश्विक बाजारों की तुलना में भारत का प्रदर्शन फीका पड़ा, जिससे दुनिया के कुल शेयर बाजार मूल्य में भारत की हिस्सेदारी घट गई। निफ्टी का प्रदर्शन वैश्विक और उभरते बाजारों के मुकाबले करीब 25 फीसदी कमजोर रहा, जो करीब तीन दशक का सबसे खराब प्रदर्शन माना जा रहा है।

सोने के बदले लोन में भी इजाफा

सोने की कीमत बढ़ने का एक असर यह भी दिखा कि गोल्ड के बदले लिए जाने वाले रिटेल लोन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। जब सोने की वैल्यू बढ़ती है, तो लोग जरूरत के समय इसे गिरवी रखकर कर्ज लेना ज्यादा सुरक्षित मानते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में जब शेयर बाजार स्थिरता के दौर से गुजर रहा था, तब सोना एक भरोसेमंद और सुरक्षित निवेश बनकर उभरा।

चीन और इंडोनेशिया की कतार में भारत होगा शामिल

भारत वर्ष 2030 तक बन सकता है उच्च मध्यम आय वाला देश: एसबीआई रिसर्च

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत वर्ष 2030 तक 'उच्च-मध्यम आय' वाला देश बनकर चीन एवं इंडोनेशिया की कतार में शामिल हो जाएगा और यह 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर भी अग्रसर है।

सोमवार को एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के आधार पर देशों का वर्गीकरण निम्न आय, निम्न-मध्यम आय, उच्च-मध्यम आय और उच्च आय वाले देशों के रूप में करता है। वर्ष 1990 में विश्व बैंक के इस वर्गीकरण के तहत कुल 218 देशों में से 51 निम्न आय, 56 निम्न-मध्यम आय, 29 ऊपरी-मध्यम आय और 39 उच्च आय वाले देश थे।

2024 में 87 देश उच्च आय वाले थे

हालांकि वर्ष 2024 में प्रकाशित नवीनतम वर्गीकरण के तहत 26 देश निम्न आय, 50 निम्न-मध्यम आय, 54 उच्च-मध्यम आय और 87 उच्च आय वाले देश थे। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट कहती है कि भारत को आजादी के बाद निम्न-मध्यम आय वाले वर्गीकरण से बाहर निकलने में 60 साल लग गए।

वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की और अग्रसर

विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय पर वर्गीकरण करता है

भारत को निम्न-मध्यम आय वर्ग से बाहर निकलने में 60 साल लग गए

2030 तक 4000 डॉलर प्रति व्यक्ति होगी आय

रिपोर्ट कहती है, /"भारत अगले चार वर्षों में 2030 तक 4,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल करने की राह पर है जिससे वह उच्च-मध्यम आय वाला देश बन जाएगा और चीन एवं इंडोनेशिया के मौजूदा समूह का हिस्सा बन जाएगा।/ रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2047 तक भारत को उच्च-आय वाला देश बनने के लिए प्रति व्यक्ति जीएनआई को 7.5 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ाना होगा जो हासिल किया जा सकता है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब भी सबसे बड़ी

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट कहती है कि भारत वर्ष 2028 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है जबकि 2035 तक यह 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब भी सबसे बड़ी है जबकि उसके बाद चीन का स्थान आता है। हालांकि भारत 2028 तक जर्मनी को पछाड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

1962 में प्रति व्यक्ति आय 90 डॉलर थी

इसकी 1962 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 90 डॉलर थी जो 2007 तक 910 डॉलर हो गई। इसके बाद भारत ने 2009 में प्रति व्यक्ति आय 1,000 डॉलर, 2019 में 2,000 डॉलर और 2026 तक 3,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल कर 'उच्च-मध्यम आय' वाला देश बनने की दिशा में कदम रख दिया है।

भारत 1990 में 14वीं बड़ी अर्थव्यवस्था था

भारत वर्ष 1990 में दुनिया की 14वीं बड़ी अर्थव्यवस्था था लेकिन 2025 में उसने चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल कर लिया। एसबीआई रिसर्च ने कहा, /"भारत को अपने सुधारों के कार्यक्रम को जारी रखना चाहिए ताकि वह अतिरिक्त और तेजी से होने वाली आर्थिक वृद्धि हासिल कर सके, जो इसे उच्च-आय वाले देश की श्रेणी तक पहुंचाने के लिए जरूरी है।/"

भारत की प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी और मौजूदा कीमतों पर जीडीपी में औसतन 11-11.5 प्रतिशत की दर से वृद्धि संभव है, जो देश को 2030 तक उच्च-मध्यम आय और 2047 तक उच्च आय वाले देश की श्रेणी में लाने में मददगार होगी।

शोध को बढ़ावा देने बजट में नीतिगत प्रोत्साहन मिले

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- एमपीसी सदस्य नागेश ने सरकार से आरएंडडी पर ध्यान देने कहा
- दीर्घकालिक पूंजी सुनिश्चित करने एक संस्थागत कोष बनाना चाहिए

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सरकार को आगामी बजट में आरएंडडी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत प्रोत्साहन देना चाहिए और उद्योग के लिए दीर्घकालिक पूंजी सुनिश्चित करने हेतु एक संस्थागत कोष बनाना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करेंगी। कुमार ने कहा, ''विनिर्माण आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आम बजट 2026-27 में भारतीय कंपनियों की अपनी शोध एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु कुछ नीतिगत उपायों पर विचार करना चाहिए। इससे उनकी उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।'' नागेश कुमार ने कहा कि शोध, विकास और नवाचार (आरडीआई) तथा अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एएनआरएफ) हाल के समय में अपनाए गए महत्वपूर्ण उपाय हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन इन्हें कॉरपोरेट आरएंडडी गतिविधियों के प्रोत्साहनों के साथ पूरक बनाने की आवश्यकता है।'' एमपीसी सदस्य ने कहा कि आरएंडडी खर्च के लिए 200 प्रतिशत 'भारित कर कटौती' को बहाल करना ऐसी ही एक नीति हो सकती है। कुमार के अनुसार एक अन्य सुझाव विनिर्माण के लिए सावधि ऋण देने के लिए एक नई संस्थागत संरचना तैयार करना होगा।

ट्रंप की नीतियों के कारण रुपए में आई गिरावट

भारतीय मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट पर कुमार ने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी, ट्रंप की शुल्क नीतियों और भारत के निर्यात पर उनके प्रभाव के बारे में अनिश्चितता जैसे कारकों के चलते रुपये में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि मुद्रा के मूल्य में गिरावट भारत के निर्यात और विनिर्माण क्षेत्र के लिए मददगार है और इस बारे में बहुत अधिक चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में पांच प्रतिशत पर

- निर्यात के दम पर पांच फीसदी बढ़कर 2001 अरब डॉलर हुई
- चीन की सबसे बड़ी कमजोरी घरेलू खपत में आई सुस्ती है

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिकी शुल्क के बावजूद मजबूत निर्यात के दम पर पिछले साल पांच प्रतिशत बढ़कर 2001 अरब डॉलर तक पहुंच गई। वहीं इसकी सबसे बड़ी कमजोरी घरेलू खपत सुस्त बनी रही।

चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 में चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वार्षिक आधार पर पांच प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह देश के करीब पांच प्रतिशत के वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप है। एनबीएस के आंकड़ों के अनुसार, जीडीपी 21010 अरब डॉलर (140,187.9 अरब युआन) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह पहली बार 2000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार पहुंची है। घरेलू चुनौतियों की एक श्रृंखला के कारण अंतिम तिमाही में वृद्धि दर तीन साल के निचले स्तर 4.5 प्रतिशत पर आ गई। यह 2022 की अंतिम तिमाही के बाद से चीन की सबसे धीमी तिमाही वृद्धि थी जब कोविड-19 संकट के कारण इसमें केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

मुद्राकोष ने भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर किया 7.3%

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए किया
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया गया

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया जो अक्टूबर में जारी अनुमान से 0.7 प्रतिशत अंक अधिक है।

वाशिंगटन स्थित बहुपक्षीय वित्तीय संस्था ने अपनी 'विश्व आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भी भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पहले 6.2 प्रतिशत था। आईएमएफ ने कहा, "भारत में 2025 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए वृद्धि अनुमान को 0.7 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका कारण तीसरी तिमाही में अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और चौथी तिमाही में मजबूत रफ्तार है।, मुद्राकोष ने कहा कि आने वाले समय में भारत की वृद्धि दर में कुछ नरमी आ सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में भारत की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, क्योंकि चक्रीय एवं अस्थायी कारकों का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर आठ प्रतिशत रही।

खुदरा मुद्रास्फीति 4 फीसदी पर रखने का लक्ष्य

भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर सीमित रखने का लक्ष्य मिला हुआ है। वैश्विक स्तर पर आईएमएफ ने कहा कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2026 में 3.3 प्रतिशत और 2027 में 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर इन दोनों वर्षों में चार प्रतिशत से थोड़ा अधिक रहने की संभावना है।

चीन के लिए अनुमान 0.2 फीसदी बढ़ाकर 5 फीसदी किया

मुद्राकोष ने चीन के लिए 2025 की वृद्धि दर का अनुमान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर पांच प्रतिशत कर दिया है। वहीं, वैश्विक महंगाई 2025 में अनुमानित 4.1 प्रतिशत से घटकर 2026 में 3.8 प्रतिशत और 2027 में 3.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई गई है।

सरकार ने गेहूं के आटे के निर्यात की अनुमति दी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे और उससे संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दे दी है। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। निर्यात पर लगे प्रतिबंध में यह आंशिक ढील तीन साल से अधिक के अंतराल के बाद दी गई है। केंद्र सरकार ने साल 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत इस जिंस का एक प्रमुख उत्पादक देश है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 16 जनवरी की अपनी अधिसूचना में कहा, ''गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि, मौजूदा नीतिगत शर्तों के अतिरिक्त, पांच लाख टन तक गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई है।''डीजीएफटी ने कहा कि जो आवेदक इस उत्पाद का निर्यात करना चाहते हैं, उन्हें महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए आवेदन करना होगा। अधिसूचना के मुताबिक पहले चरण के तहत आवेदन 21 जनवरी, 2026 से 31 जनवरी, 2026 तक दिए जा सकते हैं। इसमें कहा गया कि इसके बाद जब तक निर्यात की निर्धारित मात्रा उपलब्ध रहेगी, तब तक हर महीने के अंतिम दस दिनों के दौरान आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। निर्यात का यह अधिकार जारी होने की तारीख से छह महीने के लिए वैध होगा। निर्यातक, आटा मिलें या प्रसंस्करण इकाइयां इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। हालांकि उनके पास वैध आईईसी (आयात निर्यात कोड) और एफएसएसएआई (एफएसएसएआई) लाइसेंस होना चाहिए।

पश्चिम मध्य रेल

वाणिज्य विभाग दिनांक : 07.11.2025
क्र. जबल/सी/170/ई–ऑक्शन/विविध/25

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर द्वारा IREPS पर पंजीकृत संस्थाओ से ई–ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापन एवं एसएलआरलीजिंग ठेके हेतु बोलियाँ आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन केटेलाग को IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर प्रकाशित किया जा चुका है जबलपुर मंडल के आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है। **श्रेणी** : पे एंड यूज, **कैटेलाग** : JBP-Pay Use-BOT, **एसेट विवरण** : जबलपुर स्टेशन के डीलक्स पे एंड यूज टायलेट (BOT) आधारित) के संचालन और रखरखाव का कार्य।, **ऑक्शन प्रारंभ** : 25-11-2025 12: 30 hrs, **ऑक्शन समापन** : 25-11-2025 13:00 hrs. 1. बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. देखे। 2.उक्त ई–ऑक्शन आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) के 3. ई–ऑक्शन मोडयूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। 3. ई–ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। 4. बोलीदाता IREPS में उल्लेखित दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई ऑक्शन में भाग ले सकते है। 5. सभी संभावित बोली दाताओ से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से सम्बधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रुप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. का अवलोकन करते रहे।

हस्ता.
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य),
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)
Office: Municipal Council Kotma Dt-Anuupur(M.P.) Email-cmokotma@mpurban.gov.in Ph.(07658)233260

क्रमांक-180/न.पा./भण्डार/जेम-बिड/2025-26 — **निविदा विज्ञप्ति (प्रथम आमंत्रण)** — कोतमा, दिनांक 19/01/2026

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आपूर्ति / कार्य हेतु ऑनलाइन जेम पोर्टल में पंजीकृत फर्मों एवं ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा दरें आमंत्रित की जाती है।

क्र.	जेम बिड क्रमांक	सामग्री/कार्य का विवरण	मात्रा	लागत	अमानत राशि	अंतिम तिथि
01	GEM/2026/B/7119572 16.01.2026	LED Based Information Display System	01	500000	5000	30/01/2026
02	GEM/2026/B/7119574 16.01.2026	Signage Board	01	800000	8000	31/01/2026
03	GEM/2026/B/7119606 16.01.2026	FRP Urinal Cabin	12	1500000	15000	31/01/2026
04	GEM/2026/B/7119563 16.01.2026	Decorative Lightning Pole	36	1000000	10000	31/01/2026
05	GEM/2026/B/7119555 16.01.2026	Outdoor/Indoor Fountain	02	1000000	10000	31/01/2026
05	GEM/2026/B/7119561 16.01.2026	Led post top lantern	40	377000	-	27/01/2026

01. उल्लेखित कार्यो के निविदाओं का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://gem.gov.in पर देखा जा सकता है।
02. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन किये जाने पर समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। निविदा में किया गया संशोधन वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कोतमा जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग रायसेन (म.प्र.)
ईमेल:- eepwdraisen@mp.nic.in दूरभाष / फेक्स क्रमांक. 07482.222051

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 28/व.ले.लि./ रायसेन / 2025-26 — रायसेन, दिनांक 09.01.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रू लाख में)	रिमार्क
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_475383_1	रायसेन	निर्माण कार्य।	सतहरी से सिलारी मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 4.00 कि.मी.	प्रथम	444.16	
2	2026_PWDRB_475386_1	रायसेन	निर्माण कार्य।	कासिया पाटनी से मृगनाथ धाम तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.50 कि.मी.	प्रथम	339.02	
3	2026_PWDRB_475396_1	रायसेन	निर्माण कार्य।	गाजीखेड़ी से सिलगेना तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.50 कि.मी.	प्रथम	321.71	
4	2026_PWDRB_475404_1	रायसेन	निर्माण कार्य।	नूरनगर से मगरा टोला तक मार्ग का निर्माण कार्य। लम्बाई 1.50 कि.मी.	प्रथम	213.26	
5	2026_PWDRB_475414_1	रायसेन	बी.टी. नवीनीकरण	सेमरी खोजरा से डूबतलाई मार्ग पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य लम्बाई 1.20 कि.मी	द्वितीय	21.60	
6	2026_PWDRB_475448_1	रायसेन	निर्माण कार्य।	रायसेन जिले के गैरतगंज सिविल कोर्ट भवन में विकलांग व्यक्तियों और ट्रांसजेंडरों के लिए शौचालय कक्ष का निर्माण कार्य।	द्वितीय	8.79	
7	2026_PWDRB_475451_1	रायसेन	निर्माण कार्य।	रायसेन जिले के बेगमगंज कोर्ट भवन में विकलांग व्यक्तियों और ट्रांसजेडरों के लिए शौचालय कक्ष का निर्माण कार्य।	द्वितीय	8.79	
8	2026_PWDRB_475456_1	रायसेन	निर्माण कार्य।	रायसेन जिले के गौहरगंज कोर्ट भवन में विकलांग व्यक्तियों और ट्रांसजेडरों के लिए शौचालय कक्ष का निर्माण कार्य।	द्वितीय	8.79	
9	2026_PWDRB_475462_1	रायसेन	मरम्मत एवं रंगाई पुताई कार्य	बेगमगंज उपसंभाग अन्तर्गत शेक्शन बेगमगंज एवं सुल्तानगंज के शासकीय आवासीय भवनों में मरम्मत एवं पुताई कार्य।	द्वितीय	16.87	
						1382.99	

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की 28/01/2026, (17.30) बजे अंतिम तिथि निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, रायसेन संभाग रायसेन

जी - 24626/25 स्वच्छता ही सेवा

चिंतन

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : ईसी की विश्वसनीयता ही बढ़ेगी

लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद चुनाव प्रक्रिया पर टिकी होती है। मतदाता सूची इस प्रक्रिया की आत्मा है, क्योंकि यही तय करती है कि कौन नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान सामने आई गड़बड़ियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का हालिया आदेश इसी लोकतांत्रिक मूल भावना की रक्षा की दिशा में एक अहम कदम है। अदालत ने न केवल चुनाव आयोग को पारदर्शिता का पाठ पढ़ाया है, बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों को भी केंद्र में रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में एसआईआर के दौरान संदिग्ध या गड़बड़ी वाले लगभग 1.25 करोड़ नामों को सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न केवल प्रक्रिया को खुला और जवाबदेह बनाता है, बल्कि उन नागरिकों को भी जानकारी देता है, जिनके नाम किसी कारणवश मतदाता सूची से हटे या संदिग्ध पाए गए। लोकतंत्र में सूचना का अधिकार केवल एक कानूनी अवधारणा नहीं, बल्कि जनता के भरोसे का आधार है। जब आंकड़े और सूचनाएं सार्वजनिक होंगी, तो आशंकाओं और अफवाहों को स्वतः विराम लग जाएगा। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि लंबे समय से यह आशंका जताई जा रही थी कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आंकड़ों को सार्वजनिक करने का आदेश इस संदेह को दूर करने और प्रक्रिया को जवाबदेह बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। अदालत ने साफ कहा कि जांच पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि आम लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। यह टिप्पणी केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चुनाव आयोग के रवैये पर भी एक महत्वपूर्ण टिप्पणी है। अक्सर देखा गया है कि दस्तावेजों की कमी, तकनीकी त्रुटियों या प्रशासनिक सख्ती के कारण गरीब, प्रवासी मजदूर, बुजुर्ग और युवा मतदाता सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश सुनिश्चित करता है कि जांच का उद्देश्य सुधार हो, न कि नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना। फैसले का एक और अहम पहलू यह है कि बंगाल के 1.25 करोड़ वोटर्स को अपना नाम दोबारा मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए एक और मौका दिया गया है। जिन लोगों के नाम कट गए थे, उनके लिए यह आदेश एक नई उम्मीद लेकर आया है और यह संदेश भी देता है कि कोई भी प्रशासनिक प्रक्रिया नागरिक के मौलिक अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती। दसवीं कक्षा के एडमिट कार्ड को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए मान्य दस्तावेज मानने का निर्देश लाखों लोगों को राहत देगा। देश में बड़ी आबादी ऐसी है जिसके पास जन्म प्रमाण पत्र या अन्य पारंपरिक पहचान दस्तावेज नहीं हैं, लेकिन शैक्षणिक रिकॉर्ड उपलब्ध हैं। इस फैसले से खासतौर पर युवाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लाभ मिलेगा। यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आंकड़े सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हों। इससे पहले भी अदालत पारदर्शिता पर जोर देती रही है। बिहार चुनाव के दौरान एसआईआर के बाद मतदाता सूची को सार्वजनिक किया गया था, जिससे न केवल विवाद कम हुए बल्कि जनता का भरोसा भी बढ़ा। वही, अनुभव बंगाल में भी दोहराया जा सकता है। कुल मिलाकर, यह फैसला चुनाव आयोग के कामकाज में पारदर्शिता लाने और उसकी विश्वसनीयता बढ़ाने वाला है।

आर्थिक चुनौतियां
रोहित माहेश्वरी

जाली करंसी से अर्थव्यवस्था को चोट

नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। नकली नोटों का बढ़ता जाल संकेत देता है कि असामाजिक तत्व नए-नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को और जटिल बना रहे हैं।

देश में जाली नोटों का कारोबार कई राज्यों में फैला हुआ है, इसमें से कुछ जाली करंसी विदेशों से आई है तो कुछ भारत में ही तैयार की गई है। अभी तक पांच सौ, हजार और सौ-सौ के नकली नोट ही सिरदर्द बने थे। परंतु अब पचास, बीस और दस रुपये के नकली नोटों का धड़ल्ले से चलन में हैं। छोटे-बड़े नकली नोटों की खपत ग्रामीण बाजारों में आसानी से हो जाती है। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में बीती 18 जनवरी को थाना बिसवां पुलिस ने गुलजारशाह मेले के करीब एक लाख के नकली नोटों के साथ एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। बीती 1 जनवरी को हरियाणा के फरीदाबाद में पुलिस ने नकली नोट बनाकर मार्केट में चलाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया था। बीती 17 जनवरी को महाराष्ट्र के यवतमाल जिले की पुसद पुलिस ने एक बड़े जाली नोट नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। गत 5 जनवरी को उत्तर प्रदेश के बांदा में पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा तैयार कर उसे बाजार में खपाने वाले एक संगठित अन्तर्जनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। बीती 13 जनवरी को गुजरात के सूरत में नकली नोटों के रैकेट को लेकर पुलिस ने भीड़-भाड़ वाले इलाकों में छोटे दुकानदारों को निशाना बनाकर नकली नोट चलाने वाले एक हीरा कारीगर को गिरफ्तार किया है। बीते साल नवंबर में भोपाल पुलिस ने 21 साल के एक युवक को वीडियो देखकर अपने घर को नकली नोटों की फैक्ट्री बनाने के आरोप में पकड़ा था। आरोपी प्रिंटर, स्पेशल पेपर और प्रेस के अनुभव का इस्तेमाल कर असली जैसे 500-500 रुपये के नोट तैयार करता था। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारा देश डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करंसी की मौजूदगी बनी हुई है। देश में नकली नोटों का नेक्सस लगातार फैल रहा है, जो देश की बैंकिंग सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। नकली नोटों का यह नेटवर्क सीधे तौर पर भारत के बैंकों को निशाना बना रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने कई बैंकों की शिकायत पर एक केस दर्ज किया है, जो काफी चौंकाने वाला है। इस मामले में 18 सरकारी और प्राइवेट बैंक शामिल हैं। बैंकों का कहना है कि उनके यहां करीब 11 हजार नकली करंसी नोट जमा किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 34 लाख रुपये है। यह अपने आप में एक गंभीर और हैरान करने वाली बात है कि देश के बैंकों में इतने नकली नोट कैसे जमा हो पा रहे हैं।

सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि बीते सालों के दौरान नकली नोट पकड़े जाने के मामलों में तेजी आई है। इससे पता चलता है कि नकली नोटों का चलन तेज हुआ है। पिछले कुछ सालों में नकली नोटों की समस्या ने देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 500 रुपये के नकली नोटों में वित्त वर्ष 2019 से 2023 के बीच 317 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जहां 2019 में यह संख्या 21,865 मिलियन पीस (एमपीसी) थी, वहीं 2023 में यह बढ़कर 91,110 एमपीसी तक पहुंच गई। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में यह संख्या घटकर 85,711 एमपीसी पर आ गई। केंद्रीय

बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। वर्ष 2016 में नोटबंदी के फैसले का उद्देश्य नकली नोटों और भ्रष्टाचार को रोकना था। लेकिन मौजूदा आंकड़े इस कदम की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हैं। नकली नोटों का बढ़ता जाल संकेत देता है कि असामाजिक तत्व नए-नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को और जटिल बना रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। वास्तव में, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिए डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नकद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। नोटबंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था कैशलेस सोसायटी की ओर अग्रसर है। डिजिटल ट्रांजेक्शन्स 300 प्रतिशत तक बढ़े हैं। कैशलेस लेन-देन लोगों के जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ हर लेन-देन से काले धन को हटाते हुए क्लीन इकोनॉमी बनाने में भी मददगार साबित हुआ है। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। असल में, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के नौ साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। बेशक, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिए जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिए नकली करंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं। नकली नोटों के चलन को रोकने में सबसे बड़ी बाधा जागरूकता का अभाव है। शहरों में तो थोड़ी बहुत जागरूकता दिखती है, पर ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के कम पढ़े-लिखे होने का फायदा उठाकर नकली नोटों के सौदागर अपना लक्ष्य आसानी से पूरा कर लेते हैं। जाली नोट के साथ सबसे बड़ी दिक्कत ये होती है कि इसे पहचानना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि जालसाज टेक्नोलॉजी की मदद से हूबहू असली नोटों से मिलते जुलते नकली नोट बना रहे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नकली नोटों का बढ़ना न केवल अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि यह आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है। नकली नोटों की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण, कड़ी निगरानी, और जागरूकता अभियान जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मुद्दा
सोनम लववंशी

उबलती चाय, जलते हाथ और ठहाके लगाता समाज!

देश ने चाय से आजादी पाई थी, अब चाय से दोस्ती साबित कर रहा है। सोशल मीडिया का ताजा आविष्कार उबलती चाय हाथों पर डालो और बताओ कि यार कितने पक्के हैं। शायद अगला चरण आग में कूदकर रिश्तेदारी नापने का होगा। कभी दोस्ती का मतलब होता था साथ बैठकर चाय पीना। आज मतलब है चाय सहना। फर्क बस इतना है कि पहले जलन दिल में होती थी, अब हथेलियों पर दिखाई देती है। और कैमरा ऑन हो तो दर्द भी देशभक्ति जैसा पवित्र हो जाता है। यह ट्रेंड बताता है कि हमारे समय में विवेक कोई आंतरिक गुण नहीं, बल्कि वैकल्पिक सुविधा है जिसे रील बनाते वक्त बंद किया जा सकता है। दोस्ती अब भावनात्मक रिश्ता नहीं, कंटेंट है। जितना ज्यादा जोखिम, उतना ज्यादा रिच। अगर अस्पताल में भर्ती हो जाओ, तो बोनस व्यूज। असली समस्या यह नहीं कि कुछ लोग अपने हाथ जला रहे हैं। असली समस्या यह है कि बाकी लोग कह रहे हैं कि 'भाई, गजब ट्रेंड है।' यही वह क्षण है जहां समाज ताली बजाते हुए अपनी समझ को चुपचाप दफन कर देता है। हम पहले ही ऐसे समाज में रहते हैं जहां हिंसा रोमांच है और जोखिम बहादुरी। सड़क पर स्टंट, रिश्तों में सहनशीलता और सोशल मीडिया पर मूर्खता सबको अलग-अलग नाम देकर वैध बना दिया गया है। अब जलना भी एक्सप्रेशन है। महिलाओं के लिए यह ट्रेंड कोई नई कहानी नहीं सुनाता, बस पुरानी सोच को नए फिल्टर में परोसता है। सहना आज भी 'अच्छी लड़की' की पहचान है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब यह परीक्षा ससुराल में नहीं, इंस्टाग्राम पर ली जा रही है। इंकार आज भी खराब लगता है, जलना अब भी स्वाभाविक। अगर दोस्ती सच में परीक्षा मांगती, तो कृष्ण-सुदामा की मित्रता आज के ट्रेंड में फेल हो जाती। न कोई स्टंट, न कोई वीडियो, न कोई सबूत। सिर्फ भरोसा। शायद इसी वजह से वह मित्रता इतिहास में बची रह गई और आज तो दोस्तियां 24 घंटे में ही गुम हो जाती हैं। सबसे डरावनी बात यह नहीं कि लोग उबलती चाय डाल रहे हैं। डरावना यह है कि समाज क्यों पूछ नहीं रहा। जब सवाल पूछना बोरिंग और तालियां बजाना आसान हो जाए, तब समझ लीजिए कि जलन केवल हाथों में नहीं, सोच में फैल चुकी है। दोस्ती का मतलब सुरक्षा होता है। लेकिन जब रिश्ते लोकप्रियता के लिए खतरे में डाले जाएं, तो उसे दोस्ती नहीं भीड़ के सामने किया गया असफल अभिनय कहते हैं। आज अगर हमने इसे 'मजाक' कहकर छोड़ दिया, तो कल कोई और उबलता प्रयोग तैयार खड़ा होगा। और तब भी हम कहेंगे 'ट्रेंड तो चल रहा था।' कुछ रिपोर्ट्स बताती हैं कि वायरल चैलेंज की वजह से 2020 के बाद खतरनाक चोटें दोगुनी हो गई हैं, और 'ब्लैकआउट चैलेंज' जैसी गतिविधियों में 20 से अधिक बच्चों की मौतें हुई हैं। हालिया घटना में, एक किशोरी के चेहरे और हाथों पर जलने के निशान रह गए, सिर्फ इसलिए कि उसने 'फायर चैलेंज' में भाग लिया। यही डेटा बताता है कि यह सिर्फ स्टंट नहीं है, यह सोशल मीडिया की मानसिकता है। दर्द और जोखिम को रोमांच और लोकप्रियता का लेबल दे दिया गया है। महिला दृष्टि से यह मामला और गहरा है। इतिहास में सहनशीलता और धैर्य को स्त्रियों की शक्ति माना गया। आज वही सहनशीलता शारीरिक परीक्षा और डिजिटल चैलेंज के रूप में सामने आ रही है। 'ना' कहना अब भी कठिन है, 'सहना' अब भी आदर्श। जब समाज ने इसे स्वीकार्य मान लिया, तो यह सिर्फ व्यक्तिगत मूर्खता नहीं, सामूहिक समस्या बन जाती है। सोशल मीडिया पर दिखावे की दोस्ती ने यह सिद्ध कर दिया है कि मित्रता अब भावनात्मक विश्वास की नहीं, बल्कि दिखावे और प्रदर्शन की वस्तु है। अगर मित्रता सच में परीक्षा मांगती, तो कृष्ण और सुदामा की मित्रता आज भी आदर्श के रूप में याद रखी जाती। वहां न कोई स्टंट था, न कोई कैमरा, था तो केवल भरोसा और सम्मान। आज का ट्रेंड उसी मूल भावना का मजाक है। दोस्ती का मतलब अब सुरक्षा और सम्मान नहीं, कंटेंट बनाना हो गया है। हाथ जलता है तो जले, कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि व्यूज मिल गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि साल 2025 में इंटरनेट पर वायरल खतरनाक चैलेंज में 50 प्रतिशत से अधिक प्रभावितों में किशोरियां और युवा महिलाएं हैं। उसकी वजह केवल ट्रेंड की खोज नहीं, बल्कि यह भी है कि समाज में सहनशीलता को 'गुण' मानने की मानसिकता अब डिजिटल मंच पर भी हावी है। दोस्ती, जो कभी विश्वास और समय की कसौटी पर परखी जाती थी, अब फ्रेम, रील और व्यूज की कसौटी पर आ गई है। और समाज, जो कभी सवाल पूछता था, अब केवल देख रहा है। यह स्थिति न केवल हाथों को जला रही है, हमारे सामाजिक विवेक को भी धीरे-धीरे भस्म कर रही दोस्ती का अर्थ सुरक्षा, सम्मान और साथी की रक्षा है, न कि लोकप्रियता के लिए जोखिम में डालना। अगर आज हम चुप रह गए, तो कल कोई और ट्रेंड हाथों और विवेक दोनों को जला देगा। और तब भी हम कहेंगे 'सोशल मीडिया है, चलता है।'

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूंढ़ते हैं दोष

संकलित
दर्शन

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है। इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला। वास्तव में दूसरे के दोष देखने का अधिकार उसी को है, जिसमें वह बुराई न हो।

क्या भोग लगाना पाखंड है?

संकलित
प्रेरणा

एक बार सन 1989 में मैंने सुबह टीवी खोला तो जगत गुरु शंकराचार्य कांची कामकोटि जी से प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम चल रहा था। एक व्यक्ति ने प्रश्न किया कि हम भगवान को भोग क्यों लगाते हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य जी ने कहा यह समझने की बात है कि जब हम प्रभु को भोग लगाते हैं तो वह उसमें से क्या ग्रहण करते हैं। मान लीजिए कि आप लड्डू लेकर भगवान को भोग चढ़ाने मंदिर जा रहे हैं और रास्ते में आपका जानने वाला कोई मिलता है और पूछता है यह क्या है तब आप उसे बताते हैं कि यह लड्डू है। फिर वह पूछता है कि किसका है? तब आप कहते हैं कि यह मेरा है। फिर जब आप वही मिष्ठान्न प्रभु के श्री चरणों में रख कर उन्हें समर्पित कर देते हैं और उसे लेकर घर को चलते हैं तब फिर आपको जानने वाला कोई दूसरा मिलता है और वह पूछता है कि यह क्या है ? तब आप कहते हैं कि यह प्रसाद है फिर वह पूछता है कि किसका है तब आप कहते हैं कि यह हनुमान जी का है। अब समझने वाली बात यह है कि लड्डू वही है। उसके रंग रूप स्वाद परिमाण में कोई अंतर नहीं पड़ता है तो प्रभु ने उसमें से क्या ग्रहण किया कि उसका नाम बदल गया। वास्तव में प्रभु ने मनुष्य के मम-कार को हर लिया। यह मेरा है का जो भाव था, अहंकार था प्रभु के चरणों में समर्पित करते ही उसका हरण हो गया। प्रभु को भोग लगाने से मनुष्य विनीत स्वभाव का बनता है शीलवान होता है। अहंकार रहित स्वच्छ और निर्मल चित्त मन का बनता है। इसलिए इसे पाखंड नहीं कहा जा सकता है।

सटाका

आज की पाती

तन, मन व आत्मा को शुद्ध करता है मौन

18 जनवरी को मौनी अमावस्या मनाई गई। हमारी देवभाषा संस्कृत में मौनी का एक अर्थ मौन भी होता है। सनातन धर्म में बहुत से त्योहार, पर्व, वर्त और अन्य बहुत से ऐसे धार्मिक आयोजन होते हैं, जिनका धार्मिक महत्व तो बहुत होता है, इसी के साथ-साथ यह विज्ञान की दृष्टि में भी बहुत महत्वपूर्ण है। इनसे हमारा तन, मन और पर्यावरण भी शुद्ध होता है। मौनी अमावस्या पर साधु-संतों और अन्य लोगों ने विभिन्न तरीकों से पूजा अर्चना की। इनमें से बहुतों ने इस दिन मौन व्रत भी रखा। विद्वान कहते हैं कि मौन व्रत से हमारा तन, मन और आत्मा शुद्ध होती है और हवन करने से पर्यावरण भी साफ होता है। मौन से हमारी वो ऊर्जा बेवजह बर्बाद होने से बचती है जो हम बेकार और फालतू बातों के लिए बर्बाद करते हैं।

- पंकज पटेल, भाटापारा

ट्रेंड

यूएई से मज़बूत दोस्ती

अपने भाई, यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट गया। उनकी यह यात्रा दिखाती है कि वह भारत-यूएई की मज़बूत दोस्ती को कितनी अहमियत देते हैं। हमारी बातचीत का इंतज़ार है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पार्वती गिरी को नमन

महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी पार्वती गिरी जी की 100वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अल्पायु में ही भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़कर मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए अहम भूमिका निभाई थी। पार्वती जी का त्याग-राष्ट्रप्रेम प्रेरणास्रोत है।

-अमित शाह, गृहमंत्री

संघर्ष करते तो बनते महान

देशभर में ऐसे लोगों को देखते हैं जो किसी बात पर विश्वास तो करते हैं, लेकिन कहने का साहस नहीं रखते लेकिन महान राष्ट्र चुप्पी से नहीं बनते। जब वे विचार खुलकर रखते हैं उसके लिए संघर्ष करते हैं तब व महान बनते हैं। - राहुल गांधी. कांग्रेस सांसद

हार्दिक शुभकामनाएं

कोकबोरोक दिवस के अवसर पर त्रिपुरा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह विशेष अवसर कोकबोरोक का जश्न मनाता है - यह एक प्राचीन, सांस्कृतिक रूप से जीवंत स्वदेशी भाषा है जो सदियों से बोली जाती रही है, और यह भारत की विविधता और साझा मूल्यों की समृद्धि को उजागर करती है।-

- मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

करंट अफेयर

एआई बॉट चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं

दुनिया के पहले सोशल मीडिया आधारित 'वॉरगेम' से यह खुलासा हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित बॉट न केवल बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैला सकते हैं, बल्कि संगठित तरीके से चुनावी नतीजों को भी प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। यह बात ऐसे समय में सामने आयी है, जब वैश्विक स्तर पर सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और डीपफेक सामग्री को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। एआई बॉट एआई पर आधारित सॉफ्टवेयर प्रोग्राम होता है, जो इंसानों की तरह बातचीत करने, सवालों के जवाब देने और काम करने में सक्षम होता है। रिपोर्ट में 14 दिसंबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले का उल्लेख किया गया है, जिसमें 15 नागरिकों और एक हमलावर की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद, जब देश सदमे में था, सोशल मीडिया पर एआई की मदद से तैयार की गई भ्रामक सामग्री तेजी से फैलने लगी। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिंस का छेड़छाड़ करके तैयार किया गया एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि हमलावरों में से एक भारतीय नागरिक था। इसके अलावा, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक कथित 'नायक' का महिमामंडन किया गया।

ऑफ बीट

महासागर पहले कभी हरे रंग के हुआ करते थे

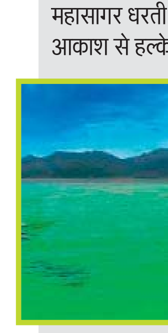

महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे। प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनके रसायन विज्ञान और प्रकाश संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के स्नातक छात्र के रूप में, मुझे ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक प्रकार के 'चट्टानी जमाव' के महत्व के बारे में पढ़ाया गया था। 'बैंडेड आयरन' संरचना का जमाव आर्कियन और पैलियोप्रोटेरोजोइक युग में लगभग 3 .8 से 1 .8 अरब साल पहले हुआ था। उस समय जीवन महासागरों में एक कोशिका वाले जीवों तक ही सीमित था। महाद्वीप ग्रे, भूरे और काले रंग की चट्टानों और जमा तलछटों का एक बंजर परिदृश्य था। महाद्वीपीय चट्टानों पर गिरने वाली बारिश की बूंदों से उसमें विद्यमान लोहा घुलकर नदियों के जरिये महासागरों में पहुंच गया। लोहे के अन्य स्रोत समुद्र तल पर ज्वालामुखी थे। यह लोहा (आयरन) बाद में महत्वपूर्ण हो गया होगा।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

भारतीय राजनीति के क्षितिज पर सोमवार की सुबह एक नई इबारत लेकर आई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा ने अपनी कमान एक ऐसे व्यक्तित्व को सौंपी है जो न केवल संगठन की रग-रग से वाकिफ है, बल्कि आधुनिक भारत की युवा आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व भी करता है। नितिन नबीन का भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुना जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पार्टी अब 'अनुभव की नींव' पर 'युवाओं की मंजिल' तैयार करने के मिशन पर निकल पड़ी है। नबीन कितने अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे इसका जवाब इस साल 5 राज्यों के विस चुनाव के परिणामों में मिलेगा। प्रस्तुत है हरिभूमि की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट।

युवा नेतृत्व का 'उदय'

भाजपा के नवागत अध्यक्ष नितिन नबीन की नियुक्ति भाजपा के भीतर एक बड़े 'जेनरेशन शिफ्ट' का प्रतीक माना जा रहा है। उनके नेतृत्व में भाजपा अब उन मतदाताओं से सीधे जुड़ने की तैयारी में है, जिनकी आयु 35 वर्ष से कम है। नबीन के अध्यक्ष बनने के बाद भाजपा की नई केंद्रीय टीम में अधिकांश चेहरे 55 वर्ष से कम आयु के होने की पूरी संभावना है। यह ऊर्जा पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा रण के लिए और अधिक गतिशील बनाएगी। वे एक ऐसे नेता हैं जो तकनीक और डेटा के महत्व को समझते हैं। उनके 'राज' में भाजपा का प्रचार तंत्र और अधिक डिजिटल और एआई आधारित होने की उम्मीद है। संघ की पृष्ठभूमि और प्रखर हिंदुत्व की सोच रखने वाले नबीन, भाजपा के वैचारिक आधार को और मजबूत करेंगे, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल सातवें आसमान पर पहुंच सकता है। उनके कार्यकाल की पहली परीक्षा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल,असम और पुद्दूचेरी राज्यों के विधानसभा चुनावों में होगी। विशेष रूप से दक्षिण भारत में कमल खिलाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, महिला आरक्षण का क्रियान्वयन और परिसीमन जैसे जटिल मुद्दों पर पार्टी को एकजुट रखना उनके नेतृत्व की असली परीक्षा लेगा।

मां ने खुद चुनाव में उतरने की जगह दी कमान

2005 में पटना पश्चिम सीट से विधायक रहे नवीन सिन्हा का निधन दिल्ली में हो गया था। उस वक्त नितिन महज 26 साल के थे। भाजपा ने नितिन नवीन को अपने पिता की विरासत संभालेंगे के लिए कहा। लेकिन, शुरू में नितिन नहीं मानें। उनकी मां मीरा सिन्हा ने उन्हें समझाया तो वह मान गए। नितिन चुनावी मैदान में पटना पश्चिम उतरे। उपचुनाव में वह पहली बार जीते। इसके बाद से जो जीत का सिलसिला शुरू हुआ, वह जारी है।

पैराशूटर नहीं ग्रास रूटर हैं नबीन

नितिन नबीन का उदय किसी 'पैराशूट लैंडिंग' का परिणाम नहीं है। 45 वर्षीय नबीन का राजनीतिक सफर संघर्ष और धैर्य की मिसाल है। 2006 में अपने पिता, दिग्गज नेता नवीन किशोर सिन्हा के निधन के बाद राजनीति में आए नितिन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पटना की बांकीपुर सीट से लगातार पांच बार विधायक बनना उनकी लोकप्रियता का प्रमाण है। उन्होंने छात्र राजनीति (एबीवीपी) और युवा मोर्चा में तपकर संगठन की बारीकियों को सीखा। छत्तीसगढ़ और सिक्किम जैसे राज्यों में प्रभारी के रूप में उनकी चुनावी सफलता ने यह साबित कर दिया कि वे केवल बिहार के नेता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के कुशल रणनीतिकार हैं।

नाम नितिन नवीन, लेकिन अंग्रेजी में Nitin Nabin चलन में की

चुनाव आयोग के शपथ पत्र में भी वह अपना नाम हिंदी में नितिन नवीन लिखते हैं। हस्ताक्षर में भी स्पष्ट तौर पर हिंदी का ही नाम नितिन नवीन दिखता है। अंग्रेजी में हर जगह Nitin Nabin लिखा गया है। हर सोशल मीडिया खाते से लेकर ईमेल आईडी तक में यही लिखा है। इसलिए, अंग्रेजी में नितिन नबीन और हिंदी में वह नितिन नवीन हैं। पिता के नाम के हिसाब से उन्हें नितिन नवीन ही कहा जाता है। उनके पिता को देसज में लोग नबीन बाबू कहते थे, इसलिए नितिन को भी कई लोग नितिन नबीन कह देते हैं,हालांकि उनका नाम नितिन नवीन ही प्रचलित है।

पिता मंत्री बनते-बनते रह गए बेटा 3 बार मंत्री बना

2005 में पिता नवीन किशोर सिन्हा भाजपा विधायक के रूप में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के उप मुख्यमंत्री नहीं तो मंत्री जरूर बनते, लेकिन इससे पहले दिल्ली से उनकी मौत की खबर आई। इससे नितिन की पढ़ाई-तैयारी जहां की तहां रह गई। अगले साल उनकी सीट पर उप चुनाव हुआ तो नितिन विधायक बने। विधायक के रूप में नितिन नवीन पटना पश्चिमी क्षेत्र (अब, बांकीपुर विधानसभा) की पहचान बने। उप चुनाव में जीते और फिर हमेशा बड़े अंतर से जीतते ही रहे। केंद्र में भी जब भाजपा की सरकार बन गई तो नितिन नवीन का राजनीतिक रूप बढ़ा। विजन की स्पष्टता और कार्यकर्ताओं के बीच पकड़ को समझते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। 2016 से 2019 तक भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यकर्ताओं का नेटवर्क खड़ा करना नितिन नवीन के लिए फायदेमंद साबित हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में पहचान बनी तो दूसरे राज्य की तरफ भी भाजपा ने उन्हें भेजा। 2019 में सिक्कम का संगठन प्रभारी के रूप में और फिर जुलाई 2024 से छत्तीसगढ़ में नितिन नवीन ने संगठन के लिए जो काम किया और जैसी सक्रियता दिखाई, उसे स्वीकारने का प्रमाण है यह ताजा फैसला।

नए अध्यक्ष की 3 बड़ी खूबियां

1

राष्ट्रीय नेतृत्व में ऐतिहासिक कदम
नितिन 45 वर्ष की आयु में भाजपा के इतिहास के इतिहास में सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। इससे देश के युवाओं को भरोसे में लेना आसान होगा। और ये हुनर नितिन नबीन के के पास है।

2

चुनावी राजनीति में 'अपराजित' रिकॉर्ड
लगातार 5 बार विधायकः नितिन नबीन 2006 (उपचुनाव), 2010, 2015, 2020 और हाल ही में 2025 में पटना की बांकीपुर सीट (पहले पटना पश्चिम) से लगातार पांचवीं बार विधायक चुने गए हैं।

3

कुशल संगठनकर्ता
उन्होंने छत्तीसगढ़ में भाजपा के प्रभारी के रूप में काम किया, जहां 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की बड़ी जीत में उनकी रणनीतिक भूमिका रही। पूर्वोत्तर राज्यों में भी उन्होंने भाजपा के संगठन को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

भाजपा के केंद्रीय संगठन में एक बड़े जेनरेशन शिफ्ट के संकेत

सांगठनिक जिम्मेदारी में युवा चेहरे

तेजस्वी सूर्या: दक्षिण भारत में पार्टी का विस्तार करने और युवाओं को जोड़ने के लिए उन्हें राष्ट्रीय महासचिव या किसी बड़े राज्य का प्रभारी बनाया जा सकता है।

अन्नामलाई (तमिलनाडु): तमिलनाडु में भाजपा का आधार बढ़ाने के उनके प्रयासों को देखते हुए, उन्हें केंद्रीय टीम में महत्वपूर्ण नीति-निर्धारक भूमिका दी जा सकती है।

बंसुरी स्वराज: अपनी तर्कशक्ति और साफ-सुथरी छवि के कारण उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता के साथ-साथ संगठन में सचिव पद की जिम्मेदारी मिल सकती है। नितिन नबीन ने छत्तीसगढ़ में जिन नेताओं के साथ मिलकर जीत दर्ज की थी, उनमें से कुछ भरोसेमंद चेहरों को वे दिल्ली (राष्ट्रीय मुख्यालय) बुला सकते हैं ताकि देश भर में बूथ मैनेजमेंट को मजबूत किया जा सके।

क्षेत्रीय संतुलन: नितिन नबीन की टीम में भारत के हर कोने को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश होगी। जिसमें पूर्वोत्तर सेः संबित पात्रा को और बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, या असम/मणिपुर से किसी नए चेहरे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। पश्चिम भारत से महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ युवा विधायकों को राष्ट्रीय सचिव के तौर पर प्रमोट किया जा सकता है ताकि आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी हो सके।

तकनीकी और डेटा टीम: ऐसे विशेषज्ञों की भरमार होगी जो एआई और डेटा एनालिटिक्स के जरिए चुनाव लड़ने में माहिर हों।

भाजपा को फायदा मिलने की 5 वजह

1. युवा वोट बैंक से जुड़ाव
2. पूर्वी भारत और बिहार में मजबूती
3. कठिन चुनावी क्षेत्रों में 'स्पेशलिस्ट'
4. संगठन और सरकार में बेहतर तालमेल
5. क्रेडिबिलिटी (विश्वसनीयता)

भाजपा को अध्यक्षों ने अपने अपने हिसाब से दी दिशा और बदलती गई तस्वीर

पहले अध्यक्ष बने अटल के नेतृत्व में 2 सीटें जीतीं, फिर अडवाणी ने बागडोर संभाली थी

- **भाजपा में लंबे समय तक चला अध्यक्ष बदलने का दौर**
- **बदलाव किया-कोई भी सदस्य एक बार से ज्यादा अध्यक्ष रह सकता है, लेकिन लगातार नहीं**

भाजपा के अस्तित्व में आने के साथ ही इसके संस्थापक अटल बिहारी वाजपेयी पार्टी के पहले अध्यक्ष बने थे। 1980 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा और उसे सिर्फ दो ही सीटें मिलीं। हालांकि, भाजपा के लगातार बढ़ते जनाधार की वजह से 1985 में भाजपा को काडर आधारित पार्टी घोषित कर दिया गया और 1986 में इसका नया अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी को बनाया गया। लालकृष्ण आडवाणी ने इसके बाद भाजपा की दिशा हिंदुत्व और रामजन्मभूमि आंदोलन की तरफ मोड़ दी। 1989 की भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया गया। लालकृष्ण आडवाणी ने लगातार दो बार भाजपा का अध्यक्ष पद संभाला। इसके बाद भाजपा के अधिकतर प्रमुख एकमत से जरूर चुने गए, लेकिन सभी ने एक ही कार्यकाल संभाला। आडवाणी के बाद भाजपा अध्यक्ष बने मुरली मनोहर जोशी, जना कृष्णमूर्ति, एम. वेंकैया नायडू, बंगारू लक्ष्मण, कुशाभाऊ ठाकरे जैसे नेता शामिल रहे, जो कि आरएसएस से गहराई से जुड़े थे और राजनीतिक तौर पर बाद में भाजपा में उभरे। इनमें से सिर्फ मुरली मनोहर जोशी और कुशाभाऊ ठाकरे ने ही अपना कार्यकाल पूरा किया। खास बात यह रही कि बंगारू लक्ष्मण के भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में उलझने के बाद पार्टी ने पहली बार जना कृष्णमूर्ति को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया। उन्हें कुछ ही दिन में पूर्ण अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया। 2003 में भाजपा ने अपने संविधान में बदलाव किया और अध्यक्ष पद के लिए लगातार दो बार की सीमा तय कर दी। इसमें साफ किया गया कि कोई भी सदस्य एक बार से ज्यादा अध्यक्ष रह सकता है, लेकिन लगातार नहीं। इसके चलते जब 2004 में भाजपा की लोकसभा चुनाव में हार हुई तो वेंकैया नायडू ने इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए भाजपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

भाजपा ने आडवाणी के नेतृत्व में लड़ा था 2009 का आम चुनाव

हालांकि, आडवाणी का तीसरा कार्यकाल लंबा नहीं चला और पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना को धर्मनिरपेक्ष बताने के बाद उन्हें भाजपा अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए कहा गया। उनके बाद राजनाथ सिंह भाजपा अध्यक्ष बने। 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद राजनाथ सिंह ने अध्यक्ष पद छोड़ दिया। यह पद इसके बाद नितिन गडकरी को गया। संगठन में उनके मजबूत प्रदर्शन को देखा।

अब तक के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अध्यक्ष का नाम	कार्यकाल
अटल बिहारी वाजपेयी	1980 – 1986
लालकृष्ण आडवाणी	1986 – 1990
डॉ. मुरली मनोहर जोशी	1991 – 1993
लालकृष्ण आडवाणी (दूसरी बार)	1993 – 1998
कुशाभाऊ ठाकरे	1998 – 2000
बंगारू लक्ष्मण	2000 – 2001
के. जना कृष्णमूर्ति	2001 – 2002
एम. वेंकैया नायडू	2002 – 2004
लालकृष्ण आडवाणी (तीसरी बार)	2004 – 2005
राजनाथ सिंह	2005 – 2009
नितिन गडकरी	2010 – 2013
राजनाथ सिंह (दूसरी बार)	2013 – 2014
अमित शाह	2014 – 2020
जगत प्रकाश नड्डा	2020 – 2026

अध्यक्ष के रूप में 3 बड़ी चुनौतियां

2026 के विधानसभा चुनाव

1 बंगाल में ममता बेनर्जी के गढ़ को भेदना और दक्षिण भारत (तमिलनाडु व केरल) में पार्टी का विस्तार करना उनकी पहली बड़ी अग्निपरीक्षा होगी।

पीढ़ीगत बदलाव

2 पार्टी में वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और युवाओं के जोश के बीच संतुलन बनाए रखना उनके लिए एक नाजुक काम हो सकता है।

2029 का रोडमैप

3 विकसित भारत के संकल्प के साथ 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए एक अभेद्य किला तैयार करना दीर्घकालिक लक्ष्य है।

संकल्प से समाधान शिविर बने सुशासन का माध्यम

नगर निगम ने रचा आवेदन निराकरण का रिकॉर्ड

जबलपुर।

सुशासन और समृद्ध मध्यप्रदेश की परिकल्पना को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित 'संकल्प से समाधान' अभियान आमजन के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप नगर निगम जबलपुर द्वारा अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए संभागवार और वार्डवार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है।

नगर निगम ने इस अभियान के तहत आवेदन प्राप्ति और निराकरण में नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के अनुसार अब तक शासकीय योजनाओं के लिए 4822 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से 3467 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान कर हितग्राहियों को लाभांवित किया जा चुका है। शेष आवेदनों पर भी तेजी से कार्रवाई जारी है।

सत्कार के साथ समाधान की पहल

शिविरों में केवल आवेदन ही नहीं लिए जा रहे, बल्कि हितग्राहियों के सम्मान और सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार एवं शासकीय योजना विभाग की प्रभारी उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन ने बताया कि शिविर स्थलों पर बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियां, छायादार व्यवस्था और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वार्ड स्तर पर ही मिल रहा योजनाओं का लाभ

निगमायुक्त ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इसी सोच के तहत संभाग के साथ-साथ वार्ड स्तर पर भी शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि हितग्राहियों को अपने क्षेत्र में ही योजनाओं का लाभ मिल सके।

इन प्रमुख योजनाओं के लिए मिल रहा लाभ

'संकल्प से समाधान' शिविरों के माध्यम से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था, विधवा एवं निःशक्त पेंशन, समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह सहायता, मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता, राष्ट्रीय परिवार सहायता, दिव्यांग सहायता अनुदान, मुख्यमंत्री अविवाहित पेंशन, निःशक्त विवाह प्रोत्साहन, पीएम स्वनिधि, ट्रेड लाइसेंस, नवीन नल व सीवर कनेक्शन, भवन अनुज्ञा, नामांतरण, फायर एनओसी, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, अनुग्रह सहायता योजना सहित भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल से जुड़ी योजनाओं के आवेदन लिए जा रहे हैं। परीक्षण के बाद कई प्रकरणों में मौके पर ही स्वीकृति प्रदान की जा रही है।

लोधी महासभा के परिचय सम्मेलन में 500 युवक-युवतियों ने दिया परिचय

जबलपुर। जिला लोधी महासभा एवं ग्रामीण इकाई द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार 18 जनवरी 2026 को युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह का भव्य आयोजन आर्या मैरिज गार्डन, तेवर-भेड़ाघाट रोड में किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से समाज के बंधुओं ने सहभागिता की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र लोधी रहे। विशिष्ट अतिथियों में बरगी विधायक नीरज ठाकुर, पूर्व जनपद अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध प्रदेश उपाध्यक्ष संजय पटेल, जिला पंचायत सदस्य अभय प्रताप सिंह, भाव सिंह ठाकुर, अरविंद ठाकुर, एसटी कमिश्नर लोकेश लिल्लारे, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अध्यक्षता पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह ने की।

मुख्य अतिथि मंत्री धर्मेन्द्र लोधी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की उन्नति और एकता के लिए ऐसे आयोजन आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि रानी अवंति बाई लोधी के आदर्श समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मृत्यु भोज जैसी सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाना तथा युवक-युवतियों को वैवाहिक मंच प्रदान कर सामाजिक एकता को मजबूत करना है। सम्मेलन में हैदराबाद सहित विभिन्न जिलों से आए लगभग 500 युवक-युवतियों ने मंच से अपना परिचय दिया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल, अध्यक्ष एस.एस. राजपूत, ग्रामीण अध्यक्ष एड. शिवकुमार पटेल, संयोजक एड. एम.के. सुलाखे सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में हुआ गोद भराई का आयोजन

जबलपुर। जबलपुर प्रतिवर्ष अनुसार इस 11वें वर्ष में मंगलामुखी समाज की प्रमुख हीरा दीदी, केट शर्मा दीदी, पूजा दीदी, कामिनी दीदी ने शादी उपरांत मातृत्व की प्राप्ति नहीं होने वाली माता बहनों की गोद भराई एवं चावल सिक्का देकर सभी सुहागानों को आशीर्वाद दिया। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में सुहागाले के बाद सभी माता बहनों भोजन भंडारे की व्यवस्था थी। इस अवसर पर श्रीमती सावित्री देवी अग्रवाल ने सभी को गुड़ चना पान एवं सुहागिनों का सामान दिया।

मीडिया फैमिली ने मनाया न्यू भेड़ाघाट में पारिवारिक मिलन उत्सव

जबलपुर। विगत दिवस मीडिया फैमिली द्वारा न्यू भेड़ाघाट में पारिवारिक मिलन उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर मनोरंजक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें महिला एवं पुरुष सदस्यों ने अंताक्षरी, गीत-संगीत तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों में उत्साह और आपसी सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। पारिवारिक मिलन उत्सव ने आपसी मेलजोल और सामाजिक जुड़ाव को और मजबूत किया।

इस अवसर पर मीडिया फैमिली की अलका संजीव गुप्ता, कल्पना कौशलेन्द्र महाजन, दीपाली दीपक गुप्ता, प्रीति के. कृष्ण दुबे, रीता संजय गुप्ता, प्रीति अजय नामदेव, रीना राहुल सक्सेना, दिया दिव्या गुप्ता एवं रियांशी सक्सेना सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने उत्सव का आनंद लिया।

दो दिवसीय मां बगलामुखी 26वॉ पाटोत्सव आज से

जबलपुर। श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मैं ब्रह्मलीन स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य स्वरूपानन्द सरस्वती महाराज द्वारा स्थापित भगवती पीतांबरा मां बगलामुखी माता का दो दिवसीय भव्य-दिव्य 26 वां पाटोत्सव ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द महाराज एवं ब्रह्मचारी चैतन्यानन्द महाराज के सान्निध्य में मनाया जा रहा है। भगवती पीतांबरा मॉ बगलामुखी माता के भव्य-दिव्य पाटोत्सव के क्रम में माघ शुक्ल द्वितीया दिनांक 20 जनवरी मंगलवार, को प्रातःकाल मंगलाआरती के बाद सर्वप्रथम माँ भगवती का श्रृंगार, पूजन एवं कमल के पुष्पों से भगवती का सहस्त्रार्चन किया जाएगा। तत्पश्चात मध्यान्ह 12:00 बजें भगवती की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। उसके उपरान्त मॉ पीतांबरा का महाप्रसाद(भण्डारा) वितरित किया जाएगा। रात्रि में मॉ भगवती पीतांबरा बगलामुखी माता जी के सहस्त्र नामों से लड्डुओं एवं द्राक्षा से सहस्त्रार्चन,विशेष पूजन एवं पंच-महाआरती रात्रि 7:00 बजे की जाएगी। तत्पश्चात रात्रि 8:00 बजे से मॉ बगलामुखी माता की भजन संध्या होगी।शोभा यात्रा माँ बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर, से प्रारंभ होकर मालवीय चौक सुपर मार्केट लाडगंज थाना घमंडी चौक बड़ा फुहारा कमानिया गेट अंधेरदेव तुलाराम चौक करमचंद चौक श्री राम मंदिर सिविक सेंटर होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में समापन होगा।

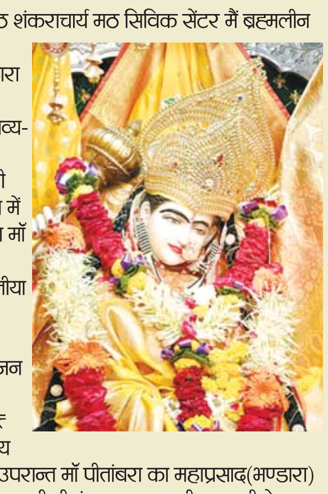

सुरप्रभा संगीत महाविद्यालय के संयोजन में हुई संगोष्ठी

जबलपुर। सुरप्रभा संगीत महाविद्यालय के संयोजन में जबलपुर शहर के समस्त संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों की संगोष्ठी का आयोजन नवनिर्मित गीता भवन में किया गया, जिसकी अध्यक्षता राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर की कुलगुरु प्रोफेसर स्मिता सहस्त्रबुद्धे द्वारा की गई। कुलगुरु महोदया ने सभी संगीत एवं कला महाविद्यालयों की समस्याओं को सुना एवं उनके समाधान का आश्वासन भी प्रदान किया। इस अवसर पर कुलगुरु का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मृदुला चौरसिया द्वारा किया गया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार दुबे ने विश्वविद्यालय के वर्तमान कालखंड को स्वर्ण युग से संबोधित कर माननीय कुलगुरु का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में जबलपुर के विभिन्न संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों की ओर से अनिल मोघे, उपासना उपाध्याय, आशीष रस्तोगी, मनीष कोष्टी, शैलजा सुल्लेरे, दीपा अग्रवाल, भैरवी विश्वरूप, पंकज कायंदे, आयुष म्हारा, प्रद्युम्न कायंदे, प्रणव भट्ट, बृजमोहन आर्य इत्यादि लोग मौजूद रहे।

कर्म का विज्ञान सफलता का सही मार्गः मुनिश्री प्रमाणसागर महाराज

जबलपुर।

डी.एन. जैन महाविद्यालय परिसर में आयोजित विशेष पांडाल में मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने "कर्म का विज्ञान सफलता का सही मार्ग" विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि भाव ही आधार है और विचार उसकी अभिव्यक्ति है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्म कोई दैवी दंड या रहस्य नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जो हमारे समग्र जीवन को संचालित करती है। मुनि श्री ने कहा कि सभी लोग सफलता चाहते हैं, लेकिन सही कारण और सही प्रयास के बिना सफलता संभव नहीं है। जैसे बबूल बोकर आम की अपेक्षा नहीं की जा सकती, वैसे ही गलत भाव और विचार से सही फल नहीं मिल सकता। उन्होंने कर्म सिद्धांत को मोबाइल के उदाहरण से समझाते हुए कहा कि जैसा डेटा (भाव) भरा जाएगा, वैसा ही आउटपुट (जीवन) मिलेगा। उन्होंने बताया कि क्रोध, मान, माया और लोभ से कभी शांति, स्थिरता या संतोष नहीं मिल सकता। अपने भाग्य या परिस्थितियों को दोष देने के बजाय अपनी प्रवृत्तियों को बदलना ही समाधान है। मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान हमारे अतीत का परिणाम है और आज का आचरण हमारा भविष्य बनाता है।

मुनि श्री ने मिथ्यात्व और सम्यक्त्व को समझाते हुए कहा कि जीवन की वास्तविकता को पहचानना ही सम्यक्त्व है। उन्होंने यह भी कहा कि सच्ची सफलता धन, पद या प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में मन की प्रसन्नता और संतोष में है। इस अवसर पर मुनि श्री संधानसागर महाराज एवं संघस्थ क्षुल्लक मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन अभय भैया आदित्य एवं अमित पड़रिया ने किया। मुनिसंघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं सुबोध कामरेड ने जानकारी दी कि प्रतिदिन प्रातः 8:45 से प्रवचन एवं दोपहर 2:45 से शंका समाधान कार्यक्रम संपन्न हो रहा है। मुनि श्री द्वारा 25 जनवरी को पं. रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, राइट टाउन में प्रातः 8 से 10 बजे तक भावनायोग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। दिगंबर जैन युवा महासंघ एवं सकल दिगंबर जैन समाज ने अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की है।

स्कॉटलैंड की भाषण प्रतियोगिता में शायेशा शर्मा को दूसरा स्थान

जबलपुर।

जबलपुर निवासी समाजसेवी सुबोध जैन की 8 वर्षीय नातिन शायेशा शर्मा ने स्कॉटलैंड में आयोजित भारतीय समुदाय की भाषण प्रतियोगिता में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। शायेशा ने कुंभ मेला विषय पर हिंदी में प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने भाषण में शायेशा ने कुंभ मेले से जुड़ी पौराणिक कथाओं के साथ उसके धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को सरल और प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया। कम उम्र में हिंदी भाषा पर उनकी मजबूत पकड़ और भारतीय संस्कृति की गहरी समझ ने निर्णायकों एवं उपस्थितजनों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS VIJAY LUXMI SONI AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS ZEENAT KHAN W/O ASLAM KHAN RESIDENT OF- 2/5/1, KACHPURA BHULAN BASTI JABALPUR (M.P.) 483001

न्यायालय- 21वें व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जबलपुर म.प्र.

निष्पादन प्रकरण कं. 74ए/ 2026

आज्ञा दिनांक 07.01.2026

पेशी दिनांक 22.01.2026

पक्षकार का नाम-शांति बाई **विरुद्ध**

वासुदेव कर्माकर, पिता स्व. श्री गौरीशंकर कर्माकर, उम्र लगभग 33 वर्ष, व्यवसाय/धंधा, निवासी मकान नं. 239, विश्वनाथ ज्वेलर्स, रसीदगंज मस्जिद के सामने, सिटी कॉफी हाउस रोड,जबलपुर, म.प्र. निवासी-187 जयप्रकाश नारायण वार्ड, मढ़ाताल, जबलपुर म.प्र.

वासुदेव कर्माकर को सूचित किया जाता है कि वादग्रस्त दुकान मकान नंबर 239 पुराना 863 मढ़ाताल, रसीदगंज मस्जिद के सामने सिटी कॉफी हाउस रोड, जबलपुर स्थित दुकान नंबर 3 विश्वनाथ ज्वेलर्स के मालिक वासुदेव कर्माकर, पिता स्व. श्री गौरीशंकर कर्माकर के स्वामित्व के सामान सूची अनुसार जो उक्त दुकान से प्राप्त हुए हैं, उनका प्रकरण क्रं. आरसीएसए नं. 979 / 2015 में पारित डिकी दिनांक 06.05. 2025 के पालन में किराया राशि लगभग 2 लाख रूपए वसूली हेतु विक्रय किया जाना है। इसके संबंध में यदि कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में अपनी आपत्ति दर्ज कराए, अन्यथा सूची में उल्लेखित सामग्री का विक्रय किया जाकर उससे प्राप्त होने वाली राशि को किराए के एवज में डिकीदार शांति बाई द्वारा विधिक प्रतिनिधि मुकेश जैन को दिया जाना संभावित है। सूची- (1) लोहे की डाई-50 कि. ग्राम (2) खाली प्लास्टिक की डिब्बी, 1 बोरी में बंद (3) छोटी पेटी में 50 रूपए फटा नोट खुली हुई चाबी सहित (4) 1 बोरी में प्लास्टिक के कंगन भरी हुई (5) लोहे के औजार पुराने (6) 3 मशीन तार खींचने वाली (7) एक सोफा तीन सीटर पुराना (8) तीन लकड़ी के छोटे बड़े काउंटर (9) एक गैस सिलेन्डर कमर्शियल इंडेन (10) पुराने 1 पंखा दो छोटे-3 नग (11) कैमरा 2 (12) छोटा फ्रिज बंद एक पुराना (13) इलेक्ट्रॉनिक घड़ी एवं फोटो

टीप - किसी कारणवश अवकाश घोषित होने से आगामी कार्य दिवस को सुनवाई में लिया जावेंगा।

(शील) **(राहुल छत्री)**

21वें व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जबलपुर म.प्र.

झूठे प्रकरणों में फंसाने के आरोप, पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर।

सिंघई कॉलोनी, दीक्षितपुरा निवासी ममता ठाकुर ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कांग्रेस पार्षद हर्षित यादव एवं थाना कोतवाली पुलिस पर झूठी शिकायतों के माध्यम से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। ज्ञापन में ममता ठाकुर ने बताया कि उनके पति नरेश ठाकुर गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं और उनका इलाज नागपुर में चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में राजनीतिक दबाव में उनके पति को झूठे प्रकरण में फंसाया गया था, जिसके बाद से उन्होंने दो वर्ष पूर्व सट्टे से संबंधित किसी भी गतिविधि को पूरी तरह बंद कर दिया है और वर्तमान में गंजीपुरा में कपड़े की छोटी दुकान चला रहे हैं। आवेदिका का आरोप है कि पिछले चुनाव में उनके पति द्वारा भाजपा प्रत्याशी का सहयोग किए जाने के कारण वार्ड के कांग्रेस पार्षद द्वारा ईर्ष्यावश लगातार झूठी शिकायतें की जा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोतवाली पुलिस द्वारा बार-बार घर आकर देर रात तक परेशान किया जाता है तथा परिवार के सदस्यों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। ममता ठाकुर ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर परिवार को झूठे प्रकरणों एवं कथित उत्पीड़न से राहत दिलाने की मांग की है।

तमिल संघम ने उत्साहपूर्वक मनाया पोंगल महोत्सव

जबलपुर। तमिल संघम जबलपुर द्वारा 18.1. 26 को पोंगल महोत्सव का कार्यक्रम नेताजी सुभाष चंद्र बोस ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य शिविर रखा गया एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए, समाज के मेधावी छात्रों को पुरस्कार दिया गया, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समाज की बच्चियों द्वारा नृत्य किया गया एवं बाहर से आए कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई जिसने समाज के सभी लोगों का एवं अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंट विधानसभा के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज एवं कायस्थ महासभा से चमन श्रीवास्तव उपस्थित थे।

कविता है जागृति का शब्दकोष

सशक्त हस्ताक्षर का 44वां काव्य महोत्सव संपन्न

जबलपुर। "कविता सामाजिक जागृति का शब्दकोष है, जो समाज की संगति-विसंगति से परिचित कराते हुए जीवन को दिशा प्रदान करती है।" यह विचार सशक्त हस्ताक्षर की 44वीं काव्य गोष्ठी में अतिथियों द्वारा व्यक्त किए गए। भंवरताल गार्डन में प्रकृति की सुषमा के बीच आयोजित इस काव्य महोत्सव में संस्थापक गणेश श्रीवास्तव 'प्यासा' ने अतिथियों एवं कवि-कवयित्रियों का स्वागत किया। सरस्वती वंदना प्रसिद्ध कवयित्री तरुणा खरे ने प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामहोपाध्याय आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि दीनदयाल तिवारी 'बेताल' ने की। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. संध्या जैन 'श्रुति', अरुण शुक्ल एवं प्रभा बच्चन श्रीवास्तव शामिल रहे। सारस्वत अतिथि राजेश पाठक 'प्रवीण' ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। मंगल भाव आशुतोष तिवारी एवं राजकुमारी राज रैकवार ने व्यक्त किया। काव्य गोष्ठी की शुरुआत कवयित्री शिवानी भगत से हुई। वंदना सोनी ने गीत प्रस्तुति दी। इसके पश्चात अर्चना द्विवेदी गुदालू, प्रभा बच्चन, प्रीति नामदेव, तरुणा खरे, अमरसिंह वर्मा, जी.एल. जैन, लखनलाल रजक, कालीदास ताम्रकार, कुंजीलाल चक्रवर्ती 'निर्झर', मदन श्रीवास्तव, संदीप खरे 'युवराज' एवं श्रीमती कमलादेवी ने अपनी रचनाओं से रसवर्षा की। कार्यक्रम का संचालन गणेश श्रीवास्तव 'प्यासा' ने किया तथा आभार प्रदर्शन गुलजारी जैन ने किया।

गुढ़ियारी के कंट्रोल रूम से ही प्रदेश में किसी भी स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ता की बिजली हो रही है बंद

अब हजार रुपए बकाया पर भी बिजली ऑटो कट, परेशान हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेशभर के छोटे और बड़े बिजली के उपभोक्ताओं पर तीन हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया हो गया है। आमतौर पर बकाएदारों की बिजली कट करने के लिए पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को उपभोक्ताओं के घरों तक जाना पड़ता है। ऐसे में बिजली कनेक्शन काटने पर विवाद हो जाता है, लेकिन अब प्रदेशभर में लग रहे स्मार्ट मीटरों के कारण बकाएदारों को स्मार्ट करंट लग रहा है। यानी जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लग गए हैं, उनके कनेक्शन आसानी से राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी से ही कट हो जा रहे हैं।

खास खबर

बकाया वसूलने के लिए पॉवर कंपनी क अलग-अलग शहरों के सेंटरों ने अलग-अलग राशि तय की है। ऐसे में अब तो प्रदेश के कुछ शहरों में हजार रुपए का भी बकाया होने पर बिजली ऑटो कट हो रही है। राजधानी रायपुर में साढ़े तीन हजार रुपए तक के बकाया पर बिजली कट हो रही है। इसको अब दो हजार करने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस समय प्रदेशभर में बिजली के बकाएदारों के खिलाफ अभियान चला रखा है। राजधानी रायपुर से लेकर प्रदेश के हर शहर में बकाएदारों के कनेक्शन कट किए जा रहे हैं। प्रदेशभर में बीस लाख से ज्यादा उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन पर तीन हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया है। 20 हजार या इससे ज्यादा के बकाएदारों की संख्या ही दस लाख के करीब है। इन पर ही करीब ढाई हजार करोड़ का बकाया है। इसी के साथ एक लाख से ज्यादा के बकाएदारों की संख्या छह हजार से ज्यादा है।

कंट्रोल रूम से ही बिजली कट

एक वह समय था, जब किसी भी बिजली के बकाएदार का कनेक्शन कट करने के लिए उनके घरों तक जाना पड़ता था। ऐसे में जब बिजली विभाग के कर्मचारी बिजली कट करने पहुंचते थे तो कई बार विवाद हो जाता था, कई बार तो झगड़ा-लड़ाई तक की नौबत आ चुकी है, लेकिन अब स्मार्ट मीटर लगने के कारण इन विवादों से बचने का रास्ता मिल गया है। प्रदेश में इस समय करीब 60 फीसदी उपभोक्ताओं के मीटर स्मार्ट हो गए हैं। ऐसे में अब बकाएदारों की बिजली कंट्रोल रूम से ही कट की जा रही है।

एक माह का बिल जमा नहीं और बिजली कट

एक समय वह था, जब दो माह से ज्यादा का बकाया होने पर भी बिजली कट नहीं होती थी, वहीं दो माह से ज्यादा का बकाया होने पर घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल हॉफ योजना का लाभ नहीं मिलता था, लेकिन अब तो एक माह का बकाया होने पर ही बिजली कट हो रही है। महामंदिर वार्ड की अर्चना शुक्ला ने बताया, उनके यहां 25 साल में कभी बिजली कट नहीं हुई, लेकिन बीते माह दिसंबर में उनके यहां 20 दिसंबर को बिल आया, 24 दिसंबर तक बिल का भुगतान करना था। पूरा परिवार राजस्थान चला गया था, वहां से 3 जनवरी को लौटे तो बिजली कट हो गई थी। उन्होंने बताया, उनका बिल एक माह का ही महज चार हजार रुपए होने के बाद भी बिजली कट कर दी गई। श्रीमती शुक्ला के मुताबिक, उनके मोहल्ले में कई उपभोक्ताओं की बिजली एक माह का बिल जमा न होने पर ही बिजली कट कर दी गई। इस मामले में पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि एक माह या दो माह का सवाल नहीं है, रायपुर में साढ़े तीन हजार से ज्यादा का बकाया होने पर बिजली कट हो रही है।

कुत्तों का खौफ... थम नहीं रहे डॉग बाइट के मामले

12 महीने में ही सरकारी अस्पतालों में खपे एंटी रेबीज के पौने दो लाख डोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

एनिमल बर्थ कंट्रोल के लिए की जाने वाली कार्रवाई में केवल दावे ही नजर आ रहे हैं। राजधानी समेत प्रदेश की सड़कों में आवारा कुत्तों का अभी भी कब्जा है। पिछले साल यानी वर्ष 2025 में इनका शिकार होने वालों को केवल आंबेडकर अस्पताल में ही पांच हजार एंटी रेबीज वैक्सीन के डोज लगाने पड़े। जबकि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में लगभग पौने दो लाख वैक्सीन डोज की खपत हुई है।

आवारा कुत्तों की संख्या कम करने बधियाकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है, बावजूद इसके ठंड के मौसम कुत्तों के शावक गली-मोहल्ले में नजर आने लगे हैं। राजधानी समेत समूचे राज्य में समुचित अभियान के अभाव में स्ट्रीट डॉग की संख्या कम नहीं हो रही है तो इनका शिकार होने वालों को रेबीज के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रखे जाने वाले एंटी रेबीज वैक्सीन का स्टॉक बढ़ा दिया गया है। सीजीएमएससी द्वारा इस बार इस वैक्सीन की अतिरिक्त खरीदी भी की गई है। बीते वर्ष शहर में भी डॉग बाइट की काफी घटनाएं हुईं और नियमित रूप से लोग रेबीज से बचाव वाला इंजेक्शन लगाने आंबेडकर अस्पताल पहुंचते रहे। आपात चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में यहां करीब 5 हजार एंटी रेबीज की वैक्सीन डॉग बाइट से प्रभावित लोगों को लगाई गई। इतना ही नहीं, राज्य के तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में करीब 1 लाख 73 हजार लोगों को यह इंजेक्शन लगाना पड़ा। इधर श्वान की संख्या नियंत्रित करने चलाया जाने वाला अभियान भी कारगर होता नहीं दिख रहा है। ठंड का मौसम आने के बाद शहर के कई इलाकों में कुत्तों के शावक नजर आने लगे हैं।

सात लोगों के भरोसे अभियान

शहर में भी स्ट्रीट डॉग को नियंत्रित करने सात लोगों के भरोसे अभियान चलाया जा रहा है। इनमें दो वेटनरी डॉक्टर, चार डॉग कैचर और एक ड्राइवर की टीम है। इनके द्वारा रोजाना औसतन 10 डॉग का ऑपरेशन किया जाता है। दूसरी ओर आंकड़ों के अनुसार, केवल शहर में स्ट्रीट डॉग की संख्या 40 से 45 हजार के करीब है।

हो चुकी है मौत भी...

चिकित्सकों के अनुसार डॉग बाइट की घटनाओं को गंभीरता से लेना जरूरी है। इनके काटने अथवा खरोंच लगने पर भी एहतियात के तौर पर एंटी रेबीज की वैक्सीन लगवाना जरूरी है। रेबीज के संक्रमण को रोका जा सकता है, मगर इससे प्रभावित होने पर इलाज होना संभव नहीं है। राज्य में पिछले साल कुते के काटने के बाद इलाज में लापरवाही बरतने की वजह से एक ग्रामीण की सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

एयरटेल ने किया एमपी सीजी में 5जी का विस्तार

इंदौर। भारती एयरटेल ने पिछले 12 महीनों में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 2400 से अधिक नए 5जी साइट्स लगाए गए हैं। इससे ग्राहकों को तेज़ गति, व्यापक कवरेज और नेटवर्क अनुभव में सुधार मिला है। 87 जिलों में कंपनी के इस नेटवर्क विस्तार से अब व्यस्त शहरों, तेजी से विकसित हो रहे कस्बों और यहां तक कि दूरदराज़ के ग्रामीण गांवों में भी 3.6 करोड़ ग्राहकों को भरोसेमंद हाई-स्पीड कवरेज मिल रहा है। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, सागर, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, देवास, कोरबा और राजनांदगांव सहित कई प्रमुख जिलों के ग्राहक इस विस्तारित नेटवर्क से सीधे लाभान्वित होंगे।

क्या है उनाकोटी मंदिर की 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियों का रहस्य

अगरतला। भारत के त्रिपुरा में स्थित उनाकोटी मंदिर को बेहद रहस्यमयी माना जाता है। इस मंदिर में कुल 99 लाख 99 हजार 999 पत्थर की मूर्तियां हैं, जिनके रहस्य से अभी तक पर्दा नहीं उठाया जा सका है। भारत में कई मंदिर हैं, जिन्हें रहस्यमयी माना जाता है। इन मंदिरों के रहस्य से अभी तक पर्दा नहीं उठ पाया है। ऐसा ही एक मंदिर है, जहां कुल 99 लाख 99 हजार 999 पत्थर की मूर्तियां हैं। इस मंदिर के रहस्य को कई विद्वानों ने सुलझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इस मंदिर की 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियां रहस्य है। इन पत्थर की मूर्तियों को किसने बनाया? कब और क्यों बनाई गईं ये मूर्तियां। उनाकोटी मंदिर के बारे में मान्यता है कि एक बार भगवान शिव एक करोड़ देवी-देवताओं के साथ कहीं पर जा रहे थे। सभी देवी-देवता सो गए। सुबह जब भगवान शिव उठे, तो सभी देवी देवता अभी सो ही रहे थे। शिव जी ने क्रोधित होकर श्राप दे दिया और सभी देवी-देवता पत्थर के बन गए। 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियों की यही वजह है। उनाकोटी मंदिर की मूर्तियों को लेकर एक और कहानी प्रचलित है। बताया जाता है कि कालू नाम का एक शिल्पकार था। वह चाहता था कि भगवान शंकर और माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत जाएं। लेकिन, यह नामुमकिन था। शिल्पकार की जिद की वजह से भगवान शंकर ने कहा कि अगर तुमने एक रात में एक करोड़ देवी-देवताओं की मूर्तियां बना दी, तो तुमको साथ लेकर चलेंगे। इसके बाद शिल्पकार पूरी रात तेजी से मूर्तियां बनाईं, लेकिन एक करोड़ में एक मूर्ति कम रह गई। इसकी वजह भगवान शिव शिल्पकार को अपने साथ लेकर नहीं गए। कहा जाता है कि इस वजह से इस स्थान का नाम 'उनाकोटी'है। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से उनाकोटी मंदिर करीब 145 किलोमीटर दूर स्थित है।

ग्रीस में मिला खजाने से भरा हुआ प्राचीन काल का मंदिर

ग्रीस के एविया द्वीप पर पुरातत्वविदों को एक बेहद पुराना और अनजाना ग्रीक मंदिर मिला है। यह सोने-चांदी के गहनों और कीमती चीजों से भरा हुआ है। यह मंदिर करीब 2700 साल पुराना बताया जा रहा है।

एथेंस। ग्रीस में मिले अवशेष बताते हैं कि यह जगह सिर्फ पूजा का नहीं, बल्कि बहुत लंबे समय तक धार्मिक गतिविधियों का केंद्र रही है। ग्रीस के संस्कृति मंत्रालय की जानकारी के अनुसार यह खोज अमरिसिया आर्टेमिस के मशहूर मंदिर के पास हुई है। खुदाई का काम 2023 में पूरा हुआ था। अब इसके नतीजों को सार्वजनिक किया गया है। शोधकर्ताओं की टीम को यहां एक ऐसा मंदिर मिला, जिसकी जानकारी पहले कहीं दर्ज नहीं थी।

बता दें, यह मंदिर ग्रीस के दूसरे सबसे बड़े द्वीप एविया पर मिला है। यह जगह अमरिसिया आर्टेमिस मंदिर के काफी पास है। नया मिला मंदिर लगभग 100 फीट लंबा है, जो उस दौर के ग्रीक मंदिरों के आकार से मेल खाता है। मंदिर की बाहरी दीवारें और पश्चिम दिशा में बना एक मेहराब अब भी साफ दिखाई देता है।

राख से भरे चूल्हे

मंदिर के अंदर कई ऐसे ढांचे मिले हैं जिन्हें आग जलाने और पूजा के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इनमें से एक वेदी घोड़े की नाल जैसी आकार की है, इसे सबसे अलग मानी जा रही है। इन वेदियों में मोटी परत में राख मिली है, जिसमें जली हुई हड्डियां भी पाई गई हैं। इससे साफ होता है कि यहां लंबे समय तक पूजा और बलि दी जाती रही होगी। कुछ वेदियां मंदिर बनने से भी पुरानी हो सकती हैं।

कीमती गहनों का खजाना

खुदाई के दौरान टीम को सिर्फ पूजा से जुड़ी चीजों के साथ, बल्कि काफी कीमती खजाना भी मिला। यहां सोने, चांदी, मूंगा और एंबर से बने गहने मिले हैं। इसके अलावा पूर्वी देशों से आए ताबीज, कांसे और लोहे के सामान भी पाए गए। साथ ही अलबास्टर के बर्तन, एथेंस शैली के फूलदान और स्थानीय पूजा के घड़े भी मिले हैं।यह मंदिर कच्ची ईंटों से बना था। नीचे सूखे पत्थरों की मजबूत नींव डाली गई थी। माना जा रहा है कि उस समय जमीन दलदली थी, इसलिए ऐसी नींव बनाई गई थी। मंदिर के अंदर दीवारों के पास खंभे थे। छत को संभालते थे। शोधकर्ताओं को यहां आग लगने के सबूत भी मिले हैं।

मंदिर से भी पुराने सबूत

मंदिर के सबसे पुराने हिस्सों में छोटी मूर्तियां मिली हैं। इनमें बैल और मेढ़े की आकृतियां हैं। इसके अलावा मायसीनियन दौर का मिट्टी का बना बैल का सिर भी मिला है। जांच में यह भी पता चला है कि इस जगह पर मंदिर बनने से पहले भी इमारतें मौजूद थीं।

पुराने किलेबंदी के निशान

मंदिर वाली पहाड़ी पर आगे की खुदाई में तांबे के शुरुआती दौर की बड़ी दीवारें भी मिली हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये दीवारें किसी प्राचीन बस्ती की सुरक्षा के लिए बनाई गई थीं। इससे साफ होता है कि यह जगह हजारों साल तक इंसानों की गतिविधियों का केंद्र रही है। बता दें कि पुरातत्वविदों का कहना है, खुदाई अभी जारी है और जैसे-जैसे नीचे की परतें खुलेंगी इस जगह के इतिहास से जुड़े और भी बड़े राज सामने आ सकते हैं। भले ही ज्यादातर गहने मिल चुके हों, लेकिन यह स्थल प्राचीन ग्रीक सभ्यता को समझने के लिए बेहद अहम साबित हो रहा है।

1 दिन में 100 जिंदा कीड़े खाता है लड़का, पॉपकॉर्न जैसा स्वाद!

न्यूजर्सी। दुनिया में कई अलग-अलग किस्म की डिशेज खाई जाती हैं। कुछ इतनी स्वादिष्ट और अनोखी होती हैं कि लोग सिर्फ उसे खाने के लिए दूसरे शहर, राज्य या देश तक पहुंच जाते हैं। पर कई इतनी घिनौनी होती हैं कि आपको उनके बारे में सुनकर ही हैरानी होगी। दरअसल, लोग अपने टेस्ट और पसंद के हिसाब से ही खाना खाते हैं। किसी को छोले-चावल खाना पसंद हो सकता है तो किसी को पिज्जामगर एक लड़के को इन सबसे से बेहद अलग किस्म की डिश पसंद है। ये अमेरिकी लड़का बग यानी कीड़े खाता है। वो भी 1 दिन में 100 कीड़े! उसका कहना है कि इन कीड़ों का स्वाद बटर पॉपकॉर्न जैसा होता है। यही नहीं, उसे कीड़ों का जीभ पर रेंगने का एहसास बहुत अच्छा लगता है। एक रिपोर्ट के अनुसार शिकागो के रहने वाले 26 साल के कार्लोस का टेस्ट बड़ा ही अजीब है।

मालिक की हो चुकी मौत, फिर भी कुत्ता हर रोज करता है लौटने का इंतजार

बीजिंग। चीन की एक घटना ने लोगों को हैरान भी किया है और ये साबित भी कर दिया है कि कुत्ते सच में कितने वफादार होते हैं। दरअसल, यहां एक कुत्ता अपने मालिक की मौत से अनजान पिछले कई दिनों से उसका इंतजार कर रहा है। दरअसल, चीन में एक पालतू कुत्ता हफ्तों से अपने मालिक के घर के बाहर उसका इंतजार कर रहा है, क्योंकि उसे पता नहीं है कि उसकी मालिक की मौत हो चुकी है। हैरानी की बात तो ये है कि वो इतने गम में डूबा हुआ है कि ठीक से खाना भी नहीं खाता। इस कुत्ते की वफादारी ने सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीत लिया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुत्ते की मार्मिक कहानी की तुलना साल 2009 में आई फिल्म 'हाचीः ए डॉग्स टेल'से की गई है, जो जो 1920 के दशक में घटी जापान की एक सच्ची घटना से प्रेरित है। फिल्म में हाची नाम का कुत्ता अपने मालिक की मौत के बाद 10 साल तक हर दिन रेलवे स्टेशन पर उसका इंतजार करता है, जब तक कि उसकी भी मौत नहीं हो जाती। शंघाई के बाओशान जिले के एक समुदाय में रहने वाला ये कुत्ता अपने आज्ञाकारी स्वभाव और बच्चों या बुजुर्ग लोगों पर भौंकने की आदत के कारण स्थानीय लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है।

आवश्यकता

आवश्यकता है - सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसाई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 (रायपुर/03/फरवरी 25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

राशिफल

मेष — परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क — सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान-सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु — जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान-सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। शासन-सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

शब्द पहेली - 6114

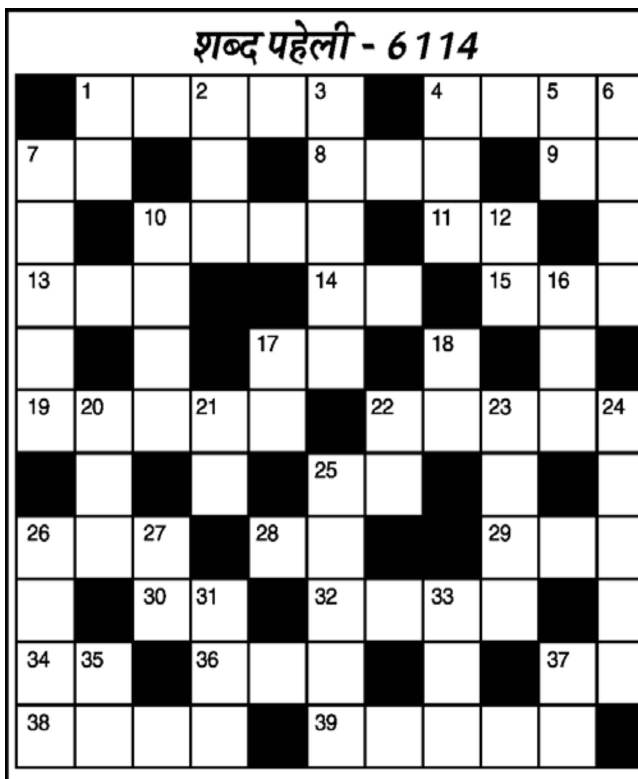

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6113 का हल

सूडोकु नवताल - 6124

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6123 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

हरिभूमि
सहेली

विशेषः गणतंत्र दिवस
वसंत पंचमी, बालिका दिवस

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती हैं, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती हैं। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्रः सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबारः मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता हैः अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव नहीं, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौतीः स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के उपाय खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका

नलिन खोईवाल

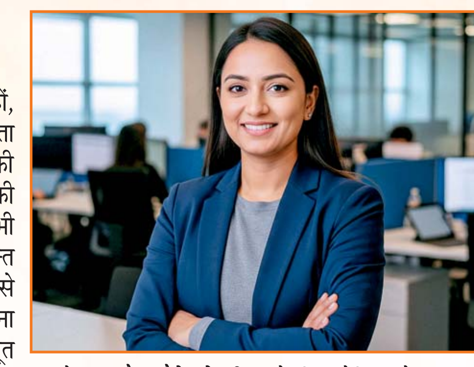

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमताः अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावीः कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भराः एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनेंः आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मकः आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशलः नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता कोः परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावनाः आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्णः आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदुः एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्कः यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

फाइन लाइंस के लिएः अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिएः केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिएः केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिएः आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

नई सोच

चैतन्या

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मानः बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

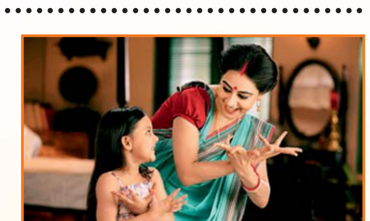

सशक्त बनाता स्नेहः हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियादः असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com

वनडे के बाद भारत के सामने टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड की चुनौती, शेड्यूल पर हेड-टू-हेड नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद भारतीय टीम को इसी टीम के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। टी20 सीरीज 21 से 31 जनवरी तक खेली जानी है। वनडे सीरीज गंवाने के बाद टी20 सीरीज जीतना भारतीय टीम के लिए बड़ी चुनौती है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज विश्व कप से ठीक पहले है।

भारत विश्व कप का सह-मेजबान है। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज जीत भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ाएगी। भारतीय टीम अपनी धरती पर और वो भी टी20 फॉर्मेट में काफी मजबूत है। हालांकि न्यूजीलैंड के प्रदर्शन को देखते हुए उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसलिए टी20 सीरीज के रोमांचक होने की उम्मीद है।

टी20 सीरीज का शेड्यूल

टी20 सीरीज के शेड्यूल पर गौर करें तो पहला मैच 21 जनवरी को नागपुर में, दूसरा मैच 23 जनवरी को रायपुर में, तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी में, चौथा मैच 28 जनवरी को विशाखापत्तनम में और पांचवां मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से खेले जाएंगे।

टीमें इस प्रकार

टीम इंडिया
सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी20 के लिए), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

न्यूजीलैंड
मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कोनवे, बेवन जेकब्स, टिम रॉबिनसन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैक फॉक्स, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, जेकब डफी, काइल जेमीसन, ईश सोढ़ी और मैट हेनरी।

हम पर्याप्त समय तक बल्लेबाजी नहीं कर पाए : गिल

इंदौर। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में पहली हार न केवल आंकड़ों के लिहाज से एक झटका थी, बल्कि इससे एक असहज स्पष्टता भी उजागर हुई और कप्तान शुभमन गिल ने हार के अंतर या कुछ खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी का बहाना नहीं बनाया। श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में भारतीय टीम की पराजय के बाद गिल ने एक ऐसे पैटर्न का खुलासा किया, जिसने उनके शब्दों में, 'दोनों टीमों के बीच अंतर पैदा किया।' गिल ने मैच के बाद कहा, 'ऐसा नहीं है कि हमने खराब बल्लेबाजी की। बात यह थी कि हम पर्याप्त देर तक बल्लेबाजी नहीं कर पाए। जब बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाते तो

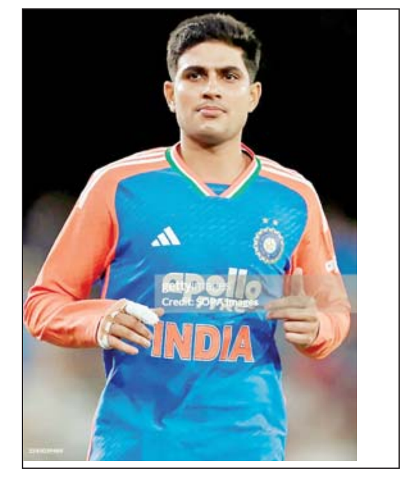

स्थिति बहुत मुश्किल हो जाती है। हमारे कम से कम दो बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी चाहिए थी। यही उनके और हमारे बीच का अंतर रहा।' भारत पूरी श्रृंखला में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाया, जिसमें इंदौर में खेला गया मैच भी शामिल है। शुभमन ने कहा, 'जब भी उनके बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की तो वह बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहे। श्रृंखला में इसी ने मुख्य अंतर पैदा किया। पहले दो मैचों में मैं भी जम गया था, लेकिन मैं उसे 100, 120 या 130 रन में नहीं बदल पाया। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें इसमें सुधार करने की जरूरत है।' रविंद्र जडेजा पिछले कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन गिल ने कहा कि हार के लिए सभी खिलाड़ी जिम्मेदार हैं।

खबर संक्षेप

भगत और कदम ने जीते पैरा बैडमिंटन में स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने काहिरा में मिस्र पैरा बैडमिंटन आमंत्रण टूर्नामेंट 2026 में अपने अपने एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद टीम वर्ग में भी स्वर्ण हासिल किया। भगत ने एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में उमेश विक्रम कुमार को हराकर पीला तमगा हासिल किया। उन्होंने यह मुकाबला 19-21, 21-15, 21-13 से जीता। एसएल 4 पुरुष एकल में सुकांत ने भारत के सूर्यकांत यादव को 27-25, 21-18 से मात दी। दोनों ने पुरुष युगल में उमेश और सूर्यकांत को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

25 जनवरी से पहली कबड्डी चैंपियंस लीग

नई दिल्ली। पहली कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) का आयोजन 25 जनवरी से 7 फरवरी तक हरियाणा स्थित खेल विश्वविद्यालय में किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। केसीएल ने आधिकारिक तौर पर पहले सत्र के लिए मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह प्रतियोगिता 12 दिन तक चलेगी, जिसमें आठ फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इन टीम में सोनीपत स्टार्स, गुरुग्राम गुरुज, हिसार हीरोज, भिवानी बुल्स, रोहतक रॉयल्स, करनाल किंग्स, पानीपत पैंथर्स और फरीदाबाद फाइटर्स शामिल हैं। इस प्रतियोगिता का आयोजन लीग प्रारुप में किया जाएगा, जिसमें सभी टीम एक दूसरे का सामना करेंगी।

2 फरवरी से मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए के ड्रॉ मैच

मुंबई। मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125के सीरीज टेनिस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ के मैच 2 से 8 फरवरी तक महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ के परिसर में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग राउंड के मैच 30 जनवरी से एक फरवरी तक खेले जाएंगे। इसमें एकल और युगल मुकाबले शामिल होंगे। एकल वर्ग में जिन खिलाड़ियों ने खेलने की पुष्टि कर दी है उनमें न्यूजीलैंड की लुलु सन, लातविया की डारजा सेमेनिस्टाजा, ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिररेल, बेल्जियम की हैने वैंडविंकेल, चीनी ताइपे की जोआना गारलैंड और फ्रांस की लियोलिया जेजेन शामिल हैं। पिछले साल की उपविजेता थाईलैंड की मनंचया सवांगकाव भी इसमें भाग लेंगी। भारतीय खिलाड़ियों के नाम बाद में वाइल्ड कार्ड के जरिए मुख्य ड्रॉ की सूची में शामिल किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: कोको गॉफ, अनिसिमोवा और मेदवेदेव ने दूसरे दौर में बनाई जगह

113वीं रैंकिंग की सोनमज ने किया बड़ा उलटफेर रूस की एकातेरिना को तीन सेट में हराया

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को अपनी सर्विस पर कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह अमांडा अनिमिसोवा और दानिल मेदवेदेव के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। तुर्की की 113वीं रैंकिंग की जेनेप सोनमज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का पहला सबसे बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने 11वीं वरीय एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को तीन सेट में 7-5, 4-6, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बना ली। मैच के दौरान सोनमज ने बाल गर्ल की मदद की और चर्चा का विषय बनीं।

डबल फॉल्ट की समस्या से जूझी कोको

गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया। गॉफ ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, लेकिन मेलबर्न पार्क में वह कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई थीं। अमेरिकी खिलाड़ी को फिर से डबल फॉल्ट की समस्या से जूझना पड़ा। दूसरे दौर में गॉफ का सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने रविवार को पहले दौर के मैच में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था।

मेदवेदेव ने जोंग को हराया

पुरुषों के वर्ग में कनाडा की सातवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स औगर अलियासिमे ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ अपना मैच बीच में ही छोड़ दिया। दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मैच में तब बोर्गेस 3-6, 6-4, 6-4 से आगे चल रहे थे।ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, 7-6 (2) से हराकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने ब्रिस्बेन में खिताब जीता था।

मैच के दौरान बॉल गर्ल की मदद करने के बाद छाई जेनेप

तुर्की की जेनेप सोनमज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का पहला सबसे बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने 11वीं वरीय एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को तीन सेट में 7-5, 4-6, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बना ली। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचने वाली पहली तुर्किश महिला खलाड़ी बन गई हैं। 113वीं रैंकिंग की टेनिस खलाड़ी के जबरदस्त खेल की चर्चा हर तरफ हो रही है, मगर वो इससे ज्यादा तो मैच के दौरान बॉल गर्ल की मदद करने के लिए छाई हुई हैं। दरअसल सोनमज पहला सेट जीतकर दूसरे सेट अपने नाम मुकाबला जीतने के लिए जब जोर लगा रही थी, तभी एक बॉल गर्ल बेहोश हो गई, जिसकी मदद के लिए उन्होंने दौड़ लगाई। हालांकि इसके बाद वह दूसरा सेट हार गई। तीसरे सेट में उन्होंने वापसी करते हुए टूर्नामेंट का पहला बड़ा उलटफेर कर दिया।

सोनमज ने किया सर्विस रोकने का अनुरोध

रूसी खिलाड़ी एलेक्जेंड्रोवा जब दूसरे सेट के लिए सर्व करने की तैयारी कर रही थी, तो अंपायर की कुर्सी के पास खड़ी बॉल गर्ल अपनी पीठ के बल गिर गई, लेकिन तुरंत उठ गई। हालांकि इसके बाद भी वह बीमार नजर आ रही थी। वो फिर से गिरती, उसे पहले बॉल गर्ल को बचाने के लिए 113वीं रैंक वाली सोनमज ने एलेक्जेंड्रोवा से सर्व रोकने का अनुरोध किया और बॉल गर्ल के पास जाकर उसे कोर्ट से बाहर ले जाने में मदद की।

फुटबॉल

सेनेगल का अफ्रीका कप पर कब्जा, मोरक्को को हराया

एजेंसी ▶▶| रबात

सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे। फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की।

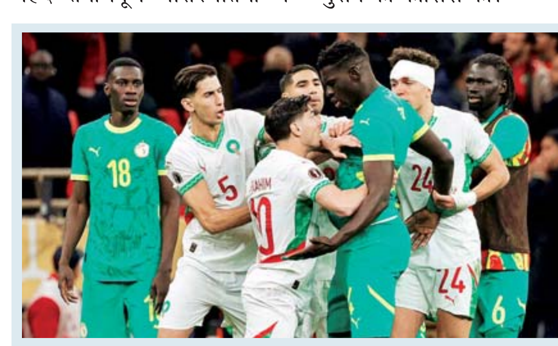

विरोध में मैदान से बाहर चले गए सेनेगल के खिलाड़ी

यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे। इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया। इसके बाद गुये ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में विजयी गोल दागा। मोरक्को की पराजय के कारण 69,500 दर्शकों की क्षमता वाला प्रिंस मौले अब्देललाह स्टेडियम अंतिम सीटी बजते ही खाली होने लग गया था। सेनेगल के खिलाड़ियों को ट्रॉफी उठाते हुए देखने के लिए बहुत कम लोग बचे थे। सेनेगल ने दूसरी बार अफ्रीका कप जीता। इससे पहले वह 2021 में चैंपियन बना था।

एसए20

सनराइजर्स शीर्ष स्थान पर एमआई केपटाउन बाहर

एजेंसी ▶▶| गक्बेरहा

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने अपने ऑलराउंड खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए एमआई केपटाउन को सात विकेट से हराकर एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट की अंक तालिका में अपना शीर्ष स्थान पक्का किया।

सनराइजर्स की इस जीत से एमआई केपटाउन की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद पर भी पानी फिर गया। उसे आगे बढ़ने के लिए बोनस अंक के साथ जीत की जरूरत थी लेकिन उसके बल्लेबाज कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए। एमआई केपटाउन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 148 रन बनाए। उसकी तरफ से रीज़ा हेंड्रिक्स ने नाबाद 70 रन (44 गेंदें, आठ चौके, एक छक्का) और जॉर्ज लिंडे ने 17 गेंदों में 30 रन (चार छक्के) का योगदान दिया लेकिन यह बोनस अंक के साथ जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था। सनराइजर्स की तरफ से क्रिस ग्रीन ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए। सनराइजर्स ने 19.5 ओवर में तीन विकेट पर 149 रन बनाकर जीत दर्ज की। क्विंटन डीकॉक (49 गेंदों में 56 रन, छह चौके, दो छक्के) ओर मैथ्यू ब्रीत्ज़के (55 गेंदों में 66 रन, आठ चौके) ने दूसरे विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी करके उसकी जीत सुनिश्चित की।

भारत में टी20 वर्ल्ड कप खेलो या बाहर हो आईसीसी की बीसीबी को दो टूक

नई दिल्ली। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से कहा है कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर 21 जनवरी तक फैसला ले या 7 फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे। आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत के बावजूद मसले का कोई हल नहीं निकल पाया है। यह संकट बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद शुरू हुआ। आईसीसी के सूत्र ने कहा,' बीसीबी अधिकारियों को 21 जनवरी तक फैसला लेने के लिए कहा गया है। अगर वे भारत आने से इनकार करते हैं तो रैंकिंग के आधार पर किसी दूसरी टीम को चुन लिया जाएगा।' सुरक्षा चिंताओं और राष्ट्रीय गौरव का हवाला देकर बीसीबी ने कहा है कि उसकी टीम कोलकाता और मुंबई में विश्व कप के लीग मैच खेलने भारत नहीं जाएगी। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है लिहाजा आईसीसी बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में स्थानांतरित नहीं करेगी। बांग्लादेश अगर आने से इनकार करता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिल सकता है।

इंडोनेशिया मास्टर्स : अच्छा प्रदर्शन करने पर भारतीय खिलाड़ियों की निगाह

आज से शुरू 5 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी स्पर्धा

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले सप्ताह घरेलू धरती पर खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर मंगलवार से यहां शुरू होने वाले 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

लक्ष्य सेन की भिड़ंत सिंगापुर के तेह से

पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ अपने अभियान की

शुरुआत करेंगे, जबकि एचएस प्रणय को मलेशिया के पूर्व विश्व नंबर दो और पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ली ज़ी जिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचने वाले किदाम्बी श्रीकांत का मुकाबला जापान के कोकी वातानाबे से, जबकि थारुन मन्नेपल्ली का मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा।

सिंधू करेंगी सुइजू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत

महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त पीवी सिंधू जापान की मनामी सुइजू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। सिंधू को इंडिया ओपन के पहले दौर में ही वियतनाम की विश्व में नंबर 23 गुयेन थुई लिन्ह से हार का सामना करना पड़ा था।

प्रज्ञाननंदा नहीं खोल पाए खाता, गुकेश ने फिर खेला ड्रॉ

एजेंसी ▶▶| विज्क आन ज़ी

गत चैंपियन आर प्रज्ञाननंदा का टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से हार गए। विश्व चैंपियन गुकेश को एक और कड़े मुकाबले में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट ने ड्रॉ पर रोक दिया। लगातार दूसरे ड्रॉ के साथ गुकेश का कुल अंक एक हो गया है। प्रज्ञाननंदा पहले दौर में हमवतन अर्जुन एरिगैसी से हार गए थे। इस तरह से वह टूर्नामेंट में अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं और उन्हें अपना खिताब बचाने के लिए बाकी बचे 11 राउंड में शानदार प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

BG कोचों की पेंटिंग और स्टेंसिलिंग के लिए ई-निविदा

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, MIB-WS, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित है:
निविदा सूचना सं.: MIBW-2025-19-06-09-08R दिनांक: 13.01.2026
कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में कार्य के दायरे के अनुसार BG कोचों की पेंटिंग और स्टेंसिलिंग कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,61,92,851/- (रु. एक करोड़ इकसठ लाख बानवे हज़ार आठ सौ इक्यावन मात्र), सभी करों सहित),
बयाना राशि: ₹ 2,31,000/- (रु. दो लाख एकतीस हजार मात्र)
अनुबंध की अवधि: 12 (बारह) महिने
निविदा प्रपत्र मूल्य: ₹ 0 (शून्य)।
निविदा जमा करना: बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां दिनांक **28.01.2026** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है व इन्हे अस्वीकार कर दिया जाएगा। ।
प्राप्त सभी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सहायक कार्यशाला प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मोतीबाग, नागपुर

FL/64-284

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

मैड्रिड को 'लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स' की मेजबानी

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

मैड्रिड लगातार तीसरे वर्ष 'लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स' की मेजबानी करेगा। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। पिछले साल की तरह यह पुरस्कार समारोह 20 अप्रैल को सिबेल्स पैलेस में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने कहा, 'मैड्रिड ने 2024 में पहली बार लॉरियस पुरस्कारों की मेजबानी की थी और उसके बाद शहर को 'लॉरियस स्पोर्ट फॉर गुड' से बहुत फायदा हुआ।'' '2026 में होने वाले पुरस्कार समारोह में एक बार फिर खेलों से जुड़े दिग्गजों के साथ मनोरंजन, संस्कृति और फैशन जगत की कुछ बड़ी हस्तियां भी इसमें शामिल होंगी। सात प्रमुख श्रेणियों में से प्रत्येक में विजेता रहने वाले को प्रतिष्ठित लॉरियस प्रतिमा प्रदान की जाएगी।'

GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH NARMADA VALLEY DEVELOPMENT DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER, RANI AVANTI BAI LODHI SAGAR PROJECT, BARGI HILLS, JABALPUR

Memo No. 11/119/G-2/2025-26 **NOTICE INVITING TENDER** **Dated 5/01/2026**

Online tenders are invited in Percentage Basis (in Form "A") based on M.P. W.R.D. USR 15-07-2024 up dated Amendment upto 11-12-2024 & SSR of MPRRDA w.e.f. in force from 01-01-2024 & P.W.D. SOR in force from 01-01-2024 for following works from registered contractor under centralized registration system with Engineer-in-Chief P.W.D. Bhopal and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No.	NIT NO.	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit(EMD) (In Rupees)	Cost of Bid Document (In Rupees)	Period of Completion (in Months)
1	2	3	4	5	6	7
1	15/2025-26/ G/CE/25-26 dated 05/01/2026 (1st Call)	Construction of W.B.M. Road on Service Bank of Harreri Branch Canal at R.D. 0.00 km. to R.D. 18.00 km.	Rs. 454.72 Lakh (Rs. Four hundred fifty four Lakh seventy two Thousand only) (Basedon M.P. W.R.D. USR15-0 -2024 up dated Amendment upto 11-12-2024 & SSR of MPRRDA w.e.f. in force from 01-01-2024)	Rs. 455000/- (Rs. Four lakhs fifty five thousand Only)	Rs. 15000/- (Fifteen Thousand Only)	12 Months Excluding Rainy Season
2	16/2025-26/ G/CE/25-26 dated 05/01/2026 (1st Call)	Construction of W.B.M. Road on Service Bank of Harreri Branch Canal at R.D. 18.00 km. to R.D. 35.00 km.	Rs. 424.30 Lakh (Rs. Four hundred twenty four Lakh thirty Thousand only) (Basedon M.P. W.R.D. USR15-0 -2024 up dated Amendment upto 11-12-2024 & SSR of MPRRDA w.e.f. in force from 01-01-2024)	Rs. 425000/- (Rs. Four lakhs twenty five thousand Only)	Rs. 15000/- (Fifteen Thousand Only)	12 Months Excluding Rainy Season
3	17/2025-26/ G/CE/25-26 dated 05/01/2026 (1st Call)	Construction of W.B.M. Road on Service Bank of Harreri Branch Canal at R.D. 35.00 km. to R.D. 52.83 km	Rs. 427.87 Lakh (Rs. Four hundred twenty seven Lakh eighty seven Thousand only) (Basedon M.P. W.R.D. USR15-0-2024 up dated Amendment upto 11-12-2024 & SSR of MPRRDA w.e.f. in force from 01-01-2024)	Rs. 428000/- (Rs. Four lakhs twenty eight thousand Only)	Rs. 15000/- (Fifteen Thousand Only)	12 Months Excluding Rainy Season
4	18/2025-26/ G/CE/25-26 dated 05/01/2026 (1st Call)	Construction of boundary wall surrounding the staff colony at bagaspur Tah.Gotegaon. Distt: Narsinghpur (MP)	Rs. 57.44 Lakh (Rs. Twenty two Lakh five Thousand only) (Based on M.P. W.R.D. USR 15-07-2024 & M.P., P.W.D. SOR in force from 01-01-2024)	Rs. 58000/- (Rs. Fifty eight thousand Only)	Rs. 10000/- (Ten Thousand Only)	06 Months Excluding Rainy Season

1. Detailed of NIT information of the tender can be obtained website https://www.mptenders.gov.in.
2. The tender document can be purchased only online form above website after making online payment using Debit Card or Internet Account.
3. The Bid Document can be purchased only online upto 22-01-2026, 17.30 hrs.
4. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

(D.L. Verma)
Chief Engineer
Rani Avanti Bai Lodhi Sagar Project, Bargi Hills, Jabalpur

G-24649/25

हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश : मप्र कर्मचारी मंडल सहित अन्य को नोटिस जारी

मेडिकल में एसोसिएट प्रोफेसर की सीधी भर्ती हाईकोर्ट के अंतिम निर्णय के अधीन

पदोन्नति से भरे जाने वाले पदों के लिए सीधी भर्ती का विज्ञापन निकालने को दी चुनौती

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर मेडिकल कालेज में एसोसिएट प्रोफेसर के पदोन्नति वाले पदों के लिए सीधी भर्ती की प्रक्रिया को अंतिम निर्णय के अधीन कर दिया। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने मध्य प्रदेश कर्मचारी मंडल व इंडियन नर्सिंग काउंसिल सहित अन्य को नोटिस जारी किए हैं। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी डा. श्वेता ठाकुर व डा. गायत्री वर्मा सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मप्र कर्मचारी मंडल द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के एसोसीयेट प्रोफेसर के 40 पदों पर सीधी भर्ती से नियुक्ति हेतु विज्ञापन निकाला गया है। उक्त 40 पद वर्ष 2024 में स्वीकृत हुए थे, जो पदोन्नति से ही भरे जाने हैं। एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर असिसटेंट प्रोफेसर पर कार्यरत शिक्षकों की पदोन्नति किया जा सकता है। वर्तमान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज, जबलपुर में लगभग 12 महिलाएं असिसटेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं, जिनके पास आवश्यक योग्यता व अहर्ता है।

याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से याचिका पर आपत्ति करते हुए हाई कोर्ट को अवगत कराया गया कि पदोन्नति से पद नहीं भरे जाने की स्थिति में सीधी भर्ती कर सकते हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि उन्हें पदोन्नति नही करने का कोई कारण नहीं बताया गया है। योग्यता के आधार पर पदोन्नति पाने की हकदार हैं और उनसे कार्य लिया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा

जब पद समान है तो वेतन में विसंगति क्यों

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि जब पद समान है तो वेतन में विसंगति क्यों है। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव, नेशनल हेल्थ मिशन के संचालक, सीएमएचओ जबलपुर व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जबलपुर निवासी अमित चंद्रा सहित नरसिंहपुर, रीवा व जिलों के कर्मचारियों की ओर से अधिवक्ता शिशिर सोनी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) के पद पर कार्यरत हैं। दलील दी गई कि वर्ष 2008 में सरकार ने विज्ञापन जारी कर बीपीएम और डिस्ट्रिक्ट कम्युनिटी मोबिलाइजर (डीसीएम) के पद भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला था। दोनों के पदों के लिए समान योग्यताएं व अहर्ताएं मांगी गई थीं। बीपीएम के लिए चयनित कर्मियों को डीसीएम से 2 हजार रुपए अधिक वेतन पर रखा गया था। दलील दी गई कि वर्ष 2013 से बीपीएम कर्मियों को डीसीएम के मुकाबले कम वेतन दिया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं ने संबंधित अधिकारियों को कई अभ्यावेदन दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को सरकारी कर्मचारी का दर्जा, समान वेतन और सुविधाएं देने की मांग

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को सरकारी कर्मचारी का दर्जा, समान वेतन और सभी सेवा सुविधाएं देने की मांग वाली याचिका को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ की याचिका पर महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव, आयुक्त व अन्य को नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने सभी से 4 सप्ताह में जवाब मांगा है।

मप्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ टीकमगढ़ की प्रदेश महासचिव संगीता श्रीवास्तव ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दलील दी कि

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं पिछले कई दशकों से मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और सामाजिक कल्याण योजनाओं का संचालन कर रही हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार ने आज तक इनके लिए नियमित कैडर का गठन नहीं किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार इनसे स्थायी कार्य तो ले रही है, लेकिन अधिकार देने से बच रही है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से बीएलओ, जनगणना, चुनाव एवं अन्य गैर-निर्धारित कार्य कराए जा रहे हैं, जो कि सरकार द्वारा जारी परिपत्रों के विपरीत है। संघ ने इसे कर्मचारियों के अधिकारों का खुला उल्लंघन बताया है। याचिका में कहा गया कि सरकार ने अपनी ही गाइडलाइन के भाग-3 और भाग-4 में सुविधाओं का आश्वासन दिया है, लेकिन आज तक उन्हें लागू नहीं किया गया।

2 घरों से लाखों के जेवर व 80 हजार नगद पार

महाराजपुर व कंचनपुर में ताले टूटे

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र में चोरी के दो मामलें सामने आए हैं। रेवा नगर महाराजपुर में और पुराना कंचनपुर में दो सूने घरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोर लाखों के सोने चांदी के जेवर सहित नगदी 80 हजार रुपए चोरी कर ले गए।

अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रेवा नगर महाराजपुर निवासी 31 वर्षीय रोहित पटेल गत सुबह लगभग 11 बजे परिवार सहित सामाजिक कार्यक्रम में गया था। जहां से दूसरे दिन दोपहर लगभग 12 बजे घर पहुंचा तो मेन दरवाजे का ताला टूटा देख उसके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो आलमारी का लॉक एवं रैक के ऊपर रखी पेटी का ताला टूटा था, जिनमें रखे सोने का हार, झुमकी, बेंदी, अंगूठी, पांचाली एवं चांदी की पायल, अंगूठी तथा नगदी लगभग 80 हजार रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।

इसी प्रकार अधारताल पोस्ट आफिस के पीछे शारदा होम्स ब्लाक पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी फ्रांसिस डिसूजा गत सुबह लगभग 5.30 बजे घर पर ताला लगाकर अपनी पत्नी के साथ अपनी बेटी मोतीनगर जैन हास्पिटल रोड़ बालघाट निवासी श्रीमति क्रिस्टीना के घर गए थे। फ्रांसिस ने अपने दोस्त को घर में पेड़ पौधों में पानी डालने के लिये बोल कर आये थे। गत दोपहर लगभग 2 बजे उनके दोस्त ने फोन पर चोरी की सूचना दी। सूचना मिलते ही फ्रांसिस डिसूजा अपने घर आया तो देखा कि आलमारी का लॉकर टूटा था जिसमें रखे सोने के टाप्स, चांदी की पायल, करधन, बिछिया, चांदी की कटोरी, चम्मच, सिक्का, चैन एंव तीन कम्बल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जबलपुर रेल मंडल ने वाणिज्यिक आय में बनाया रिकॉर्ड

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत जबलपुर रेल मंडल ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान माल लदान एवं माल ढुलाई के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में सर्वाधिक वाणिज्यिक आय अर्जित करने वाला मंडल बनने का गौरव प्राप्त किया है। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के नौवे माह (01 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025) के दौरान जबलपुर रेल मंडल द्वारा कुल 4.0 मिलियन टन माल लदान किया गया, जिससे मंडल को 398.35 करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड रेल राजस्व प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त, चालू वित्तीय वर्ष के दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 की अवधि में जबलपुर रेल मंडल द्वारा कुल 31.15 मिलियन टन माल लदान किया गया है, जिसके माध्यम से रेलवे को 3013.80 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण रेल राजस्व अर्जित हुआ है।

जांच में निकला रबर का खिलौना

दयोदय एक्सप्रेस के एसी कोच में दिखा सांप

हरिभूमि जबलपुर।

अजमेर से जबलपुर आ रही दयोदय एक्सप्रेस के एसी कोच में रविवार देर रात सांप होने की खबर से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। करीब दो घंटे तक यात्री भय और असमंजस की स्थिति में रहे। हालांकि कोटा स्टेशन पर हुई जांच के बाद राहत की बात सामने आई, जब कथित सांप प्लास्टिक (रबर) का खिलौना निकला। घटना रविवार रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब ट्रेन कोटा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर पहुंची। इससे पहले शाम के समय एसी कोच में सांप देखे जाने की सूचना फैल गई थी। सूचना मिलते ही स्नेक कैचर गोविंद शर्मा को मौके पर बुलाया गया, वहीं आरपीएफ के जवान भी सतर्कता के साथ मौजूद रहे।

ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही एसी कोच क्रमांक 1 और 2 में तलाशी अभियान चलाया गया। करीब 10 मिनट तक सीटों के नीचे और कोच के भीतर बारीकी से जांच की गई, लेकिन कोई सांप नहीं मिला। इसके बाद यात्रियों से

पूछताछ की गई, जिसमें मामला साफ हो गया। पूछताछ के दौरान सामने आया कि एक बच्चे के पास करीब डेढ़ फीट लंबा रबर का सांप था, जो खेलते समय उसके हाथ से फिसलकर सीट के नीचे चला गया था। किसी यात्री ने उसे असली समझकर सांप होने की सूचना दे दी, जिससे पूरे कोच में दहशत फैल गई।

रेल प्रशासन ने संभाली स्थिति

यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेल प्रशासन ने कोटा स्टेशन पर पहले से अतिरिक्त कोच की व्यवस्था कर रखी थी। दोनों संबंधित कोचों की दोबारा तलाशी के बाद जब किसी तरह के खतरे की पुष्टि नहीं हुई, तो ट्रेन को आगे के सफर के लिए रवाना कर दिया गया। जांच पूरी होने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली।

तापमान में उछाल से मौसम के मिजाज में बदलाव

पश्चिमी विक्षोभ से बादल छाए

जबलपुर। मौसम में बदलाव देखा जा रहा है पिछले 2 दिनों से दिन और रात का तापमान सामान्य से ऊपर चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आसमान पर बादलों की हल्की परत छा गई। दिन में तेज धूप की वजह से ठंड का अहसास नहीं होता. सूर्यास्त के बाद ठंड जोर मारने लगती है. मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद एक बार ठंड फिर लौटकर आएगी। फिलहाल दिन में लोगों को ठंड से राहत है, लेकिन शाम ढलने के बाद शीतल बयारों के बाद ठंड शुरु हो जाती है. मौसम कार्यालय के मुताबिक आने वालें दिनों में एक बार फिर मौसम के मिजाज बदलेंगे।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान जबलपुर शहर का अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। हवा में नमी प्रातः काल 77 प्रतिशत और सायंकाल 55 प्रतिशत आंकी गई। उत्तरी हवाएं 4-5 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। सूर्योदय सुबह 6.53 बजे और सूर्यास्त शाम 5.49 बजे हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तामपान 25.2 और न्यूनतम 7.6 डिग्री रिकार्ड किया गया था. अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना।

रादुविवि में नए सत्र के लिए ऑनलाइन नामांकन शुरू

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रथम सेमेस्टर और प्रथम वर्ष में अध्ययन शुरू करने वाले विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह प्रक्रिया 19 जनवरी से 27 जनवरी तक चलेगी, जिसमें विद्यार्थी घर बैठे अपना पंजीकरण कर सकेंगे। यह सुविधा विश्वविद्यालय से संबद्ध जबलपुर, नरसिंहपुर, मंडला, डिंडोरी एवं कटनी जिलों के कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई है। विश्वविद्यालय ने छात्रों से समय सीमा के भीतर नामांकन पूर्ण करने की अपील की है। निर्धारित अवधि में पंजीकरण नहीं करा पाने वाले छात्रों को एक और अवसर दिया गया है। ऐसे विद्यार्थी 27 से 29 जनवरी तक 330 रुपये विलंब शुल्क के साथ ऑनलाइन नामांकन कर सकेंगे। सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए नामांकन शुल्क 330 रुपये तय किया गया है, जबकि मध्यप्रदेश के बाहर से आने वाले छात्रों को 4000 रुपये इमिग्रेशन शुल्क का भुगतान करना होगा। नामांकन प्रक्रिया के अंतर्गत एमबीए (विभिन्न संकाय), बीबीए, बीसीए, बीएड, एमएड, बी.फार्मा, एमसीए एवं बीएससी एग्रीकल्चर जैसे प्रमुख पाठ्यक्रम शामिल हैं।

रसीद जमा करना अनिवार्य

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन नामांकन पूर्ण होने के बाद उसकी रसीद की एक प्रति संबंधित कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय विभाग में जमा करना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने की स्थिति में विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित रह सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए समय रहते नामांकन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि आगे किसी प्रकार की असुविधा न हो।

किसान व उसके दोस्तों से साढ़े 4 लाख हड़पे

ट्रेडिंग का झांसा देकर ठगी

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत पिपरिया बेनीखेड़ा में ट्रेडिंग का झांसा देकर एक जालसाज ने एक किसान और उसके तीन दोस्तों के लाखों रुपए हड़प लिए। बताया गया है कि सी.एम.डी कम्पनी के मालिक ने न्यूवे ट्रेडिंग कम्पनी के माध्यम से पैसे लगाने पर 12 प्रतिशत प्रॉफिट मूल रकम में जमा की हुई राशि पर प्रतिमाह मिलने का झांसा देकर किसान व उसके दोस्तों से साढ़े 4 लाख रुपए हड़प लिए और उसके बाद कंपनी का एकाउंट फ्रीज कर दिया।

माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरिया बनिखेड़ा माढ़ोताल निवासी 36 वर्षीय किसान सतेंद्र पटेल ने माढ़ोताल थाने में लिखित शिकायत की है कि एक वर्ष पहले उसके परिचित के गोहलपुर निवासी मोह. आयूब के माध्यम से उसे ट्रेडिंग की

जानकारी प्राप्त हुई कि न्यूवे ट्रेडिंग कम्पनी के माध्यम से पैसे लगाने पर 12 प्रतिशत प्रॉफिट मूल रकम में जमा की हुई राशि पर प्रतिमाह मिलता है फिर उसने न्यूवे कम्पनी में 5 हजार रूपये इनवेस्ट किया तो उसे प्रॉफिट मिला, उसने सी.एम.डी कम्पनी के मालिक कोशिक सरकार (खुर्सीद खान) के मोबाइल पर बात की तो सीएमडी ने बताया कि जितना आप जमा करोगे उसका 12 प्रतिशत प्रत्येक माह मिलेगा। उनकी बातों में आकर उसने तीन महिनों में अपनी यूपीआईडी से कम्पनी एकाउण्ट नम्बर पर उसके द्वारा 3 लाख रूपये ट्रांसफर कर दिये गये इसके बाद मई 2025 को कम्पनी का एकाउण्ट फ्रीज हो गया इसके बाद उसे प्रॉफिट नहीं हुआ। इसी तरह उसके दोस्त मोह. आयूब के 5 हजार रूपये जियोद्दीन अंसारी के 10 हजार रूपये, अली असगर के 1 लाख 50 हजार रूपये कम्पनी के अकाउण्ट में डाले गये हैं जिनका भी प्रॉफिट नहीं हुआ है इस संबंध में जब पीड़ितों ने सीएमडी कम्पनी के मालिक कौशिक सरकार (खुर्सीद खान) से बात की तो उसने पैसे न देने में हीला हवाली की और एकाउण्ट फ्रीज होने का बहाना बनाया।

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर कम्पनी के सीएमडी के मालिक कौशिक सरकार (खुर्सीद खान) के विरूद्ध धारा 318(4), 319(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

खूनी संघर्ष : बेलखाडू बना रणक्षेत्र

दो पक्षों में हिंसक संघर्ष, 9 घायल

हरिभूमि जबलपुर।

कटंगी थाना क्षेत्र के रामबाण बेलखाडू इलाके में पुराने विवाद ने उग्र रूप ले लिया। दो गुटों के बीच कहासुनी से शुरू हुआ मामला कुछ ही देर में हिंसक संघर्ष में तब्दील हो गया। दोनों पक्षों ने कुल्हाड़ी, डंडों और अन्य धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना में नौ लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस को दी गई शिकायत में एक पक्ष की रश्मि प्रजापति ने बताया कि कपिल पटेल, अमन पटेल सहित अन्य लोग हथियार लेकर उनके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि हमलावरों ने

परिवार के सदस्यों के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिसमें जेठ, जेठानी और बेटी को चोटें आईं। पीड़ित पक्ष का कहना है कि हमले के दौरान जान से मारने की धमकियां भी दी गईं। वहीं दूसरे पक्ष के अमन पटेल ने पुलिस को बताया कि पुराने विवाद को लेकर अरुण और वरुण नामक युवकों ने उन पर हमला किया। कुल्हाड़ी और डंडों से किए गए हमले में उनके पिता के सिर पर गंभीर चोट आई है।

दोनों ओर से मामले दर्ज, जांच शुरू

स्थिति की नजाकत को देखते हुए कटंगी थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर एक-दूसरे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

अधिसूचना जारी, अभी 1 साल और भंग रहेगा केंट बोर्ड

केंट बोर्ड में फिलहाल चुनाव की संभावना नहीं

जबलपुर। वर्तमान में रक्षा मंत्रालय छावनी मंडल में मेंबर चुनाव कराने तैयार नहीं है। इसका अंदेशा इसी बात से होता है कि हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर जबलपुर सहित देश के 56 केंट बोर्ड को भंग रखे जाने की समय सीमा में एक साल की बढ़ोत्तरी कर दी है। गौरतलब हो कि जबलपुर छावनी परिषद (केंट बोर्ड) सहित देश के 56 बोर्ड में पिछले 5 सालों से मेंबर के चुनाव नहीं कराए गए हैं। अंतिम निर्वाचित केंट बोर्ड मेंबर्स का कार्यकाल 10 फरवरी 2020 को

समाप्त हुआ था जिसके बाद से लगातार रक्षा मंत्रालय केंट एक्ट के प्रावधानों के तहत बोर्ड को भंग की स्थिति में रखे हुए है।

रक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी यह अधिसूचना 11 फरवरी 2026 से अगले एक साल तक के लिए प्रभावी रहेगी। इस दौरान अगर मेंबर्स का चुनाव हुआ तो ठीक नहीं तो बोर्ड भंग ही रहेगी। रक्षा मंत्रालय ने इस बात की घोषणा पूर्व में ही कर दी थी कि कैंट बोर्ड के अधीन आने वाले सिविल एरिया को समीपस्थ निकायों में विलय किया जाना है।

इसलिए बोर्ड मेंबर के चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। हालांकि विलय की प्रक्रिया काफी धीमी है। देश के एक कैंट बोर्ड को छोडकर अभी तक शेष बचे कैंट बोर्ड को लेकर स्थिति साफ नहीं है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240